अमित शाह का दावा, भाजपा पहले चरण की 110 सीटें जीतेगी - 7

अनिश्चितता से घिरे शेयर बाजार में फिर बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 1,000 अंक टूटा- 10

इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था के लिए नाबालिग को बाध्य नहीं कर सकते : सुप्रीम कोर्ट - 11

सचिन तेंदुलकर ने घर पर प्रशंसकों के साथ मनाया 53वां जन्मदिन - 12

आज का मौसम
43.0° अधिकतम तापमान
28.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.37
सूर्यास्त 06.43

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ, बरेली, कानपुर, मुरादाबाद, अयोध्या, हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष नवमी 06:28 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2083

शनिवार, 25 अप्रैल 2026, वर्ष 36, अंक 77, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

आप के केजरी की ढही 'वॉल'

राघव चड्ढा, मालीवाल समेत सात राज्यसभा सांसद आप का दामन छोड़ भाजपा में शामिल | चड्ढा बोले- जिस पार्टी को उन्होंने खून-पसीने से सींचा वह अपने सिद्धांतों से पूरी तरह भटकी

नई दिल्ली, एजेंसी

आम आदमी पार्टी (आप) को शुक्रवार को उस समय बड़ा झटका लगा जब राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक समेत पार्टी के सात राज्यसभा सदस्यों ने पार्टी छोड़ दी। चड्ढा ने कहा कि वे सभी भाजपा में शामिल हो गए हैं। उन्होंने दावा किया कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी अपने सिद्धांतों, मूल्यों और नैतिकता से भटक गई है। सात सांसदों के समूह में हरभजन सिंह, राजेंद्र गुप्ता, विक्रम साहनी और स्वाति मालीवाल भी शामिल हैं। इन सांसदों के इस्तीफे की जानकारी मध्य दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में जल्दबाजी में बुलाई गई प्रेसवार्ता में दी गई, जिसके कारण कई लोग आश्चर्यचकित रह गए।

भाजपा ने सांसदों का गर्मजोशी से स्वागत किया और पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन ने उन्हें मिठाई खिलाई। नवीन ने इसके तुरंत बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज पार्टी मुख्यालय में राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल का भाजपा परिवार में स्वागत किया। साथ ही, हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, विक्रम साहनी और राजेंद्र गुप्ता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर काम करने के लिए शुभकामनाएं। 'आप' नेताओं ने भाजपा पर पार्टी सांसदों को तोड़ने के लिए ऑपरेशन लोटस शुरू करने और पंजाब में मान सरकार के अच्छे कार्यों को रोकने की साजिश रचने का आरोप लगाया। चड्ढा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सात सांसद भाजपा में सम्मिलित हो गए हैं क्योंकि 'आप' अब अपने संस्थापक सिद्धांतों का सम्मान नहीं कर रही। उन्होंने कहा, जिस आम आदमी पार्टी को मैंने अपने खून-पसीने से सींचा, अपनी जवानी के 15 साल दिए, वह अपने सिद्धांतों, मूल्यों और नैतिकता से पूरी तरह भटक गई है। हाल ही में चड्ढा को राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के उपनेता पद से हटा दिया गया और उनकी जगह मित्तल को नियुक्त किया गया था। उन्होंने पार्टी के 10 सांसदों का संदर्भ देते हुए कहा, संविधान के अनुसार, किसी पार्टी के कुल सांसदों में से दो-तिहाई सांसद दूसरी पार्टी में सम्मिलित हो सकते हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के साथ हाथ मिलाते राघव चड्ढा।

इन सांसदों ने छोड़ा आप

विक्रमजीत साहनी

राजेंद्र गुप्ता

स्वाति मालीवाल

संदीप पाठक

अशोक मित्तल

हरभजन सिंह

भाजपा ने पंजाब की जनता के साथ धोखा किया

नई दिल्ली। पूर्व मुख्यमंत्री एवं आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब की जनता के साथ विश्वासघात किया है। इसके लिए जनता उन्हें माफ नहीं करेगी।

आप सही रास्ते पर चलती तो चड्ढा व अन्य पार्टी नहीं छोड़ते

मुंबई। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कहा कि अगर आप सही रास्ते पर चलती तो राघव चड्ढा और पार्टी के छह अन्य राज्यसभा सदस्य पार्टी नहीं छोड़ते। हजारे ने कहा, यह आप नेतृत्व की गलती है। पार्टी ने सही राह अपनाई होती, तो वे पार्टी नहीं छोड़ते।

भाजपा बोली- भ्रष्ट आम आदमी पार्टी पर कोई भरोसा नहीं करता

नई दिल्ली। भाजपा ने कहा कि आप के सात राज्यसभा सदस्यों के इस्तीफा देने से पार्टी पूरी तरह से बिखर गई है। राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक पोस्ट में कहा, भ्रष्ट आम आदमी पार्टी पर कोई भरोसा नहीं करता। यह पार्टी, जिसने खुद को एक अलग तरह की पार्टी होने का दावा करते हुए शुरुआत की थी, भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई है।

टेक्नोलॉजी, वैल्यू एडिशन और किसानों की आय बढ़ाना लक्ष्य : शिवराज सिंह

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हर राज्य को कृषि के लिए स्पष्ट रोडमैप के साथ फार्मर आईडी बनाने में तेजी लाने पर जोर देते हुए कहा कि टेक्नोलॉजी, वैल्यू एडिशन और किसानों की आय बढ़ाना लक्ष्य है। किसानों को नई तकनीक, बेहतर बीज और आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ना ही सरकार की प्राथमिकता है। बिना लक्ष्य ठोस योजना के खेती और किसानों का समग्र विकास संभव नहीं है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को लखनऊ के एक होटल में आयोजित क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन (उत्तर क्षेत्र) का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर और भागीरथ चौधरी के साथ उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश में फार्मर आईडी बनाने का काम तेजी से चल रहा है, जिससे किसानों को एक विशिष्ट पहचान मिलेगी। इस आईडी के माध्यम से किसान विभिन्न सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने राज्यों से इस दिशा में तेजी से कार्य करने का आह्वान किया। चौहान ने कहा कि देश में अब 'लैब टू लैंड' की अवधारणा को तेजी से लागू किया जा रहा है, जिससे शोध सीधे खेत तक पहुंच रहा है। केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि कृषि को वैल्यू एडिशन और प्रोसेसिंग से जोड़ना समय की आवश्यकता है। फूड प्रोसेसिंग, कोल्ड स्टोरेज और मार्केटिंग नेटवर्क के विस्तार से किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा। कार्यक्रम में यूपी के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, उद्यान मंत्री हिमाचल प्रदेश जगत सिंह नेगी, कृषि मंत्री उत्तराखंड गणेश जोशी आदि प्रमुख लोग शामिल रहे।

- केंद्रीय कृषि मंत्री और सीएम योगी ने किया क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन का उद्घाटन, फार्मर आईडी पर फोकस
- रामनाथ ठाकुर बोले- कृषि को आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्यों के साथ समन्वय जरूरी

पहले औपचारिक आयोजनों तक सीमित थीं नीतियां: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले नीतियां केवल औपचारिक आयोजनों तक सीमित थीं, लेकिन अब किसानों को जानकारी, संसाधन और बाजार तीनों उपलब्ध हो रहे हैं। यही कारण है कि किसान नई तकनीकों को अपनाकर बेहतर परिणाम दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 'लैब टू लैंड' की अवधारणा अब धरातल पर उतर चुकी है, जिससे किसानों को सीधे वैज्ञानिक तकनीकों का लाभ मिल रहा है। वैज्ञानिक तकनीकों, एग्रो-क्लाइमेटिक जोन आधारित रणनीति और केंद्र-राज्य के समन्वित प्रयासों से प्रदेश में कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि प्रति हेक्टेयर उत्पादन बढ़ा है, बहुफसली खेती का विस्तार हुआ है और वैल्यू एडिशन पर फोकस बढ़ा है।

ब्रीफ न्यूज

पेटीएम पेमेंट्स बैंक का बैंकिंग लाइसेंस रद्द

मुंबई। आरबीआई ने शुक्रवार को कहा कि उसने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को जारी किया गया बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया है। बैंक के मामले इस तरह से संचालित किए जा रहे थे, जो बैंक और उसके जमाकर्ताओं के हित के लिए हानिकारक थे। आरबीआई ने कहा, बैंक के प्रबंधन का सामान्य चरित्र जमाकर्ताओं के हित के साथ ही सार्वजनिक हित के लिए भी प्रतिकूल है। इसके चलते पेटीएम पेमेंट्स बैंक को किसी भी बैंकिंग व्यवसाय के संचालन से प्रतिबंधित कर दिया गया है। आरबीआई ने यह भी कहा कि वह बैंक को बंद करने के लिए उच्च न्यायालय में एक आवेदन करेगा।

राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के आरोप में दो गिरफ्तार

बिजनौर। आपत्तिजनक सोशल मीडिया सामग्री और हथियारों के गैरकानूनी इस्तेमाल से जुड़ी राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्त दो लोगों को बिजनौर से गिरफ्तार किया गया है। यह मामला 23 नवंबर, 2025 को इंस्टाग्राम पर प्रसारित एक वीडियो से संज्ञान में आया, जिसमें आकिब 'लाइव सत्र' के दौरान अन्य लोगों के साथ हथियार प्रदर्शित करते हुए दिखाई दे रहा था। बाद में यह वीडियो मीडिया प्रोफाइल पर पोस्ट किया गया। जांच में कई की पहचान की गई। इनमें से उवैद मलिक, जलाल हैदर, समीर उर्फ रूहान और माजुल पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं।

सीईसी ज्ञानेश को हटाने के लिए 73 सांसदों का नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- विपक्षी दलों ने राज्यसभा के महासचिव को सौंपा नया प्रस्ताव
- कांग्रेस ने कहा- सीईसी का पद पर बने रहना संविधान पर हमला

विपक्षी दलों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के संदर्भ में शुक्रवार को राज्यसभा को नया नोटिस सौंपा और उन पर सत्तारूढ़ दल के साथ निकटता सहित कई आरोप लगाए। संसद के उच्च सदन के 73 सदस्यों के हस्ताक्षर वाला यह नोटिस राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को दिया गया है।

राज्यसभा के महासचिव ने कहा कि यह मांग 15 मार्च 2026 को और उसके बाद उनके द्वारा किए गए कृत्यों और गलतियों के आधार पर सिद्ध दुराचार के आधार पर की गई है, जो भारत के संविधान के अनुच्छेद 324(5) को अनुच्छेद 124(4) के साथ पढ़ते हुए, साथ ही मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की धारा 11(2) तथा न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के अंतर्गत आता है। रमेश ने कहा कि अब मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ नौ विशिष्ट आरोप हैं, जिन्हें बेहद विस्तार से दर्ज किया गया है और जिन्हें न तो नकारा जा सकता है और न ही दबाया जा सकता है। उन्होंने दावा किया, उनका पद पर बने रहना संविधान पर हमला है। यह पूरी तरह शर्मनाक है कि वह अब भी पद पर बने हुए हैं, ताकि पीएम और गृह मंत्री के इशारों पर काम कर सकें। विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्ताव लाने का नया नोटिस देते हुए उनके विरुद्ध कई आरोप लगाए हैं,

विपक्ष बोला- बड़ी संख्या में मतदाता हुए वंचित

विपक्षी दलों ने एसआईआर का हवाला देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में लोगों को मताधिकार से वंचित किया गया तथा 90 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि पश्चिम बंगाल में आयोग के अधिकारियों द्वारा अलग-अलग शिकायतों पर जानबूझकर कार्रवाई नहीं की गई। विपक्षी सांसदों का यह दावा भी है, 'दोषपूर्ण एसआईआर को राष्ट्रव्यापी स्तर पर करने की संस्तुति दी गई।

नौका विहार

कोलकाता : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार सुबह हुगली नदी में नौका की सवारी की। इस दौरान उन्होंने कहा कि नदी की दिव्य जलधाराएं एक पूरी सभ्यता की शाश्वत भावना को अपने अंदर समेटे हुए हैं। ● अमृत विचार

डीएलएड अभ्यर्थियों को मिली यूपी टीईटी 2026 में बैठने की अनुमति

विधि संवाददाता, लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने डीएलएड (ओडीएल) करने वाले अभ्यर्थियों को बड़ी राहत देते हुए उन्हें यूपी-टीईटी 2026 परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने कहा है कि ऐसे अभ्यर्थियों को फिलहाल (प्रोविजनल) रूप से परीक्षा में बैठने दिया जाए। इसके साथ ही स्पष्ट किया कि इन अभ्यर्थियों के चयन का मामला याचिका में पारित होने वाले अंतिम आदेश के अधीन रहेगा।

कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार से जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 22 मई को होगी। न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने शुभम कुमार शुक्ला समेत 36 याचियों की याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिका में मांग की गई थी कि डीएलएड-ओडीएल (ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग) को यूपी-टीईटी 2026 के ऑनलाइन फॉर्म में शामिल किया जाए और अभ्यर्थियों को आवेदन करने दिया जाए।

हाईकोर्ट ने दी राहत

अमेरिकी दूत विटकॉफ, कुशनर और ईरान से विदेश मंत्री अराघची इस्लामाबाद वार्ता में होंगे शामिल

वाशिंगटन/इस्लामाबाद। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को घोषणा की कि युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों के तहत अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ईरानी प्रतिनिधिमंडल के साथ सीधी बातचीत के लिए शनिवार को पाकिस्तान जाएंगे। वहीं, ईरान की तरफ से विदेश मंत्री अब्बास अराघची प्रमुख रूप से वार्ता में शामिल होंगे। अराघची के नेतृत्व में एक मंडल इस्लामाबाद पहुंच गया है। इसी बीच ईरानी दूत काजेम जलाली ने कहा है कि ईरान मामलों को कूटनीति से सुलझाना पसंद करेगा, अगर बात बिगड़ती है, तो वह युद्ध जारी रखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

एनआईए को आरोपपत्र दाखिल करने की अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

मालदा मामला

- न्यायिक अधिकारियों के घेराव मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिए आदेश

शीर्ष कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में एक अप्रैल को हुई उस सनसनीखेज घटना की जांच पूरी होने पर एनआईए को आरोप-पत्र दाखिल करने की शुक्रवार को अनुमति दे दी, जिसमें मालदा जिले में एक भीड़ ने सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बना लिया था।

प बंगाल, ओडिशा और झारखंड के कुल 700 न्यायिक अधिकारी एसआईआर प्रक्रिया में तैनात हैं, ताकि मतदाता सूची से बाहर किए गए लोगों की 60 लाख से अधिक आपत्तियों का निपटारा किया जा सके। एनआईए की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ को बताया कि जांच एजेंसी ने अब तक की जांच का विवरण देते हुए एक नयी स्थिति रिपोर्ट दाखिल की है।

न्यायाधिकरणों को तत्काल सुनवाई करने के आदेश

शीर्ष कोर्ट ने अपीलीय न्यायाधिकरणों से कहा कि बंगाल में मतदाता सूचियों के एसआईआर के बाद जिन लोगों का नाम जोड़ने के लिए तत्काल सुनवाई का मामला बनता है, उनकी याचिकाओं पर प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई की जाए। सुनवाई की शुरुआत में भारत सीजेआई सूर्यकांत ने बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में भारी मतदान पर खुशी जताई।

गाजियाबाद में मासूम से दुष्कर्म कर हत्या मामले में डीजीपी को महिला एसआईटी बनाने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को यूपी के डीजीपी को निर्देश दिया कि वह पिछले महीने गाजियाबाद में चार साल की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में समयबद्ध जांच के लिए किसी आयुक्त या महानिरीक्षक रैंक की अधिकारी के नेतृत्व में पूरी तरह से महिला अधिकारियों की एसआईटी का गठन करें।

कोर्ट ने मामले की जांच के प्रति गाजियाबाद पुलिस की टालमटोल को लेकर चिंता जताई थी। कोर्ट ने निर्देश दिया कि एसआईटी का गठन शनिवार को पूर्वाह्न 11 बजे तक अधिसूचित किया जाए। संबंधित घटना 16 मार्च को हुई थी जब एक पड़ोसी दिहाड़ी मजदूर की बेटी को चॉकलेट दिलाने के बहाने बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। जब बच्ची वापस नहीं लौटी, तो उसके पिता ने उसकी तलाश शुरू की और बच्ची को खून से लथपथ एवं बेहोश पाया। मामले में चौंकाने वाली बात यह रही कि जब बच्ची मिली थी तो वह जीवित थी, लेकिन दो निजी अस्पतालों ने उसका इलाज करने से इनकार कर दिया जिसके कारण बाद में गाजियाबाद जिला अस्पताल में उसकी मृत्यु हो गई।

- एसआईटी में पुलिस आयुक्त या महानिरीक्षक रैंक की एक महिला अधिकारी होंगी शामिल

एसआईटी दो सप्ताह के जांच पूरी करे : पीठ

पीठ ने निर्देश दिया कि एसआईटी बिना देरी के जांच शुरू करे और अधिमानत: दो सप्ताह के भीतर जांच पूरी करने का प्रयास करे। इसने कहा कि एसआईटी बच्ची के माता-पिता द्वारा की गई सभी शिकायतों की जांच करेगी। पीठ ने कहा, जांच के परिणाम के आधार पर, आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पीठ ने आदेश दिया कि एसआईटी में महिला पुलिस अधिकारी शामिल होंगी, जिनमें उप्र कैडर की पुलिस आयुक्त या महानिरीक्षक रैंक की महिला अधिकारी भी शामिल होंगी, लेकिन जिनका राज्य से कोई संबंध नहीं होगा।

भरोसा | आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन से ही साकार होगा सपना

भारत का विश्वगुरु बनना तय, देश के भविष्य पर संदेह न करें

नागपुर, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत निश्चित रूप से विश्वगुरु बनेगा और देश के भविष्य के बारे में किसी को भी कोई संदेह नहीं रखना चाहिए। भागवत ने कहा, पहले लोगों को संदेह था कि राम मंदिर कभी बनेगा भी या नहीं, लेकिन उसका निर्माण हुआ। इसी तरह, भारत का विश्वगुरु बनना भी तय है।

आरएसएस प्रमुख ने नागपुर शहर के बाहरी इलाके जामथा में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) के परिसर में 'भारत दुर्गा शक्ति स्थल' के भूमि पूजन के बाद यह बात कही। भागवत ने कहा कि भारत के विश्वगुरु बनने का सपना निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन के माध्यम से साकार होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि इस तरह का परिवर्तन वर्तमान पीढ़ी में देखा जा सकता है। संघ प्रमुख ने कहा कि भारत के भविष्य को लेकर किसी भी तरह का संदेह मन से निकाल देना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत के भविष्य पर संदेह न करें। साहस और आत्मनिर्भरता के साथ जिएं तथा इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं। भारत मजबूत बनेगा और दुनिया का मार्गदर्शन करेगा। भागवत ने राम मंदिर आंदोलन का उदाहरण देते हुए कहा, लोगों को संदेह था कि राम मंदिर बनेगा या नहीं, लेकिन यह बना। इसी तरह, भारत का विश्वगुरु बनना तय है। इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि कोई चीज होगी या नहीं होगी। जो होना तय है, वह होकर रहेगा। उन्होंने कहा, यदि हम अपने संकल्प के अनुसार कदम दर कदम कार्य करते रहें, तो भारत मजबूत, सदाचारी और वैश्विक मार्गदर्शक बनेगा। भागवत ने कहा कि भारत को सही मायने में समझने के लिए लोगों को पहले भारत में गहराई से झांकना होगा।

भारत माता की पूजा करने के लिए हमें खुद भारत बनना होगा

उन्होंने कहा, भारत माता की पूजा करने के लिए हमें खुद भारत बनना होगा। भागवत ने कहा कि देश को उसके सभ्यतागत मूल्यों के आधार पर समझा जाना चाहिए, न कि 150 वर्षों में विकसित औपनिवेशिक या पश्चिमी दृष्टिकोण से। उन्होंने नागरिकों से पश्चिमी सोच को त्यागने और विचार एवं आचरण के मामले में भारतीय परंपराओं से फिर से जुड़ने का आग्रह किया। भागवत ने कहा कि यह परिवर्तन दैनिक जीवन में छोटे, लेकिन सार्थक बदलावों से शुरू होगा, जैसे कि भाषा, पहनावा, खान-पान की आदतें और सांस्कृतिक प्रथाएं। उन्होंने कहा कि भारत माता की पूजा का विचार केवल अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए व्यक्तियों को अपने जीवन में स्वयं को भारत के स्वरूप में ढालने की आवश्यकता होती है।

न्यूज ब्रीफ

डीएल में गलत जन्मतिथि सुधारने की सुविधा शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में अब ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) में गलत दर्ज जन्मतिथि को आसानी से सुधारा जा सकेगा। परिवहन विभाग ने संशोधन की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया है, जिससे आवेदकों को बड़ी राहत मिलेगी। विभाग के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के डीएल या आधार कार्ड में जन्मतिथि गलत दर्ज है, तो वह निर्धारित प्रक्रिया के तहत संशोधन करा सकता है। इसके लिए आवेदक को तीन मान्य दस्तावेजों में से किसी एक को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही जन्मतिथि में बदलाव किया जाएगा। यह सुविधा Sarathi Parivahan Portal पर उपलब्ध है, जहां आवेदक घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

शिक्षामित्रों के मानदेय को 250 करोड़ जारी

अमृत विचार, लखनऊ : परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों को बड़ी राहत देते हुए प्रदेश सरकार ने उनका मानदेय बढ़ाकर 18 हजार रुपये कर दिया है। इसके लिए 250 करोड़ रुपये की धनराशि जारी कर दी गई है, जिससे इसी माह से बढ़े हुए मानदेय का भुगतान शुरू हो जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग के तहत जारी यह बजट बेसिक शिक्षा निदेशालय के माध्यम से सभी जिलों को आवंटित कर दिया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, यह राशि केवल शिक्षामित्रों के मानदेय भुगतान के लिए ही उपयोग की जाएगी। बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि धनराशि का उपयोग निर्धारित मद में ही किया जाए। समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत भी मानदेय भुगतान की प्रक्रिया जारी रहेगी।

पर्यटन विकास की आठ परियोजनाएं मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने पर्यटन विकास को गति देने के लिए बलिया में 9.08 करोड़ रुपये की आठ परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं का क्रियान्वयन राज्य पर्यटन विकास निगम के माध्यम से किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत आजमगढ़ मंडल में आने वाले बलिया जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में धार्मिक और पर्यटन स्थलों के विकास के लिए यह धनराशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृत परियोजनाओं में रसड़ा क्षेत्र स्थित लखनेश्वर मंदिर (50 लाख), बांसडीह का काली मंदिर (60 लाख), सिकंदरपुर का शिव मंदिर (50 लाख) और बेल्थरा क्षेत्र के राम जानकी मंदिर (64 लाख) शामिल हैं। इसके अलावा बलिया नगर स्थित महर्षि भृगु आश्रम के लिए 437 लाख, फेफना क्षेत्र के बाबा मुक्तिनाथ धाम के लिए 101 लाख, बैरिया के खपड़िया बाबा आश्रम के लिए 51 लाख तथा नगरा (जमुआंव) के प्राचीन शिव मंदिर के लिए 55 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

सपा प्रमुख से उलेमाओं ने की मुलाकात

अमृत विचार, लखनऊ : पश्चिमी उप्र. के प्रमुख उलेमाओं के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की। उलेमाओं का कहना था कि 2027 में अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनेंगे। देश को आज उनकी बहुत जरूरत है। सभी ने एकस्वर में कहा कि प्रदेश बचाना है, अखिलेश को लाना है। सय्यदना खालिद बिन वालीद ट्रस्ट देवबंद के निदेशक कारी मो. सलीम कासमी ने शेखुल हिंद मेडिकल कॉलेज सहारनपुर में चिकित्सा सुविधाओं का मसला उठाया। सपा प्रमुख ने आश्वासन दिया कि सपा सरकार बनने पर शेखुल हिंद मेडिकल कॉलेज में उच्चस्तरीय इलाज की व्यवस्थाएं की जाएगी।

संस्कृत बोर्ड परीक्षा में 95 प्रतिशत विद्यार्थी रहे सफल

कक्षा-10 में सृष्टि और कक्षा-12 में रजनीश यादव ने हासिल किया प्रदेश में पहला स्थान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद की वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम घोषित कर दिया गया है। पारदर्शी और नकलविहीन व्यवस्था के बीच आयोजित परीक्षा में इस बार 95 प्रतिशत से अधिक परीक्षार्थी सफल रहे हैं।

माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए इसे विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और सरकार की पारदर्शी परीक्षा प्रणाली का परिणाम बताया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 1091 संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों के हजारों छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में भाग लिया।

पूर्व मध्यमा द्वितीय (कक्षा-10) में सृष्टि ने 94.43 प्रतिशत अंकों के साथ प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया। वहीं उत्तर मध्यमा द्वितीय (कक्षा-12) में रजनीश यादव ने 89.36 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप किया।

परिणाम के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव, माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के सचिव शिव लाल व अन्य। अमृत विचार

तीनों स्तरों पर शानदार प्रदर्शन

पूर्व मध्यमा द्वितीय (कक्षा-10) में 95.91 प्रतिशत, उत्तर मध्यमा प्रथम में 94.40 प्रतिशत और उत्तर मध्यमा द्वितीय (कक्षा-12) में 94.86 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल घोषित किए गए हैं।

आंकड़ों में सुधार के संकेत

इस वर्ष परिणाम में भी सुधार दर्ज किया गया है। कक्षा-10 के उत्तीर्ण प्रतिशत में पिछले वर्ष की तुलना में 2.79 प्रतिशत और कक्षा-12 में 6.82 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

जेवर एयरपोर्ट पर सुलझा सीईओ विवाद, भारतीय को मिली कमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नीतू समरा बनीं अंतरिम सीईओ नियम के अनुरूप बदलाव से सुरक्षा मंजूरी का रास्ता साफ

अमृत विचार : बहुप्रतीक्षित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानें शुरू होने में आ रही बड़ी बाधा अब दूर होती दिख रही है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने नेतृत्व ढांचे में बदलाव करते हुए भारतीय नागरिक नीतू समरा को अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। इससे सुरक्षा नियमों से जुड़ा विवाद सुलझने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

दरअसल, ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) के नियमों के अनुसार किसी भी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का सीईओ भारतीय नागरिक होना अनिवार्य है, क्योंकि वही सुरक्षा समन्वयक की भूमिका निभाता है। इसी कारण एयरड्रोम सिक्योरिटी प्रोग्राम (एएसपी) की मंजूरी अटकी हुई थी और उड़ानों की शुरुआत में देरी हो रही थी।

एयरपोर्ट संचालन कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. ने अब इस बाधा को दूर करते हुए नीतू समरा को अंतरिम सीईओ बनाया है। वह इससे पहले मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के पद पर कार्यरत थीं और परियोजना के विकास में अहम भूमिका निभा चुकी हैं। वहीं, पूर्व सीईओ स्विस नागरिक क्रिस्टोफ श्नेलमैन को कार्यकारी उपाध्यक्ष की नई जिम्मेदारी दी गई है, ताकि प्रबंधन में निरंतरता बनी रहे।

इस बदलाव के बाद एयरपोर्ट के लिए आवश्यक एएसपी सुरक्षा मंजूरी मिलने की संभावना बढ़ गई है। एएसपी के बिना किसी भी एयरपोर्ट पर वाणिज्यिक उड़ान संचालन संभव नहीं होता था और सीईओ की विदेशी नागरिकता इस प्रक्रिया में प्रमुख बाधा बनी हुई थी।

धर्मांतरण गिरोह को विदेशों से मिले थे अरबों रुपये

छांगुर बाबा मामले में एटीएस और ईडी की चार्जशीट में खुलासा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के धर्मांतरण गिरोह के खिलाफ एटीएस कोर्ट में सुनवाई चल रही है। कोर्ट ने अरबों रुपये के विदेशी फंडिंग और धर्मांतरण के गिरोह संचालित करने वाले छांगुर बाबा की डिस्चार्ज अर्जी को हाल ही में खारिज कर दिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद छांगुर व उसके साथियों के खिलाफ सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है।

ईडी और एटीएस की संयुक्त टीम ने जलालुद्दीन उर्फ छांगुरबाबा के खिलाफ 1400 पन्नों की विस्तार से चार्जशीट दाखिल की है। इसमें 100 करोड़ रुपए से अधिक की विदेशी फंडिंग, जमीन खरीद और संगठित तरीके से धर्मांतरण कराने जैसे संगीन आरोप लगाए हैं। चार्जशीट में फंडिंग, संपत्ति खरीद, बैंक ट्रांजैक्शन और आरोपियों के बीच संबंधों का विस्तृत विवरण दिया गया है। चार्जशीट में उल्लेख किया गया है कि आरोपी एक संगठित गिरोह के रूप में काम कर रहे थे, जिनका उद्देश्य बड़े पैमाने पर धर्मांतरण गतिविधियों को अंजाम देना था। जांच एजेंसियों के अनुसार, इस पूरे मामले में सबसे बड़ा खुलासा विदेशी फंडिंग को लेकर हुआ है। ईडी की जांच में सामने आया है कि वर्ष 2015 से 2024 के बीच 100 करोड़ रुपए से अधिक का लेन-देन हुआ। यह रकम सऊदी अरब और दुबई समेत खाड़ी देशों से भारत लाई गई। एजेंसियों ने मनी ट्रेल को खंगालते हुए पाया कि यह पैसा अलग-अलग खातों और माध्यमों से ट्रांसफर किया गया, ताकि इसकी असल पहचान छिपी रहे।

देश की जनसांख्यिकी को प्रभावित करने और सरकार के खिलाफ साजिश रचने के आरोप

अमृत विचार : ईडी ने अपनी जांच में एटीएस द्वारा जुटाए गए तथ्यों को आधार बनाया और दोनों एजेंसियों के बीच समन्वय से पूरे गिरोह के नेटवर्क का खुलासा किया। अधिकारियों का दावा है कि इस फंडिंग का उपयोग धर्मांतरण गतिविधियों को बढ़ावा देने, लोगों को प्रलोभन देने और नेटवर्क को मजबूत करने में किया गया। जांच में सामने आया है कि सह आरोपी बनाए गए नवीन और उसकी पत्नी नीतू ने इस फंड का इस्तेमाल कई जिलों में जमीन खरीदने के लिए किया। बलरामपुर के तरबगंज क्षेत्र समेत अन्य स्थानों पर खरीदी गई इन संपत्तियों का प्रयोग धर्मांतरण गतिविधियों के संचालन के लिए किया जाता था। लोगों को आर्थिक व सामाजिक प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन के लिए उकसाया जाता था। दस्तावेजों की जांच में सामने आया कि कई संपत्तियां पत्नी के नाम से खरीदी गईं। पूरे खरीद-फरोख्त में छांगुर बाबा को एक गवाह व संरक्षक के रूप में दिखाया गया है। मुख्य आरोपी जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और उसके सहयोगियों पर देश की जनसांख्यिकी को प्रभावित करने और सरकार के खिलाफ साजिश रचने के आरोप हैं। इस मामले में सीरिया लिंक और स्विस बैंक खातों की जांच अभी बाकी है।

जातिवाद के नाम पर देश लूटने वालों से रहें सावधान

मुख्यमंत्री ने की 'रश्मिरथी पर्व' की शुरुआत, दिनकर की कृतियों को बताया राष्ट्र चेतना की मशाल

'रश्मिरथी से संवाद' स्मारिका का विमोचन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह व महापौर सुषमा खर्कवाल।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश की आजादी को अक्षुण्ण बनाए रखने और विकसित व आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जातिवाद के नाम पर समाज को बांटने वाली शक्तियों से सावधान रहना होगा। उन्होंने ऐसे लोगों को राष्ट्रद्रोही बताते हुए जनता से सतर्क रहने का आह्वान किया।

शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित तीन दिवसीय 'रश्मिरथी पर्व' के शुभारंभ और 'रश्मिरथी से संवाद' स्मारिका के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की रचनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि "ऊंच-नीच का भेद न जाने, वही श्रेष्ठ ज्ञानी है" जैसी पंक्तियां आज भी समाज को दिशा देती हैं। कालजयी कृति 'रश्मिरथी' को उन्होंने राष्ट्र निर्माण की प्रेरक धरोहर बताया। "सिंहासन खाली करो कि जनता आती है" जैसी पंक्तियों को उन्होंने लोकतांत्रिक चेतना का प्रतीक बताया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 'रश्मिरथी' के नाट्य मंचन की सराहना करते हुए कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और संस्कृति विभाग को ऐसी प्रेरक प्रस्तुतियों को व्यापक स्तर पर पहुंचाने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे, सत्यपाल सिंह, राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

तीन दिन चलेगा साहित्य-संस्कृति का संगम

मुख्यमंत्री ने बताया कि आयोजन में 'रश्मिरथी' पर आधारित नाट्य मंचन के साथ ही स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य तिलक और अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन पर विशेष प्रस्तुतियां होंगी। उन्होंने भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय समेत अन्य संस्थानों के छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कड़ी सुरक्षा में होमगार्ड लिखित परीक्षा आज से

सीसीटीवी, ई-केवाईसी और डबल लॉक सिस्टम से नकल पर रहेगा कड़ा पहरा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 41,424 पदों के लिए 25 लाख से अधिक अभ्यर्थी, 1053 केंद्रों पर तीन दिन परीक्षा

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर होमगार्ड एनरॉलमेंट 2025 की लिखित परीक्षा शुक्रवार से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हो रही है। 25, 26 और 27 अप्रैल को प्रदेश के 1053 केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में 25.32 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल होंगे, जबकि कुल 41,424 पदों के लिए भर्ती की जा रही है।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष एसबी शिरडकर के अनुसार परीक्षा को नकलविहीन और पारदर्शी बनाने के लिए बहुस्तरीय निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। हर जिले में अपर पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस उपायुक्त स्तर के नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं। वहीं, प्रत्येक 240 अभ्यर्थियों पर एक निरीक्षक या उपनिरीक्षक की ड्यूटी लगाई गई है।

परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश से पहले हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर से जांच होगी, जबकि महिला अभ्यर्थियों की चेकिंग अलग परिसर में महिला पुलिसकर्मियों द्वारा की जाएगी। सभी केंद्रों और स्ट्रॉन्ग रूम में 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी रहेगी। रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा, जबकि यूपी-112 की गाड़ियां और एम्बुलेंस अलर्ट मोड में रहेंगी। सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जाएगी, ताकि किसी भी अफवाह पर तुरंत कार्रवाई हो सके।

डबल लॉक में सुरक्षित प्रश्नपत्र : प्रश्नपत्रों को कोषागार में 'डबल लॉक सिस्टम' के तहत रखा गया है, जिसकी चाबियां अलग-अलग अधिकारियों के पास होंगी। स्ट्रॉन्ग रूम में बिजली, इंटरनेट और अग्निशमन की समुचित व्यवस्था की गई है। सुरक्षित परिवहन के लिए रूट मैप तैयार कर पूर्वाभ्यास भी कराया गया है।

ई-केवाईसी और बायोमेट्रिक अनिवार्य : अभ्यर्थियों को प्रवेश से पहले आधार आधारित ई-केवाईसी प्रक्रिया से गुजरना होगा। साथ ही केंद्रों पर आइरिस बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य किया गया है, जिससे फर्जी अभ्यर्थियों और प्रतिरूपण (इंपर्सनेशन) पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

986 महिला आरक्षियों की दीक्षांत परेड कल, मुख्यमंत्री लेंगे सलामी

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को राजधानी में आयोजित 986 महिला आरक्षियों की दीक्षांत परेड में सलामी लेंगे। यह परेड रिजर्व पुलिस लाइंस, महानगर में आयोजित होगी, जिसमें पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की आरटीसी में प्रशिक्षण प्राप्त महिला रिक्रूट आरक्षी हिस्सा लेंगी।

आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती-2025 के तहत चयनित इन महिला आरक्षियों को प्रशिक्षण के दौरान आधुनिक पुलिसिंग, साइबर क्राइम, फॉरेंसिक साइंस और कानून-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं में दक्ष बनाया गया है। कार्यक्रम सुबह करीब 8 बजे शुरू होगा और प्रदेश के सभी जिलों के पुलिस लाइंस, पीएसी वाहिनियों और प्रशिक्षण संस्थानों में इसका लाइव प्रसारण किया जाएगा। 2017 से पहले यूपी पुलिस में महिलाओं की संख्या करीब 10 हजार थी, जो अब बढ़कर 44-45 हजार के आसपास पहुंच गई है। वर्तमान में पुलिस भर्ती में 20 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी अनिवार्य कर दी गई है।

महिला आरक्षियों को फिजिकल ट्रेनिंग के साथ सोशल पुलिसिंग, साइबर क्राइम, सीसीटीएनएस, हथियार संचालन, आपदा प्रबंधन, ट्रैफिक नियंत्रण और संचार प्रणाली जैसे विषयों में विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।

वक्फ संपत्तियों पर कब्जों के खिलाफ कोर्ट जाएगा बोर्ड: जैदी

अनियमितताओं की खबरों पर चेयरमैन ने दी सफाई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में पत्रकारों को बताया कि प्रदेश की बहुत सी वक्फ संपत्तियों पर भू-माफियाओं की नजर है। बोर्ड जल्दी ही उनके कब्जों के खिलाफ कोर्ट में पिटीशन फाइल करेगा। पिछले कुछ दिनों से बोर्ड अध्यक्ष द्वारा वक्फ संपत्तियों से अनियमितताओं को लेकर चल रही खबरों के सम्बन्ध में उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने ऐसी खबरें चलवाईं, वही जिम्मेदार हैं और उन्हें मेरा पक्ष भी पूछना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि मैं जब बोर्ड का अध्यक्ष बना तो कर्मचारियों का 37 महीने का वेतन बकाया था। मैंने बोर्ड की आमदनी बढ़ाकर बोर्ड के रिटायर हो चुके कर्मचारियों और काम कर रहे कर्मचारियों का लगभग 50 लाख रुपये का भुगतान कराया। मेरे कार्यकाल का 4 महीने का वेतन अभी भी बकाया है।

शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी

अली जैदी ने बताया कि वक्फ दरोगा मीर वाजिद अली की वजीरगंज, डालीगंज और सआदतगंज स्थित सम्पत्ति गैर मुस्लिम के नाम दर्ज थी, जिसे कब्जे से मुक्त कराया। इसी तरह से कुछ मन्दिर और धर्मशालाओं को वक्फ सम्पत्ति में दर्ज किया गया था, उसे वक्फ रिकार्ड से हटवाया और मन्दिरों व धर्मशालाओं को मुक्त कराया। उन्होंने बताया कि बोर्ड ने लखीमपुर में इमामबाड़े को अतिक्रमण मुक्त कराकर वहां बाउंड्री कराई। बुलंदशहर में इमामबाड़े से अतिक्रमण हटवाया।

बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि जब उन्हें अध्यक्ष बनाया गया तब बोर्ड में सालाना एक लाख रुपये की आय वाले 38 वक्फ थे, मौजूदा समय में एक लाख आय वाले 81 वक्फ हैं।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड में कुल 7785 अवकाफ रजिस्टर्ड है, जिसको नये वक्फ अधिनियम- 1995 (यथासंशोधित- 2025) के अन्तर्गत अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, केंद्र सरकार द्वारा बनाये गए उम्मीद पोर्टल पर 21 अप्रैल 2026 तक लगभग 7647 अवकाफ मुतवल्ली/मेकर्स द्वारा अपलोड किये जा चुके हैं, जिसके सापेक्ष 3595 अवकाफ के सत्यापन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा 2167 अवकाफ बोर्ड द्वारा अप्रूव्ड किये जा चुके हैं।

- भू-माफियाओं पर सख्त कार्रवाई की तैयारी
- वक्फ संपत्तियों से कब्जे हटवाए मन्दिर व धर्मशालाओं को किया गया मुक्त

मत्स्य विभाग की एसीआर व्यवस्था में बड़ा बदलाव

- समीक्षा व स्वीकृति अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदलीं

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश सरकार ने मत्स्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि (एसीआर) प्रणाली में अहम बदलाव किया है। इस संबंध में शासन स्तर से संशोधित आदेश जारी कर दिया गया है, जिससे मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने की कोशिश की गई है।

अपर मुख्य सचिव मुकेश कुमार मेश्राम द्वारा जारी आदेश के अनुसार विभिन्न पदों के लिए रिपोर्टिंग, समीक्षा और स्वीकृति अधिकारियों में बदलाव किया गया है। नई व्यवस्था के तहत महानिदेशक, निदेशक, संयुक्त निदेशक और उप निदेशक स्तर तक एसीआर प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित किया गया है। शासन का मानना है कि पूर्व व्यवस्था में समन्वय की कमी और प्रक्रियात्मक अस्पष्टता के कारण मूल्यांकन प्रणाली पूरी तरह प्रभावी नहीं हो पा रही थी। नई व्यवस्था से जवाबदेही बढ़ेगी और कार्य मूल्यांकन अधिक स्पष्ट होगा।

आदेश की प्रति प्रमुख सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों को भेज दी गई है।

सुधार | राष्ट्रीय मंच पर एसीएस पार्थ सारथी सेन शर्मा ने रखा यूपी का पक्ष

कॉन्क्लेव में छाया रहा शिक्षा का 'योगी मॉडल'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एफएनएल, एआई व एडटेक के साथ मूल्यांकन सुधार पर व्यापक चर्चा

अमृत विचार: देश में शिक्षा सुधार को लेकर दिल्ली में आयोजित एजुकेशन कॉन्क्लेव 2026 में उत्तर प्रदेश का 'योगी मॉडल' छाया रहा। सेंट्रल स्क्वेयर फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय मंच पर अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने प्रदेश में हुए शिक्षा सुधारों को विस्तार से प्रस्तुत किया।

कॉन्क्लेव में विभिन्न राज्यों के नीति-निर्माताओं, शिक्षा विशेषज्ञों और प्रशासकों ने उत्तर प्रदेश के मॉडल पर विमर्श किया। खासतौर पर आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता (एफएनएल), प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (ईसीई), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एडटेक के उपयोग जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। एसीएस सेन शर्मा ने बताया कि प्रदेश में शिक्षा सुधार को स्पष्ट लक्ष्य, सतत मूल्यांकन और शिक्षक-केंद्रित दृष्टिकोण के आधार पर आगे बढ़ाया गया है। 'लक्ष्य आधारित शिक्षण' और निरंतर आकलन प्रणाली से शिक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार देखने को मिला है। एडटेक और डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग से प्रशासन और शिक्षकों के बीच रियल-टाइम कनेक्टिविटी स्थापित हुई है, जिससे त्वरित निर्णय और बेहतर क्रियान्वयन संभव हो पाया है। प्रदेश का यह मॉडल शिक्षा के क्षेत्र में अन्य राज्यों के लिए भी मार्गदर्शक बन सकता है, जहां नीतियों को प्रभावी ढंग से जमीन पर उतारकर ठोस परिणाम हासिल किए जा रहे हैं।

शिक्षक बने बदलाव की धुरी

प्रदेश में शिक्षकों को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। एआरपी (अकादमिक रिसोर्स पर्सन) जैसे मेंटर कैडर, संकुल बैठकों और नियमित संवाद से शिक्षण प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाया गया है।

मूल्यांकन में सुधारात्मक दृष्टिकोण

मूल्यांकन प्रणाली को दंड या पुरस्कार के बजाय सीखने की कमियों की पहचान और सुधार के उपकरण के रूप में विकसित किया गया है। इससे छात्रों के वास्तविक अधिगम परिणामों पर फोकस बढ़ा है।

निगेटिव बैलेंस पर भी 30 दिन की मोहलत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रीपेड मीटर उपभोक्ताओं को कनेक्शन कटने से पहले पांच एसएमएस अलर्ट अनिवार्य

अमृत विचार : भीषण गर्मी के बीच प्रदेश सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि किसी भी उपभोक्ता का कनेक्शन काटने से पहले पांच अनिवार्य एसएमएस अलर्ट भेजे जाएं, ताकि उन्हें भुगतान का पर्याप्त समय मिल सके।

नई व्यवस्था के तहत एक किलोवाट तक के घरेलू कनेक्शनधारकों का बिजली कनेक्शन नेगेटिव बैलेंस होने पर भी 30 दिन तक नहीं काटा जाएगा। वहीं, दो किलोवाट तक के उपभोक्ताओं को भी राहत देते हुए 200 रुपये तक के माइनस बैलेंस पर कनेक्शन न काटने का फैसला लिया गया है।

सरकार का कहना है कि यह कदम उपभोक्ताओं को आर्थिक दबाव से राहत देने और गर्मी के मौसम में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और अचानक बिजली कटौती की समस्या में कमी आएगी।

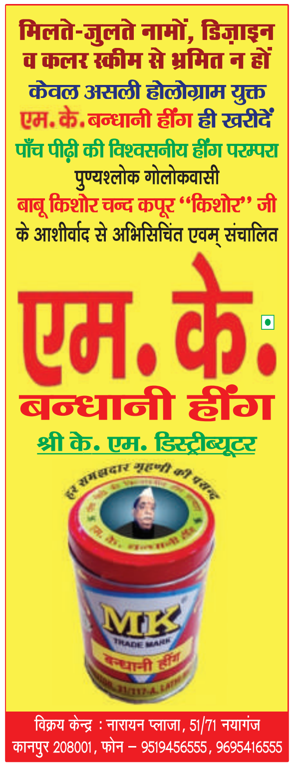

ई-ऑटो पेड़ से टकराया, बुजुर्ग समेत दो की मौत

दो घायल ट्रामा सेंटर में भर्ती, हादसे के बाद चालक भाग निकला

संवाददाता, माल

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के बीरपुर गांव की मोड़ के पास शुक्रवार को ऑटो रिक्शा अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। हादसे में बुजुर्ग और मां-बेटा समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक मौके से भाग निकला। घटना की सूचना मिलते ही माल पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वहां बुजुर्ग व महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि अन्य दोनों का इलाज चल रहा है।

इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि शुक्रवार को ई-ऑटो पर सवारियों को लेकर माल की ओर जा रहा था। बीरपुर मोड़ पर चालक का नियंत्रण बिगड़ गया, जिससे ई-ऑटो तेज रफ्तार में पेड़ से जा भिड़ा। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में अतरौली के सरवा निवासी गंगादेई (50), उनका बेटा राजपाल, माल के गढ़ी निवासी रामबिलन और सीतापुर के संदना निवासी (70) गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना देख राहगीर मदद के लिए दौड़े। ग्रामीणों ने हादसे की सूचना डॉयल-112 पर दी। जानकारी मिलते ही माल पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी घायलों को माल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां से डॉक्टरों ने चारों को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। इलाज के दौरान बुजुर्ग बैजू और गंगादेई की मौत हो गयी। इंस्पेक्टर ने बताया कि हादसे में राजपाल और रामबिलन का दाहिना हाथ टूटा है। बताया जा रहा है कि गंगादेई बेटे राजपाल के साथ लखनऊ से दवा लेकर लौट रही थी।

पेड़ से बाइक टकराने से गई अधेड़ की जान

मृतक राजेश

अमृत विचार, माल : थाना क्षेत्र के आदमपुर चौराहे पर बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर माल पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। माल स्थित मुंशीखेड़ा इलाके में राजेश (56) की बेटी का घर बन रहा है। वह घर की देखरेख कर रहे थे। वह गुरुवार को बेटी के घर का निर्माण कार्य देख देर रात अपने घर बाइक से लौट रहे थे। आदमपुर चौराहे के पास बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल राजेश की मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने घटना की सूचना डॉयल-112 पर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन कर परिजन को सूचना दी। भाई सर्वेश ने बताया कि बड़े भाई राजेश 15 अप्रैल को अपनी बेटी अनामिका के घर सीतापुर सिधौली गए थे। वहां से लौट रहे थे। परिवार में पत्नी शिवपति, दो बेटे अजय व अभिषेक हैं।

कार की टक्कर से ठेला टूटा, दो घायल

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : थाना क्षेत्र के चंद्रिका देवी चौकी इलाके में 20 अप्रैल की शाम बेकाबू कार की टक्कर से ठेला पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में ठेले पर सवार दो किशोर घायल हो गए। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने चौकी पर तैनात सिपाही पर मारपीट और लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं। मल्लाहन खेड़ा गांव निवासी दिव्यांग रामदयाल ने बताया कि बेटे रिंकू और पिंकू 20 अप्रैल की शाम करीब 7 बजे ठेले पर सामान बेचकर घर लौट रहे थे। तभी गांव के ही सोनू ने कार से ठेले में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों किशोर ठेले समेत सड़क किनारे जा गिरे। हादसे में ठेला पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सामान बिखर गया, जिससे परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया। रामदयाल का आरोप है कि चौकी पर तैनात सिपाही सुरजीत ने उनके साथ अभद्रता करते हुए थप्पड़ मार दिया और उनके कागजात फाड़ दिए। पीड़ित के मुताबिक, उन्होंने मामले की लिखित तहरीर थाने में दी, लेकिन चार दिन बीत जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ठेला टूटने से परिवार की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है। इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है और तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

19 सीएचसी पर लग रहा सर्वाइकल कैंसर से बचाव का टीका

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- जिले में 60 हजार किशोरियों को मुफ्त टीकाकरण का लक्ष्य

अमृत विचार : सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान शुरू कर दिया है। शहर के 19 शहरी और ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुफ्त टीका लगाया जा रहा है। तीन माह का विशेष अभियान पूरा होने के बाद टीकाकरण प्रत्येक बुधवार और शनिवार को किया जा रहा है। टीकाकरण कार्य दिवसों में सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगा।

सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि 14 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी और 15 वर्ष से कम आयु और अभियान शुरू होने की तिथि से 90 दिनों के भीतर 15 वर्ष की पूरी करने वाली किशोरियां अभियान में शामिल की जाएंगी। करीब 60 हजार किशोरियों के टीकाकरण का लक्ष्य है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अमिताभ श्रीवास्तव ने बताया कि अभिभावक यू-विन पोर्टल पर पंजीकरण कर डिजिटल सहमति दे सकते हैं। आयु सत्यापन के लिए जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड या स्कूल आईडी मान्य होंगे। एचपीवी संक्रमण से सर्वाइकल कैंसर का खतरा बढ़ जाता है और अक्सर इसकी पहचान देर से होती है। ऐसे में बचाव ही सबसे प्रभावी उपाय है। इसी उद्देश्य से सभी पात्र किशोरियों को गार्डासिल वैक्सीन की सिंगल डोज दी जाएगी।

जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी योगेश रघुवंशी ने बताया कि टीकाकरण के बाद हल्का बुखार, सिरदर्द, मतली या चक्कर जैसे सामान्य लक्षण हो सकते हैं, जिनमें पैरासिटामोल दी जा सकती है।

न्यूज ब्रीफ

टूटी आलमारी और बिखरा सामान।

बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : इटौजा स्थित महोना चौकी क्षेत्र में चोरों ने बंद पड़े मकान को निशाना बनाया। ताला तोड़कर अंदर घुसे चोरों ने नकदी व जेवर समेत लाखों के माल पर हाथ साफ कर दिया। वार्ड नंबर दो कटरा मोहल्ला निवासी रज्जन लाल ने बताया कि वे गुरुवार रात परिवार सहित अपने दूसरे मकान केसरमऊ कला में रूके थे। महोना स्थित घर में ताला बंद था। इसी दौरान चोर मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर में दाखिल हुए। चोरों ने अलमारी व बक्सों के ताले तोड़कर उसमें रखे जेवरात और 70 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए। शुक्रवार की सुबह जब परिजन घर पहुंचे तो ताला टूटा मिला और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। इंस्पेक्टर सोबरन सिंह ने बताया कि पीड़ित की ओर से तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

सड़क हादसे की रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा में करीब डेढ़ माह पहले सड़क दुर्घटना में घायल बाइक सवार के मामले में छोटे भाई ने ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। बंथरा के नीवां बरौली निवासी संदीप कुमार ने बताया कि बड़े भाई कुलदीप 3 मार्च को बाइक से मोहनलालगंज की तरफ जा रहे थे। इसी बीच जुनाबगंज की ओर से मोहनलालगंज की तरफ जा रहे ट्रक ने खटोला गांव के पास बाइक में ठोकर मार दी। जिससे कुलदीप बुरी तरह घायल हो गए और उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। कल्ली पश्चिम स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कुलदीप काफी दिनों तक कोमा में रहे और होश आने पर आर्थिक तंगी की वजह से उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज करा कर दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज जारी है।

निजी अस्पताल में महिला की मौत इलाज में लापरवाही का आरोप

संवाददाता, माल

- परिजनों का दावा, समय पर नहीं किया रेफर, 47 हजार रुपये वसूले, जांच के आदेश

अमृत विचार : माल क्षेत्र के अटारी गांव में एक महिला की मौत हो गई। मृतका के पति ने इलाज में लापरवाही और अवैध वसूली का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। पति रमेश कुमार के मुताबिक, उनकी पत्नी पारुल गौतम ने 11 अप्रैल को चूहामार दवा खा ली थी, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी। परिजनों ने उसे इलाज के लिए रूदानखेड़ा पुलिया स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। आरोप है कि वहां मौजूद हेल्परों ने गंभीर स्थिति के बावजूद मरीज को हल्के में लिया और सही उपचार नहीं दिया।

परिजनों का कहना है कि हालत में सुधार न होने पर उन्होंने बेहतर अस्पताल में रेफर करने की मांग की, लेकिन हेल्परों ने आश्वासन देकर इलाज जारी रखा। इसी दौरान दवाइयों के नाम पर करीब 47 हजार रुपये भी वसूल लिए गए। आरोप है कि 12 अप्रैल की सुबह महिला की मौत हो चुकी थी, लेकिन अस्पताल कर्मियों ने इसकी जानकारी परिजनों को नहीं दी। इसके बजाय मरीज की हालत गंभीर बताकर उसे दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया गया। जब परिजन उसे आगे इलाज के लिए लेकर पहुंचे, तो डॉक्टरों ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। मृतका के पति का आरोप है कि यदि समय पर सही इलाज या रेफर किया जाता, तो उनकी पत्नी की जान बचाई जा सकती थी। पारुल गौतम के तीन और सात वर्ष के दो छोटे बच्चे हैं। इस मामले में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माल के अधीक्षक डॉ. जेपी सिंह ने बताया कि शिकायत प्राप्त हो गई है। मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

निजी अस्पताल में प्रसव के लिए आशा बनाती रही दबाव, नवजात की मौत

अस्पताल में भर्ती प्रसूता।

अमृत विचार, माल : माल क्षेत्र के शाहपुर गोड़वा निवासी पंकज ने गांव की आशा पर आरोप लगाया है कि उन्होंने उनकी पत्नी नीतू को काकोरी स्थित निजी अस्पताल में प्रसव कराने के लिए दबाव बनाया। समय से सीएचसी न ले जाने के कारण प्रीमेच्योर जन्मे बच्चे की मौत हो गई। पंकज के अनुसार पत्नी नीतू को प्रसव पीड़ा हुई तो उन्होंने आशा को फोन किया। आरोप है कि आशा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाने के बजाय निजी अस्पताल जाने की सलाह दी। मना करने पर आशा ने सहयोग नहीं किया और फोन पर टालमटोल करती रहीं। इसके बाद नीतू अपनी मां रामदुलारी के साथ खुद ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माल पहुंचीं, जहां उनका प्रीमेच्योर (असमय) प्रसव हुआ। जन्मे शिशु की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे अवंतीबाई अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस मामले में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माल के अधीक्षक डॉ. जेपी सिंह ने बताया कि नवजात करीब सात माह 20 दिन का था। उसका वजन मात्र 1400 ग्राम था। गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे अवंतीबाई अस्पताल रेफर किया गया था। आशा के बारे में कोई शिकायत नहीं मिली है। यदि परिजन शिकायत करते हैं तो मामले की जांच की जाएगी।

एक दिन में हुई पांच हजार क्विंटल गेहूं खरीद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

मोहनलालगंज मंडी के क्रय केंद्र पर गेहूं की छनाई करते श्रमिक।

- सरकारी क्रय केंद्रों की तरफ बढ़ा किसानों का रुझान
- फार्मर रजिस्ट्री की बाध्यता खत्म होने से बढ़ी आवक

अमृत विचार : गेहूं खरीद में फार्मर रजिस्ट्री की बाध्यता खत्म होने से सन्नाटे में चल रहे क्रय केंद्रों पर आवक बढ़ गई है। 23 अप्रैल को केंद्रों पर गेहूं बेचने के लिए किसानों में होड़ मची रही। एक दिन में सभी 43 केंद्रों पर पहुंचे किसानों ने करीब पांच हजार क्विंटल गेहूं बेचा। इससे जिले की कुल खरीद बढ़कर 15,599 क्विंटल से अधिक हो गई। वहीं, 23 अप्रैल 2025 को 10,726 क्विंटल गेहूं खरीद हुई थी। पिछले वर्ष की तुलना में एक दिन में करीब पांच हजार क्विंटल बढ़ोतरी दर्ज की गई।

शुक्रवार को भी केंद्रों पर आवक हुई और किसानों से गेहूं खरीदा गया। अब तक कुल 408 किसानों ने गेहूं बेचा है। सभी को 33.73 लाख रुपये का भुगतान कर दिया गया। हालांकि अभी जिलों को खरीद का लक्ष्य आवंटित नहीं हुआ है। फिर भी विभागीय अधिकारी किसानों में रुचि और आवक को देखते हुए 15 जून तक लक्ष्य पूर्ति का दावा कर रहे हैं। दरअसल, कई पात्र किसानों की तकनीकी समस्या के कारण फार्मर रजिस्ट्री नहीं बन पाई है और केंद्रों पर अनिवार्यता की वजह से गेहूं नहीं बेच पा रहे थे। इससे केंद्रों पर शुरुआती दौर में ही खरीद ठप हो गई। पात्र होते हुए भी किसान वंचित रहे। अब ज्यादातर किसान पंजीयन कराने के साथ केंद्रों पर गेहूं बेचने लगे हैं। जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने विपुल सिन्हा ने बताया कि पंजीयन में भी वृद्धि हुई है। 2481 किसानों ने पंजीयन कराया है।

1 मई से फिर एसडीएम व लेखपाल करेंगे सत्यापन

1 मई से उपज के सत्यापन की पुरानी व्यवस्था लागू हो जाएगी। किसानों को बिक्री के लिए एसडीएम और लेखपाल से उपज का सत्यापन कराना पड़ेगा। जो इस बार सत्यापन का कार्य नई व्यवस्था के तहत केंद्र प्रभारियों को दिया गया था। 30 अप्रैल तक केंद्र प्रभारी ही सत्यापन करेंगे। तब तक एसडीएम व लेखपाल के पोर्टल अपडेट करके सक्रिय कर दिया जाएगा।

रेस्टोरेंट में लगी आग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: कैसरबाग में बीएन रोड पर स्थित फारसा रेस्टोरेंट के दूसरे तल पर शुक्रवार सुबह आग लग गई। दमकल कर्मियों ने दो गाड़ियों की मदद से करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग से वहां रखा फर्नीचर और अन्य माल जल गया।

रेस्टोरेंट के दूसरे माले पर ओपन एयर स्पेस है। वहां लोगों के खुले में बैठने के लिए फर्नीचर पड़ा है। सुबह करीब पौने नौ बजे धुआं और आग की लपटें निकलती देख कर्मचारियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। लोगों ने दमकल को सूचना दी। हजरतगंज एफएसओ राम कुमार रावत और दमकल कर्मी दो गाड़ियां लेकर पहुंचे। रेस्टोरेंट में धुआं भरा हुआ था। फर्नीचर और कुर्सियां व कुछ अन्य सामान जल रहा था। इसके अलावा फाल सीलिंग व डेकोरेशन का सामान भी आग की चपेट में आने से जलने लगा। दमकल कर्मियों ने घंटे भर में पर काबू पा लिया।

मोबाइल दुकान में चोरी करने वाला गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊः मोबाइल दुकान में चोरी करने वाले युवक को गुडंबा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी के सात मोबाइल व दो सौ रुपये बरामद किए हैं। इंस्पेक्टर अंजनी कुमार मिश्र ने बताया कि आरोपी मो. शुक्कर अली निवासी गुवाहाटी असम हालपता मैकाले टेंपो स्टैण्ड के पास झोपड़ी गुडंबा है। 19 मार्च को सिराज अहमद की दुकान आदर्श इन्फ्राटेक यूनिटी सिटी चौराहा कल्याणपुर में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

खुली बैठकें

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रधान सम्मानित

प्रधानों ने सुनाई मॉडल ग्राम पंचायतों की कहानी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर प्रधानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शुक्रवार को सभी ग्राम पंचायतों में खुली बैठकें करके उत्कृष्ट ग्राम पंचायतों के प्रधानों ने सफलता की कहानी सुनाई और ग्राम पंचायतों को मॉडल बनाने का संकल्प लिया।

इस दिन को यादगार बनाने के लिए कार्यक्रम की वीडियो व फोटोग्राफी करके सभा सार एप पर अपलोड किया। इंदारा, नटौली, पहाड़नगर टिकरिया, महदुइया, शेरपुर मऊ, सिसेंडी के प्रधानों ने पंचायत से होनी वाली आय से विकास कराने की जानकारी साझा की। चाहे गांव में बने व्यक्तिगत शौचालय हो या घर-घर कूड़ा उठान सुविधा इसके लिए स्वच्छ भारत मिशन की प्रशंसा की। किसी ने कूड़ा निस्तारण के लिए आरआरसी तो किसी ने प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट से मॉडल बने गांवों की कहानी सुनाई। इसी तरह जिले की 491 ग्राम पंचायतों पर राष्ट्रीय पंचायती दिवस मनाया गया। पंचायत भवनों प्रधानों ने ग्रामीणों के साथ खुली बैठक करके आगे विकास कार्यों की योजना बताई और सुविधा व संसाधनों के सुझाव मांगे। जिला पंचायत राज अधिकारी जितेंद्र कुमार गोंड ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रधानाध्यापक, शिक्षक, प्रधान, सचिव, पंचायत सहायक, समूह की महिला, सफाई कर्मी आदि को सम्मानित किया।

ग्राम पंचायत बक्कास के पंचायत भवन सभागार में महिला को प्रमाण पत्र देते प्रधान राजेश कुमार।

सुविधाओं से होती आय, कराते विकास

- ग्राम पंचायत को मॉडल बनाने पर ग्रामीणों का सहयोग है। गांव में सबसे अलग और आकर्षित करने वाला पंचायत भवन बना है। जहां एक छत के नीचे ग्रामीणों को सरकारी कामकाज की सुविधा मिलती है। गांव में पंचायत लर्निंग सेंटर बना है। – **राजेश कुमार, प्रधान, बक्कास**
- गांव में कॉरपोरेट की तरह पंचायत भवन बना है। जो इंटरनेट से लेकर हर सुविधाओं से लैस है। प्रदेश का सबसे अलग पंचायत भवन बना है। इसका ग्रामीणों को लाभ मिल रहा है। – **संयोगिता सिंह**, प्रधान, अटारी
- ग्राम पंचायत प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र, लैब व आरआसी से मॉडल बनाई है। इससे से आय होती है गांव का विकास कराते हैं। इन संसाधनों से स्वयं की आय बढ़ी है। – **अशोक कुमार**, प्रधान कठवारा
- ग्रामीण और विभाग के सहयोग से ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त बनाया है। इसके लिए काफी संघर्ष किया। मार्च में दिल्ली में प्रदेश की 150 महिला प्रधानों के साथ प्रतिभाग किया था। जहां उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। – **विजय लक्ष्मी**, प्रधान भदेसरमऊ

न्यूज ब्रीफ

14.26 करोड़ रुपये की सरकारी जमीन कराई कब्जा मुक्त

अमृत विचार, लखनऊ : नगर निगम ने राजस्व के साथ संयुक्त अभियान चलाकर शुक्रवार को तीन जगहों पर सरकारी जमीन पर प्लाटिंग व अवैध निर्माण बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान स्थानीय पुलिस बल भी मौजूद रहा। बिल्डरों से 14.26 करोड़ रुपये की जमीन कब्जा मुक्त कराई। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर टीमों ने पुलिस बल के साथ ग्राम कंचनपुर मटियारी स्थित .107 हेक्टेयर तालाब की भूमि व .0250 हेक्टेयर बंजर भूमि पर प्लाटिंग ध्वस्त की। इसी तरह ग्राम गनेशपुर रहमानपुर में .0380 हेक्टेयर तालाब की जमीन पर कब्जा करके की गई प्लाटिंग व बाउंड्रीवाल पर बुलडोजर चलाया। जमीन नगर निगम के अभिलेखों में दर्ज हैं। इसकी कीमत 2.26 करोड़ आंकी गई। इसके अलावा ग्राम अमौसी में 1.868 हेक्टेयर, .286 हेक्टेयर व .955 हेक्टेयर ऊसर श्रेणी की भूमि पर बिल्डरों द्वारा की गई प्लाटिंग ध्वस्त की गई। कब्जामुक्त कराई जमीन की कीमत 12 करोड़ रुपये बताई गई।

अंसल बिल्डर्स पर एक और मुकदमा दर्ज

अमृत विचार, गोसाईंगंज : अंसल एपीआई के खिलाफ जालसाजी का एक और मामला दर्ज हुआ है। सुशांत गोल्फ सिटी थाना में पीड़ित इंद्रकीर्ति शरण अग्रवाल ने शिकायत दी कि 2013 में फ्लैट बुकिंग के नाम पर उनसे 4.47 लाख रुपये लिए गए, लेकिन न फ्लैट मिला और न पैसा लौटा। आरोप है कि कंपनी ने किस्तों के लिए कोई डिमांड लेटर भी जारी नहीं किया। इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

होटल में बर्थ-डे पार्टी में घुसकर हमला

अमृत विचार, गोसाईंगंज : सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के होटल पार्थ पैराडाइज में 22 अप्रैल की रात चल रही जन्मदिन की पार्टी के दौरान अज्ञात हमलावरों ने जमकर मारपीट की। जिसमें दो लोग घायल हो गए। फैजुल्लागंज निवासी धर्मेंद्र कुमार प्रजापति ने बताया कि बुधवार की रात होटल के दूसरे तल पर जन्मदिन की पार्टी चल रही थी। इसी दौरान होटल के बाहर बैठे करीब 15 अज्ञात लोगों में से चार-पांच लोग ऊपर आए और धर्मेंद्र व उनके साथी संतोष यादव पर रॉड व धारदार हथियार, पिस्टल की बट से हमला कर दिया। जिससे दोनों लोग घायल हो गए। पीड़ित धर्मेंद्र ने एक हमलावर की पहचान अभिषेक सिंह गौतम के रूप में की। इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

स्विटजरलैंड की राजदूत के साथ भेंट करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

आतंकियों के निशाने पर आरएसएस कार्यालय

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- नोएडा से गिरफ्तार दो संदिग्ध आतंकियों से पूछताछ में खुलासा

अमृत विचार: यूपी एटीएस ने गुरुवार को दो संदिग्ध आतंकियों तुषार चौहान उर्फ हिजबुल्ला अली खान और समीर खान को नोएडा से दबोचा था। इन दोनों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि उनके संगठन ने लखनऊ और दिल्ली के आरएसएस कार्यालय पर हमले की साजिश रची थी। इसके लिए एके-47 और हैंड ग्रेनेड की आपूर्ति भी की जानी थी।

एटीएस के मुताबिक नोएडा से गिरफ्तार किए गए तुषार चौहान उर्फ हिजबुल्ला अली खान और समीर खान का कनेक्शन पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी व आबिद जट से था। शहजाद भट्टी ने उनको कई टारगेट दिए थे। उनसे बड़े सरकारी भवनों में हमला करने को कहा गया था। भाजपा व संघ के बड़े नेताओं और कार्यालयों को लक्ष्य बनाया गया था। इसके लिए दोनों को दिल्ली व लखनऊ के नक्शे मुहैया कराए गए थे। दोनों को दिल्ली और लखनऊ में संघ कार्यालय के रेकी करने को कहा गया था। दोनों में संघ कार्यालय की रेकी भी की थी। दोनों हमला करने के लिए शहजाद भट्टी और आबिद के निर्देश का इंतजार कर रहे थे। यूपी एटीएस दोनों को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की तैयारी कर रही है।

कई ट्रेनों के मार्ग में रहेगा बदलाव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- प्रयागराज जंक्शन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य से छिवकी स्टेशन पर अस्थायी ठहराव

अमृत विचार: उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज जंक्शन स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के तहत नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किए जा रहे हैं। इसके चलते रेलवे प्रशासन ने पहले ही कई ट्रेनों के मार्ग परिवर्तन की घोषणा की थी। अब परिवर्तित मार्ग से चलने वाली अनेक ट्रेनों को प्रयागराज के छिवकी स्टेशन पर दो मिनट का अस्थायी ठहराव भी दिया गया है, जिससे यात्रियों को सुविधा मिल सके।

रेलवे के अनुसार, 29 अप्रैल को चलने वाली 11071 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बलिया एक्सप्रेस अब मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी-वाराणसी-जौनपुर-औड़िहार मार्ग से चलेगी। वहीं 30 को बलिया से चलने वाली 11072 एक्सप्रेस को जंघई-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-झांसी होते हुए बीना के रास्ते संचालित किया जाएगा। इसी तरह अहमदाबाद-दरभंगा (15560), दरभंगा-अहमदाबाद (15559), गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस (15018), लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर (15017), रक्सौल-लोकमान्य तिलक टर्मिनस (15267), पुणे-दरभंगा (11033) और अन्य कई ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाते हुए छिवकी स्टेशन पर निर्धारित समय के अनुसार दो मिनट का ठहराव दिया जाएगा। इसके अलावा दादर-बालिया, दादर-गोरखपुर, गोरखपुर-दादर, पुणे-बनारस, बनारस-पुणे, छपरा-दुर्ग, दुर्ग-छपरा, रांची-लोकमान्य तिलक टर्मिनस, अहमदाबाद-पटना और पटना-अहमदाबाद जैसी ट्रेनों के मार्ग भी बदले गए हैं। इन सभी ट्रेनों का संचालन परिवर्तित रूट से करते हुए छिवकी स्टेशन पर अस्थायी ठहराव सुनिश्चित किया गया है। रेलवे प्रशासन ने बताया कि कार्य अवधि के दौरान कुछ ट्रेनों को नियंत्रित कर चलाया जाएगा। 29 अप्रैल को पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस को 90 मिनट देरी से चलाया जाएगा। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित कुमार ने यह जानकारी दी है।

अस्पताल खोलने की तैयारी में था हस्साम

फाउंडेशन के जरिए नेटवर्क चला रहा था फर्जी डॉक्टर, गिरोह में शामिल डॉक्टरों के खाते खंगाल रही पुलिस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लारी कार्डियोलॉजी विभाग से डीएम की पढ़ाई कर चुके एक डॉक्टर की तलाश
- कानपुर व एरा के कई डॉक्टरों के संपर्क में था, होती थी मीटिंग

अमृत विचार: केजीएमयू में फर्जी डॉक्टर बनकर सक्रिय रहे हस्साम अहमद के मामले में जांच में पुलिस के सामने नए-नए खुलासे हो रहे हैं। सूत्रों की मानें तो हस्साम मरीजों के तीमारदारों को ठगने के साथ ही एक संगठित नेटवर्क तैयार कर रहा था। वह कानपुर और एरा मेडिकल कालेज के कई डॉक्टरों के संपर्क में रहकर अस्पताल खोलने की योजना बना रहा था। पुलिस अब उसके खातों की फंडिंग, कॉल डिटेल और संपर्कों की गहन जांच कर रही है। साथ ही पुलिस ने लारी कार्डियोलॉजी विभाग से डीएम की पढ़ाई कर चुके एक डॉक्टर की भूमिका संदिग्ध मानते हुए उसकी तलाश तेज कर दी गई है। आशंका है कि यह डॉक्टर कॉर्डियो सेवा फाउंडेशन नेटवर्क को सक्रिय बनाए रखने और उसके विस्तार में अहम औहदे पर था।

एरा के करीब पांच डाक्टरों और कानपुर के एक अस्पताल से जुड़े छह डाक्टरों के नाम अभी तक की जांच में सामने आए हैं, जो इस योजना में शामिल बताए जा रहे हैं। हस्साम रोजाना उन डॉक्टरों से बातचीत करता था। सभी लोग मिलकर अस्पताल खोलने के लिए फंडिंग में जुटे थे। सीतापुर और कानपुर रोड जमीन की फाइल कर ली गयी थी। इससे पहले फर्जी डॉक्टर अपने मंसूबों पर कामयाब होता, वह पकड़ लिया गया। पुलिस का मानना है कि हस्साम का अधिकतर समय कानपुर और एरा अस्पतालों में बिताता था। मरीजों को दिखाने के नाम पर वह अलग-अलग लोगों से संपर्क करता था।

शुरुआती जांच में जहां केवल फर्जी डिग्री और पहचान के सहारे मरीजों के इलाज का मामला सामने आया था। वहीं, अब यह मामला एक संगठित नेटवर्क की ओर मुड़ गया है। इसी कड़ी में लारी कॉर्डियोलॉजी विभाग से डीएम कर चुके इस डॉक्टर का नाम सामने आने के बाद खुफिया एजेंसियां सतर्क हो गई है। डॉक्टर लंबे समय तक केजीएमयू परिसर से जुड़ा रहा है। उसके कई संपर्क संस्थान के भीतर और बाहर दोनों जगह सक्रिय रहे हैं।

मोबाइल और आईपैड के डेटा से खुलेंगे राज

चौक पुलिस ने हस्साम के पास से बरामद मोबाइल और आईपैड को फॉरेंसिक लैब भेजा है। पुलिस विशेषज्ञों की मदद से डेटा रिकवर करने की कोशिश कर रही है। माना जा रहा है कि उसका डेटा आने के बाद गिरोह के संबंध में कई अहम जानकारियां मिलेंगी।

ऐसे खुली हस्साम की करतूत

13 अप्रैल 2026 को हस्साम ने सर्जरी विभाग के प्रोफेसर व डीन पैरामेडिकल डॉ. केके सिंह के फर्जी हस्ताक्षर से एक पत्र जारी किया, जिसमें एमबीबीएस 2023 बैच के छात्रों को 29 अप्रैल को एम्स दिल्ली में होने वाली कॉन्फ्रेंस में शामिल होने का निर्देश दिया गया था। जांच में पत्र फर्जी पाए जाने पर उसकी गतिविधियों पर शक गहरा गया और पूरा मामला सामने आ गया। इसके बाद केजीएमयू प्रशासन ने छात्रों के साथ मिलकर बुधवार को हस्साम को पकड़ लिया।

कार सवार ने ट्रैफिक सिपाही को जड़ा थप्पड़

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पिकैडली होटल के पास हुई घटना रिपोर्ट दर्ज, तलाश शुरू

अमृत विचार: कृष्णानगर स्थित पिकैडली होटल के पास हाथ से यातायात संचालन कर रहे ट्रैफिक सिपाही हीरालाल ने ट्रैफिक लोड बढ़ते देख एक रूट के वाहनों को रूकने का इशारा किया। इसके बाद भी कार सवार ने गाड़ी बढ़ा ली। रोकने की बात पर आरोपी ने सिपाही को थप्पड़ जड़ दिया। फिर कार सड़क पर लगाते हुए सिपाही को धमकाते हुए भाग निकला। पुलिस ने कार नंबर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

ट्रैफिक सिपाही हीरालाल ने बताया कि 22 अप्रैल की दोपहर पिकैडली होटल के पास ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने बाराबिरवा की ओर आ रहे यातायात को रोकने का इशारा किया। इसके बाद भी सफेद रंग की कार (यूपी 32 जेटी 9519) सवार चालक ने गाड़ी नहीं रोकी। पास आया गाली-गलौज करते हुए एक थप्पड़ जड़ दिया। फिर कार आगे बढ़ाकर बीच सड़क पर लगाकर गाली-गलौज करने लगा। इसके बाद कार सवार धमकाते हुए भाग निकला। इंस्पेक्टर पीके सिंह ने बताया कि कार नंबर के आधार पर आरोपी चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

दबंग ने युवक को पीटकर किया लहूलुहान, गाल पर दांत से काटा

संवाददाता, काकोरी

- बचाने आए दो अन्य लोगों को भी मारा, फेंके पत्थर

अमृत विचार: पारा थाना क्षेत्र में मामूली कहासुनी के बाद नशे में धुत दबंग ने एक व्यक्ति पर हमला कर दिय। आरोपी ने मारपीट कर गाल को दांत से काट लिया। इससे मांस निकल आया। बीच-बचाव करने आए दो अन्य लोगों को भी काटने दौड़ा। उन पर ईंट फेंक-फेंककर मारने लगा। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पारा गांव निवासी जितेन्द्र रावत ने बताया कि 17 अप्रैल को अखिलेश राजपूत नशे की हालत में उनके पास आया और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने हमला कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के दौरान अखिलेश ने उनके बाएं गाल को दांतों से काट लिया। मांस निकलने से वे लहूलुहान हो गए।शोर-शराबा सुनकर मौके पर पहुंचे पूरन राजपूत और अमर राजपूत ने जब बीच-बचाव करने की कोशिश की तो आरोपी ने उन पर भी हमला कर दिया। दोनों को भी चोटें आई हैं। पीड़ित के अनुसार आरोपी ने ईंट उठाकर जान से मारने की कोशिश की और लगातार धमकियां देता रहा। किसी तरह तीनों जान बचाकर मौके से भाग निकले। घटना के बाद घायलों ने पुलिस से शिकायत कर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इंस्पेक्टर पारा सुरेश सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

समझौते से विषविज्ञान शोध को मिलेगी नई दिशा

रासायनिक प्रभावों पर कैंसर संस्थान और आईआईटीआर करेंगे संयुक्त अध्ययन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : कल्याण सिंह अति विशिष्ट कैंसर संस्थान और भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईआईटीआर) के बीच शुक्रवार को करार (एमओयू) हुआ। जिससे विषविज्ञान (टॉक्सिकोलॉजी) के क्षेत्र में शोध को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। इस पहल के तहत स्वास्थ्य और पर्यावरण पर रासायनिक प्रभावों का गहन अध्ययन किया जाएगा, साथ ही नए डायग्नोस्टिक टेस्ट विकसित करने पर भी काम होगा।

करार के दौरान दोनों संस्थानों के निदेशक डॉ. एमएलबी भट्ट और डॉ. भास्कर नारायण।

करार के दौरान कैंसर संस्थान के निदेशक डॉ. एमएलबी भट्ट और आईआईटीआर के निदेशक डॉ. भास्कर नारायण मौजूद रहे। दोनों संस्थानों ने औद्योगिक, कृषि और पर्यावरणीय कारकों से उत्पन्न स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई। समझौते के तहत वैज्ञानिक ज्ञान के विस्तार, नवाचार को बढ़ावा देने और सतत स्वास्थ्य पद्धतियों के विकास पर विशेष जोर दिया जाएगा। इस सहयोग से शोध गतिविधियों को मजबूती मिलने के साथ ही मरीजों के उपचार में नई संभावनाएं भी खुलेंगी।

इस अवसर पर डीन डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वरुण विजय तथा आईआईटीआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. केसी कल्बे और डॉ. केएम अंसारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जयप्रकाश सिंह बसपा से फिर निष्कासित

अमृत विचार, लखनऊः बसपा में अनुशासन को लेकर सख्ती जारी है। पार्टी के पूर्व नेशनल कोऑर्डिनेटर एवं पश्चिम बंगाल के प्रदेश अध्यक्ष जयप्रकाश सिंह को एक बार फिर पार्टी से बाहर कर दिया गया है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब पार्टी प्रमुख मायावती दिल्ली दौरे पर हैं।

बीते दो दिनों में पश्चिमी यूपी के दो बड़े नेताओं पर कार्रवाई की गई है। इससे पहले सहारनपुर मंडल के जोनल प्रभारी हाजी सरफराज राईन को भी अनुशासनहीनता के आरोप में निष्कासित किया गया था। गाजियाबाद के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार जाटव ने शुक्रवार को जयप्रकाश सिंह के निष्कासन का आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया है कि हाल ही में पार्टी में वापसी के बावजूद उनकी कार्यशैली में सुधार नहीं हुआ और वे लगातार पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहे। पार्टी की ओर से कार्यकर्ताओं को ऐसे "स्वार्थी और अवसरवादी" तत्वों से सावधान रहने की अपील की गई है।

वाल्मीकि समाज की बेटी को नहीं मिल रहा न्याय

अमृत विचार, लखनऊः सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में सभ्य लोग नहीं हैं। गाजीपुर से लेकर हाथरस और हरदोई तक बेटियों की हत्याएं हुई, उन्हें न्याय नहीं मिला। गाजीपुर की तरह ही हाथरस में वाल्मीकि समाज की बेटी को न्याय दिलाने के लिए भी दलों के लोग खड़े हुए, लेकिन इस सरकार ने न्याय नहीं दिया। भाजपा सरकार के लोगों ने परिवार को अंतिम संस्कार भी नहीं करने दिया।

सपा प्रमुख शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि गाजीपुर में पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे सपा के प्रतिनिधिमंडल को टारगेट किया जा रहा है। चिह्नित कर एफआईआर की जा रही है। गाजीपुर की तरह हरदोई में कुशवाहा समाज की बेटी की निर्मम हत्या हुई, मेरठ के सोनू कश्यप की जान ली। बिजनौर में सैनी समाज की बेटी की हत्या हो गयी।

अखिलेश यादव ने कहा कि राजधानी में भाजपा भूमाफिया बनकर काम कर रही हैं, कोई भी योजना आने के पहले भाजपा के लोग मिलकर पहले ही जमीनें ले लेते हैं।

अवर अभियंता मुख्य परीक्षा 3 मई को

अमृत विचार, लखनऊः उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने अवर अभियंता (सिविल) मुख्य परीक्षा 2026 की तिथि घोषित कर दी है। परीक्षा 3 मई को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक प्रदेश के आठ जिलों में आयोजित होगी।

आयोग के अनुसार अवर अभियंता (सिविल) और सहायक विकास अधिकारी (एई, सिविल) के कुल 4612 पदों पर भर्ती के लिए यह परीक्षा कराई जा रही है। परीक्षा अमरोहा, बागपत, भदोही, कन्नौज, कानपुर देहात, पीलीभीत, संतकबीर नगर और शामली में आयोजित की जाएगी। मुख्य परीक्षा के लिए चयनित अभ्यर्थियों की परीक्षा सिटी की जानकारी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल एप पर उपलब्ध करा दी गई है। अभ्यर्थी अपने विवरण दर्ज कर परीक्षा शहर की जानकारी देख और डाउनलोड कर सकते हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा सिटी की जानकारी केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को दिखाई देगी, जिन्होंने निर्धारित शुल्क जमा कर दिया है।

गन्ना किसानों के बकाया भुगतान को दें प्राथमिकता : केशव मौर्य

उप मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/बरेली

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गन्ना किसानों के बकाया भुगतान को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि नवाबगंज चीनी मिल की नीलामी हो चुकी है, जबकि बहेड़ी मिल की नीलामी 29 अप्रैल को प्रस्तावित है। इस पर जल्द भुगतान सुनिश्चित करने को कहा गया।

उपमुख्यमंत्री शुक्रवार को बरेली कलेक्ट्रेट में प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तहसील, थाना और विकास खंड को मॉडल बनाते हुए लोगों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

केशव प्रसाद मौर्य ने गेहूं खरीद में पारदर्शिता, दलालों पर रोक और अवैध वसूली पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

बरेली में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य।

पंचायतें ग्रामीण विकास की आधारशिला : राजभर

अमृत विचार, लखनऊ : पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि पंचायतें ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं। उनका सशक्तिकरण ही लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य हर पंचायत को पारदर्शी, जवाबदेह और आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि विकास की धारा गांव-गांव तक पहुंच सके।

पंचायती राज मंत्री शुक्रवार को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर गांवों में लोकतंत्र का जीवंत स्वरूप देखने को मिला। प्रदेशभर की ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाएं आयोजित हुईं, जिनमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्थानीय विकास योजनाओं, जनसमस्याओं के समाधान तथा सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर अपने सुझाव दिए।

जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में ग्राम प्रधानों और पंचायत सहायकों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इससे पंचायत प्रतिनिधियों का मनोबल बढ़ा और उन्हें भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरणा मिली।

तैयारी | महिला सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने को लेकर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने की बैठकें

पीएम मोदी के वाराणसी दौरे को लेकर भाजपा सक्रिय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

- बूथ स्तर तक संपर्क अभियान चलाने के निर्देश, महिलाओं की भागीदारी पर विशेष जोर

अमृत विचारः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 28 अप्रैल को प्रस्तावित वाराणसी दौरे को लेकर भाजपा ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रस्तावित महिला सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने शुक्रवार को सर्किट हाउस में महिला मोर्चा, जिला व महानगर पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की अलग-अलग बैठकें कीं।

बैठकों को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाए। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महिलाओं की भागीदारी अनिवार्य है।

उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उल्लेख करते हुए विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के प्रयासों में बाधा डाली गई। साथ ही तीन तलाक कानून और पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने जैसे निर्णयों को महिलाओं और वंचित वर्गों के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों के साथ बैठक करते प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश महामंत्री धर्मपाल सिंह व अन्य।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने अब तक की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सम्मेलन की सफलता के लिए बूथ स्तर तक संपर्क अभियान चलाया जाए। प्रत्येक महिला मतदाता तक पहुंच बनाकर उन्हें कार्यक्रम में शामिल करने का लक्ष्य तय किया जाए। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन केवल स्वागत कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिलाओं के साथ संवाद और उनके सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक होगा। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यक्रम की पूरी जिम्मेदारी महिलाओं को दी गई है।

अपराध बढ़ रहे और कार्रवाई हो रही जाति के आधार पर : स्वामी प्रसाद

अमृत विचार, लखनऊः प्रदेश में कानून-व्यवस्था को लेकर पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने सरकार और पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शुक्रवार को उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध बढ़ रहे हैं और कार्रवाई जाति के आधार पर की जा रही है। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल से जुड़े लोगों के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं होती, जबकि अन्य मामलों में पुलिस सख्ती दिखाती है। उन्होंने हरदोई के मल्लावां की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि एक युवती की हत्या के मामले में पहले शिकायत दर्ज होने के बावजूद कार्रवाई नहीं की गई, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़े।

न्यूज़ ब्रीफ

युवती लापता, अपहरण का लगाया आरोप

मसौली, बाराबंकी : थाना क्षेत्र में एक युवती अचानक लापता हो गई। परिजनों ने उसे मानसिक बीमार बताते हुए एक युवक व उसके परिवार पर अपहरण का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, कस्बा सहादतगंज निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी 19 वर्षीय बहन, जिसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, 18 अप्रैल की रात करीब 11 बजे अचानक घर से गायब हो गई। परिवार वालों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका। परिजनों का आरोप है कि उसकी बहन अक्सर गांव की एक युवती के साथ बांसा शरीफ स्थित मजार शरीफ पर जाया करती थी, जिससे गांव के ही युवक मो0 जैद पुत्र मो0 नफीस का मिलना जुलना होता था, जैद ही युवती को बहला-फुसलाकर शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गया। इस मामले में आरोपी के साथ उसके परिवार के अन्य सदस्यों आफताब आलम, मोहम्मद अली, अमीना बानो, करीना और मोहम्मद नफीस पर भी सहयोग का आरोप लगाया गया है। परिवार ने आशंका जताई है कि युवती के साथ कोई अप्रिय घटना हो सकती है।

आग से लाखों की क्षति बची आठ की जान

रामसनेहीघाट, बाराबंकी : कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार तड़के एक किराना गोदाम में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि गोदाम के ऊपर बने मकान में रह रहे आठ लोग उसमें फंस गए। राहत की बात यह रही कि समय रहते सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ग्राम रसूलपुर निवासी रामायण गुप्ता के किराना गोदाम में सुबह करीब चार बजे अज्ञात कारणों से आग लग गई।

विपक्ष ने आधी आबादी का हक मारा : केशव

बरेली में डिप्टी सीएम ने सपा-कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा: महिला आरक्षण होगा लागू

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने महिला आरक्षण को लेकर विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। बरेली पहुंचे डिप्टी सीएम ने कहा कि संसद में जो कुछ हुआ, उसके लिए आधी आबादी सपा-कांग्रेस व दूसरे ऐसे दलों को चुनाव में दौड़ाने का काम करेगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम की राह में रोड़े अटकाने वालों को भारी कीमत चुकानी होगी। भजपा महिलाओं को उनका हक दिलाकर रहेगी। सर्किट हाउस में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान डिप्टी सीएम ने कहा कि आजादी के इतने समय बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक कदम उठाया लेकिन पूरा विपक्ष विरोध पर उतर आया। सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और डिंपल यादव खुद सदन का हिस्सा हैं, लेकिन नहीं चाहतीं कि सामान्य परिवारों की महिलाएं संसद तक पहुंचें। लड़की हूं, लड़ सकती हूं.. के नारे दिए जाते हैं, लेकिन संसद में मेजें महिलाओं हित के खिलाफ थपथपाई जाती हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा इस मुद्दे को केवल भाषणों तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि विपक्ष के महिला विरोधी चेहरे को उजागर करने के लिए इसे ''हर बूथ'' तक लेकर जाएगी। मिशन 2024 और विकसित भारत के संकल्प को दोहराते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि पीएम मोदी का स्पष्ट मानना है कि बिना आधी आबादी की सक्रिय भागीदारी के विकसित भारत का सपना पूरा नहीं हो सकता। आज देश में एक ही नारा गूंज रहा है-नारी शक्ति का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान'', और यही आक्रोश चुनाव में विपक्ष का सफाया करेगा।

केशव घर जाकर पूर्व सांसद धर्मेन्द्र कश्यप से मिले

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या का बरेली दौरे की सबसे अहम मुलाकात आंवला से पूर्व भाजपा सांसद धर्मेन्द्र कश्यप से मानी जा रही है। इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद उपमुख्यमंत्री कांधरपुर में पूर्व सांसद धर्मेन्द्र कश्यप के आवास पर पहुंचे, जहां दोनों नेताओं के बीच लंबी मंत्रणा का दौर चला। पूर्व सांसद कश्यप बरेली मंडल में ओबीसी राजनीति के दिग्गज चेहरों में शुमार होते हैं और सत्तारूढ़ भाजपा उनका महत्व बखूबी समझ रही है। लोकसभा चुनाव में पार्टी में अंदरखाने गुटबंदी और विरोध की वजह से धर्मेन्द्र कश्यप को हार का सामना करना पड़ा था। उसे लेकर पूर्व सांसद कश्यप खासे मुखर नजर आते हैं और खुलकर अपनी बात रखने से भी पीछे नहीं हटते हैं। धर्मेन्द्र की सियासी ताकत और कश्यप वोट बैंक पर उनकी मजबूत पकड़ किसी से छिपी नहीं हैं।

अयोध्या में 10 हजार घूस लेते ग्राम पंचायत सचिव गिरफ्तार

सोहावल, अयोध्या।

अमृत विचार : एंटी करप्शन टीम ने सोहावल तहसील के एक ग्राम पंचायत सचिव को 10 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पर परिवार रजिस्टर में नाम दर्ज कराने के लिए रिश्वत मांगने का आरोप था।

चिर्रा मोहम्मदपुर गांव निवासी मुख्तार अहमद का आरोप था कि ग्राम पंचायत सचिव राजीव कुमार श्रीवास्तव परिवार रजिस्टर में नाम दर्ज करने के एवज में उनसे 10 हजार रुपये मांग रहे हैं। उन्होंने इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम से की। शिकायत के आधार पर टीम ने शुक्रवार को योजना बनाई। इसके तहत पीड़ित को ग्राम पंचायत सचिव को सुचितागंज स्थित कमरे में बुलाया गया। आरोपी सचिव दोपहर में जब रिश्वत लेने आया व जैसे ही रुपये लिए, उसी दौरान वहां आसपास मौजूद टीम ने उसे पकड़ लिया व हिरासत में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू की।

टीम प्रभारी जय प्रकाश यादव ने बताया कि घटना की वीडियो भी बनाया गया है। पुख्ता सबूत के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया है। थाना रौनाही में केस दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। टीम में निरीक्षक कौशलेंद्र नाथ, चंद्र भूषण नायक, राजबहादुर यादव, दिनेश सिंह बिष्ट, संजीत कुमार, शकील और अखिलेश प्रजापति आदि मौजूद रहे।

आप सांसद के मुकदमे में एसओ को आपत्ति का अंतिम अवसर

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: आम आदमी पार्टी से राज्य सभा सांसद संजय सिंह के खिलाफ चल रहे आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के केस में बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए तारीख तय रही।

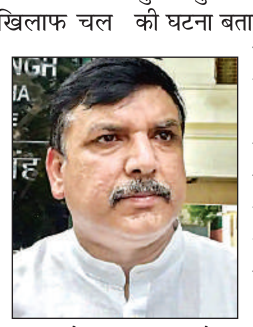

मामले में वादी पक्ष हाजिर भी हुआ, पर आपत्ति नहीं पेश की गई। एमपी-एमएलए कोर्ट मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने एसओ कमरौली मुकेश पटेल की तरफ से कोई आपत्ति नहीं पेश किए जाने पर नाराजगी भी जाहिर किया और अदालत ने वादी पक्ष को आपत्ति का अंतिम अवसर देते हुए सुनवाई के लिए छह मई की तारीख तय किया है।

कोतवाली नगर के तत्कालीन उप निरीक्षक मुकेश कुमार पटेल ने सात मई साल 2023 की घटना बताते हुए राज्य सभा सांसद संजय सिंह एवं आम आदमी पार्टी से तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष पद के प्रत्याशी डॉक्टर संदीप कुमार शुक्ल के खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था।

फिलहाल इस केस में पुलिस ने फाइनल रिपोर्ट लगा दिया था। फाइनल रिपोर्ट पर अपना पक्ष रखने के लिए उपनिरीक्षक मुकेश पटेल की तरफ से लगातार लापरवाही बरती जा रही है।

अयोध्या के चार कुंड का रखरखाव करेगा श्री श्री रविशंकर का ट्रस्ट

अयोध्या, अमृत विचार : अब अयोध्या के चार कुंड का रखरखाव श्री श्री रविशंकर का ट्रस्ट करेगा। इस संबंध में नगर निगम ने शुक्रवार को श्री श्री रूरल डेवलपमेंट प्रोग्राम ट्रस्ट बंगलुरू कर्नाटक के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। समझौता ज्ञापन पर संस्था की ओर से आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर बेंगलुरु के अध्यक्ष प्रसन्ना प्रभु एवं नगर निगम की ओर से अपर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ ने हस्ताक्षर किए हैं। इस मौके पर महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी तथा नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार भी मौजूद रहे। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडे ने बताया कि जिन कुंडों के रखरखाव के लिए एमओयू किया गया है, उनमें दशरथ कुंड, विद्या कुंड, सीताकुंड एवं दंतधावन कुंड शामिल हैं। एमओयू के तहत कुंड का रखरखाव संस्था पांच वर्ष तक करेगी।

ब्लैकमेलिंग से त्रस्त दुष्कर्म पीड़िता ने जहर खाकर दी जान

- देहात कोतवाली क्षेत्र की घटना आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

भदैंया, सुलतानपुर, अमृत विचार: देहात कोतवाली क्षेत्र में ब्लैकमेलिंग से परेशान एक दुष्कर्म पीड़िता किशोरी ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई, वहीं परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी युवक पहले किशोरी के साथ दुष्कर्म कर चुका था और इस मामले में जेल भी गया था। हाल ही में जमानत पर छूटकर बाहर आने के बाद उसने फिर से किशोरी को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। आरोप है कि युवक ने चोरी-छिपे किशोरी के अश्लील फोटो और वीडियो बना लिए थे और उन्हें वायरल करने की धमकी देकर लगातार ब्लैकमेल कर रहा था।

परिजनों का आरोप है कि आरोपी युवक ने किशोरी से करीब चार लाख रुपये भी ऐंठ लिए और फोन पर बार-बार धमकियां देता रहा। लगातार मानसिक उत्पीड़न से तंग आकर किशोरी ने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश तेज कर दी गई है। देहात कोतवाल धर्मवीर सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पहल: रामनगरी में देवभूमि का अतिथि गृह जल्द

प्रमुख संवाददाता, देहरादून: देश की धार्मिक राजधानी अयोध्या में उत्तराखंड सरकार ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की दिशा में एक पहल शुरू की है। अयोध्या-फैजाबाद हाईवे पर प्रस्तावित राज्य अतिथि गृह अब हकीकत का रूप लेता दिख रहा है। लगभग 54,000 वर्ग फीट क्षेत्र में बनने वाला यह विशाल परिसर उत्तराखंड से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक भरोसेमंद ठिकाना बनेगा। सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार के स्थलीय निरीक्षण के बाद परियोजना के क्रियान्वयन ने रफ्तार पकड़ ली है, जिससे साफ है कि सरकार इस योजना को लेकर पूरी गंभीरता से आगे बढ़ रही है। इस योजना के पीछे सीएम पुष्कर सिंह धामी की स्पष्ट सोच और परिणामोन्मुख कार्यशैली दिखाई देती है। सीएम ने धार्मिक पर्यटन को आर्थिक विकास से जोड़ने की जो रणनीति बनाई है, यह परियोजना उसी की एक मजबूत कड़ी है। चारधाम यात्रा को बेहतर प्रबंधन और सुविधाओं से जोड़ने के बाद अब सरकार अन्य प्रमुख तीर्थ स्थलों पर भी उत्तराखंड की पहचान स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है।

युवक की अंगुली काटी पन्नी में लेकर पहुंचा थाने

तरबगंज, गोंडा: थाना क्षेत्र के असरथा गांव के मजरा महापुरवा में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। मारपीट के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे युवक की अंगुली दांत से काटकर अलग कर दी गई। पीड़ित युवक कटी हुई उंगली को पन्नी में रखकर थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित फूलचन्द के अनुसार, गुरुवार की रात करीब 9 बजे वह अपने दरवाजे पर खाना खा रहा था। इस दौरान आशाराम को अटैक (दौरा) पड़ा। गांव के विनय तिवारी ने आशाराम को देखने के लिए उसके बड़े पिता रामराज से कहा, लेकिन उन्होंने जाने से मना कर दिया। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया और विनय तिवारी ने रामराज के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर-शराबा सुनकर जब फूलचन्द बीच-बचाव करने पहुंचे, तभी आरोप है कि खर्चू तिवारी ने उनकी उंगली अपने मुंह में दबाकर दांत से काट डाली, जिससे उंगली अलग होकर नीचे गिर गई।

कम अंक मिला तो खाया जहर, मौत

गोंडा कार्यालय, अमृत विचार: देहात कोतवाली क्षेत्र के भीटी भदवाल गांव में हाईस्कूल परीक्षा में कम अंक आने से आहत एक छात्रा ने आत्मघाती कदम उठा लिया। 21 वर्षीय रूपा गुप्ता ने कक्षा 10 के घोषित परिणाम में 77.33 प्रतिशत अंक प्राप्त करने के बावजूद अपेक्षा पूरी न होने से देर रात घर के बरामदे में जहर खा लिया। परिजन गंभीर हालत में उसे मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रूपा ने 600 में से 464 अंक हासिल किए थे। वह 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने का लक्ष्य बनाए हुए थी, जिसके चलते अपेक्षित परिणाम न मिलने पर मानसिक रूप से व्यथित थी। घटना के समय भाभी ने उसे बरामदे में गिरते देखा और तत्काल परिवार को सूचना दी। अस्पताल ले जाते समय रूपा ने भाभी से हाथ जोड़कर माफी भी मांगी थी। रूपा श्री कुंज बिहारी स्मारक इंटर कॉलेज, सुभागपुर पंडरी कृपाल की छात्रा थी। उसे सभी छह विषयों में ए व बी ग्रेड प्राप्त हुआ था।

फेल होने से क्षुब्ध छात्र ने खाया जहर, हालत गंभीर

हरगांव, सीतापुर : यूपी बोर्ड हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम आने के बाद थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत पचेहरा के मजरा नौनेरी में एक दुखद घटना सामने आई है। परीक्षा में असफल होने से आहत 18 वर्षीय छात्र विकास ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। परिजनों के अनुसार, ढोलई कला स्थित एक इंटर कॉलेज का छात्र विकास घोषित हुए हाईस्कूल के परिणाम में फेल हो गया था। बताया जा रहा है कि वह पिछले वर्ष भी अनुत्तीर्ण रहा था, जिसके कारण वह काफी मानसिक दबाव में था। गुरुवार देर शाम उसने घर के अंदर ही विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया।

दो पंचायत सचिवों पर गिरी निलंबन की गाज

प्रतापगढ़, अमृत विचार : धरमपुर गांव में तैनाती के दौरान फर्जी कार्य दिखाकर भुगतान करने के मामले में डीपीआरओ ने दो पंचायत सचिवों को निलंबित कर दिया है। धरमपुर गांव के मुख्तार अहमद एवं लैलतुन ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया था कि पंचायत सचिव द्वारा ग्राम प्रधान से मिलकर बिना कार्य के ही फर्जी भुगतान कर लिया गया। मामले में डीपीआरओ ने पंचायत सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए एक सप्ताह के अंदर जवाब मांगा था। शिकायती पत्र में दिव्यांग शौचालय का बगैर निर्माण पूर्ण हुए 1 लाख 70 हजार रूपये का भुगतान। खड़ंजा मरम्मत का 75 हजार रूपये फर्जी भुगतान एवं नहर से राजाराम के घर तक नाली निर्माण पूर्ण हुए ही भुगतान करने का मामले को दर्शाया गया था।

वृद्धा की हत्या कर शव को बोरे में भरकर आरोपी फरार

शिवगढ़ (रायबरेली)

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गुमावां पुलिस चौकी अन्तर्गत कोड़र मजरे दहिगवां में 65 वर्षीय वृद्ध महिला की युवक द्वारा बेहरमी से कुचल कर हत्या कर दी गई। शव को बोरे में भरकर घर के अन्दर रखकर आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची मृतक की बेटी मिथलेश सिंह ने बताया कि दोपहर करीब 2 बजे रामप्यारी और उसकी बड़ी बहन शिवप्यारी घर की गैलरी में लेटी थी। तभी गांव का ही एक व्यक्ति शराब के नशे में आया और घर के अन्दर पड़े तख्त लेट गया। दोनों बहनों ने युवक का विरोध कर उसे घर से जाने को कहा किन्तु वह नहीं गया। जिसके बाद बड़ी बहन शिवप्यारी युवक को भगाने के लिए मोहल्ले में दूसरों लोगों को बुलाने चली गई। जब वह वापस लौटकर आई तो देखा दरवाजे अन्दर से बन्द थे। जिसके बाद शिव प्यारी पड़ोसी की छत से अपने घर में जाकर दरवाजा खोला तो देखा सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था। जिसके बन्द घर के अन्दर गए मोहल्ले के दो बच्चों ने देखा तो महिला की लाश बोरे में भरी थी जिसका हाथ बाहर दिख रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रामप्यारी के शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया।

रामप्यारी की फाइल फोटो।

दंपती को डिजिटल अरेस्ट कर 57 लाख रुपये की ठगी

- दंपति को 12 दिन डिजिटल अरेस्ट रखा आतंकियों को 70 लाख भेजने की बात कहकर धमकाया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: साइबर शातिरों ने जीएसटी से सेवानिवृत्त असिस्टेंट कमिश्नर भैरव प्रसाद पांडेय व सेवानिवृत्त लेक्चरर पत्नी मीना पांडेय को 12 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 57 लाख रुपये खातों में ट्रांसफर कराए। खुद को पुलिस अधिकारी बताकर धमकाया कि तुम्हारे आधार कार्ड से पुलवामा आतंकी हमले के मुख्य आरोपी के खाते में 70 लाख की रकम भेजी गई है। मामले में पुलिस ने झारखंड का एक व शहर के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरोह में शामिल ओडिशा में तैनात सीआईएसएफ जवान दाऊद अंसारी का नाम सामने आया है। उसकी तलाश पुलिस की दो टीमें ओडिशा भेजी गई हैं। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने खुलासा करते हुए बताया कि रामबाग निवासी 77 वर्षीय भैरव प्रसाद और उनकी पत्नी मीना को साइबर शातिरों ने 12 दिन डिजिटल अरेस्ट किया। उनका एक बेटा स्विटजरलैंड और दूसरा मुंबई में परिवार समेत रहता है। भैरव प्रसाद के पास बीती नौ अप्रैल को व्हाट्सएप कॉल आई थी। जिसमें पुलिस वर्दी पहने साइबर शातिर ने धमकी दी। कहा कि मीना पांडेय के आधार कार्ड का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों में हुआ है।

परिवारवादी पार्टियों ने किया महिला आरक्षण का विरोध : दया शंकर

संवाददाता रानीगंज, प्रतापगढ़

अमृत विचार: प्रदेश के परिवहन मंत्री और प्रतापगढ़ के प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह रानीगंज डाक बंगला में पत्रकारों से रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि जो राजनैतिक पार्टियां परिवार के लोगों को नेता बनाना चाहती हैं उन्हें महिला आरक्षण से लाभ नहीं हो रहा था। इस लिए महिला आरक्षण का विरोध किया गया।

जनगणना और परिसीमन का बहाना बनाकर महिलाओं की भागीदारी रोकने का प्रयास किया गया। जनता इनको मुंहतोड़ जवाब देगी। वहीं रस्तीपुर स्थित एक मैरिज हॉल में जन आक्रोश महिला सम्मेलन में मंत्री दयाशंकर सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव एवं संयोजन पूर्व विधायक अभय कुमार धीरज ओझा ने किया। इस अवसर पर सदर विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य, राघवेंद्र शुक्ल, रुचि केसरवानी, प्रतिभा सिंह, रचना चतुर्वेदी, खुशबू गुप्ता, पुष्पा सरोज, वंदना त्रिपाठी, कुसुम कश्यप आदि रहे।

महिला सम्मेलन में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

युवक ने रेलवे ट्रैक पर लेटकर की आत्महत्या

कानपुर, अमृत विचार : सेन पश्चिम पारा में कपड़ा कारोबारी ने ट्रेन के आगे रेलवे लाइन पर लेटकर आत्महत्या कर ली। उसके जेब में सुसाइड नोट मिला। जिसमें लिखा था कि मैं अपनी मर्जी से सुसाइड कर रहा हूं, मेरे माता-पिता को परेशान न करें। आधार कार्ड से शिनाख्त हुई। बिधनू के जगदीशपुर निवासी सुनील तिवारी का 25 वर्षीय एकलौता बेटा यश उर्फ रवि किदवईनगर गौशाला चौराहा के पास छोटी बहन यशी के साथ ऑनलाइन कपड़े का कारोबार करता था। गुरुवार रात करीब 11.30 बजे यश का शव बिनगवां गांव के पास मिला। पुलिस जांच में उसके पास आधार कार्ड व सुसाइड नोट मिला। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे पिता सुनील ने शव की शिनाख्त की। पूछताछ में पिता ने बताया कि यश गुरुवार शाम छह बजे गैराज में पड़ी कार लाने के लिए मां गौरी से चार हजार रुपये लेकर निकला था। रात करीब एक बजे पुलिस ने उन्हें उसके ट्रेन से कटकर आत्महत्या करने की सूचना दी।

कार्यालय सेनानायक द्वितीय वाहिनी पीएसी सीतापुर

पत्रांक–म29/2006 दिनांक: अप्रैल 24.2006

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 02वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर के परिसर एवं आवासीय परिसर में लगे आम–187, कटहल 39, जामुन– 28. आवला– 37. लीची के 11 कुल 302 फलदार वृक्षों के फलों की नीलामी की कार्यवाही दिनांक 29/04/2026 को वाहिनी परिसर में उक्त फलदार वृक्षों की खुलेआम नीलामी आगामी वर्ष 2026 के लिए की जायेगी। वाहिनी के आवासीय परिसर स्थित आवासों में लगे पेडों के फलों के उपरोक्त नीलामी से मुक्त रखा जायेगा तथा उन पर इस नीलामी का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। नियम व शर्त तथा विशेष जानकारी हेतु किसी कार्य दिवस में कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं।

सेनानायक
द्वितीय वाहिनी पीएसी सीतापुर

सूचना

सूचित हो मेरी स्वामित्व वाली भूमि गाटा सं0 746 जिसका क्षेत्रफल 2000 वर्ग फीट स्थित (म0नं0– 559ख/188), श्रीनगर, श्रृंगार नगर, थाना मानकनगर, लखनऊ जिसकी चौहद्दी पूरब–खेत साधारी, पश्चिम–रास्ता 10 फीट, उत्तर–रास्ता 19 फीट, दक्षिण–अराजी मिन मुकिर। जिसे मेरे ससुर बल्देव राज ने जरिये बैनामा विक्रेता खुशाल चन्द्र से क्रय किया था, जिसका पंजीयन बही नं0–1, जिल्द–2025 के पृष्ठ 273/274 पर क्रमांक–2732 दिनांक 24.06.1970 को पंजीकृत है, जो मेरे ससुर श्री बल्देव राज ने मेरे व मेरे पुत्र के पक्ष में पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 27.02.2023 को निष्पादित किया था। बल्देव राज का स्वर्गवास दिनांक 27.06.2025 को हो गया था। उक्त सम्पत्ति का मालिकाना हक मेरे व मेरे पुत्र अंशुल शर्मा को प्राप्त हो गया। दिनांक 17.04.2026 को शपथिनी फोटोकापी हेतु बाजार गई थी जो बैनामा की मूल प्रति गिर कर वास्तव में खो गई जिसको मैंने बहुत खोजा, किन्तु नहीं मिली, यदि भविष्य में किसी व्यक्ति द्वारा उक्त मूल बैनामा का दुरुपयोग किया जाता है तो वह पूर्णतया अवैध होगा।

–विम्मी शर्मा पत्नी स्व0 विकास शर्मा
निवासिनी–म0नं0–559ख/188, श्रीनगर, श्रृंगार नगर, आलमबाग, थाना मानक नगर, जिला लखनऊ

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यो के लिए ई–निविदा वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है। क्र. सं. 1 निविदा सं0: वमंविई–टीआरडी–लजं–ओटी–201 **कार्य का विवरण:** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में एमआईएम, पीजे, सीएम, एसओटी एवं एनटीवी, एएचयू, बीएचजीपी, बीआरएसए, बीजेएलपी, जेकेआई, एलपीडब्ल्यू, एलवीआर, एमएचबीजी एवं एमएचबीजेड, एमवीकेआर, एनआईटी, पीडीपीआर, आरसीआरए, आरजेडजे, बीएनजीवाई, बीडब्ल्यूपी एवं एलबीडब्ल्यू हॉल्ट (कुल 23 हॉल्ट स्टेशन) पर 27 पी.एफ. को निम्न स्तर से उच्च स्तर तक बढाने एवं विस्तार के कारण ओएचई संशोधन कार्य। **ई–निविदा बन्द होने की तिथि व समय** : 18.05.2026 व 15.00 बजे। **ई–निविदा खुलने की तिथि व समय:** 18.05.2026 व 15.30 बजे। **अनुमानित लागत:** 2,04,39,839.69 रु0 **बयाना राशि:** 4,08,800.00 रु. **निविदा मूल्य:** 0.00 रू0 **कार्य सम्पादन की अवधि** : 12 माह। नोट 1. इस निविदा के विरूद्व मैनुअल ऑफर स्वीकार नही किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल ऑफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। 2. विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट http://www.ireps.gov.in को देखें।

वरि0 मंडल विद्युत इंजी0/टीआरडी लखनऊ
मुजाधि/विद्युत–21

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डर

ई-निविदा सूचना संख्या- एन-235-62 टेली टेण्डर 04-2026

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/टेली/मुख्यालय, पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर एवं कृते भारत के राष्ट्रपति के ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए टेण्डर प्रपत्र में अंकित निर्धारित योग्यता का पर्याप्त अनुभव रखने वाले ठेकेदारों से ई- टेन्डर आमंत्रित करते हैं। **1. निविदा सूचना सं0:** एन–235–62 टेली टेण्डर 04–2026. **2.** कार्य का नाम : पूर्वोत्तर रेलवे के अंतर्गत इज्जतनगर, लखनऊ, वाराणसी डिवीजन तथा मुख्यालय गोरखपुर के टियर–2, 3 और 4 स्थानों पर पीआरएस/यूटीएस आधुनिकीकरण के संबंध में डेटाकॉम उपकरणों (यूटीएन डिवाइस) और नेटवर्क कनेक्टिविटी का उन्नयन। **3.** निविदा लागत : ₹ 10,88,11,978.43/– (दस करोड़ अट्ठासी लाख ग्यारह हजार नौ सौ अठहतर रूपये और तैंतालीस पैसे मात्र) **4.** बिड सिक्यूरिटी (बयाना धानराशि) : ₹ 2176200.00/– **5.** ऑफर की वैधता : 90 दिन **6.** निविदा खोलने एवं बंद होने का स्थान, तिथि तथा समय : दिनांक– 22.05.2026, समय – 12:30 बजे **7.** कार्य के पूर्ण करने की अवधि : 06 (छः) माह **8.** मूल निविदा में किसी तरह के परिवर्तन के लिए कृपया इन्टरनेट वेबसाइट पर जारी शुद्धि पत्र का अवलोकन करें। **9.** विस्तृत निविदा सूचना, निविदा प्रपत्र, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं। **नोट:** निविदादाता/बिडर को अपने बिड के साथ सभी निर्दिष्ट संलग्नों/फॉर्मेट/अनुलग्नक को अपलोड करना होगा।

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/टेली/मुख्यालय
मुजाधि/सिगनल- 17 पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं सौरभ शर्मा पुत्र रविन्द्र शर्मा, निवासी–बी–189, साउथ सिटी, रायबरेली रोड, बरौली, खलीलाबाद, जिला–लखनऊ, उ0प्र0 –226025, मेरी कृषि भूमि जिसका विवरण निम्न प्रकार है:– 1. खसरा संख्या–19 रकबा रू3630हे0 स्थित ग्राम कोड–205660, ग्राम भेडियाउसर, तहसील–मुहम्मदावाद, जिला–गाजीपुर है। 2. भूमि खसरा संख्या–123ख, रकबा 0.0110हे0, 3. भूमि खसरा संख्या–43ख रकबा 0.0700 हे0, 4 भूमि खसरा संख्या–135 रकबा 0.1070 हे0 5. खसरा संख्या–163 रकबा 0.0170हे0 6. भूमि खसरा संख्या–124 रकबा 0.0670हे0 7. भूमि खसरा संख्या–166क रकबा 0.0110हे0, 8. भूमि खसरा संख्या–179क रकबा 0.0400हे0 9. भूमि खसरा संख्या–162ख रकबा 0.0100हे0 स्थित ग्राम कोड–205655, ग्राम–भाटसराय, तहसील मुहम्मदावाद, जिला–गाजीपुर है। यह मेरी पैतृक सम्पत्ति है इसके समस्त दस्तावेज मेरे नाम राजस्व अभिलेखों (खतौनी) में दर्ज है। मेरी भूमि पर कुछ भू–माफिया या अज्ञात व्यक्ति, छल–कपट से इस भूमि को बेचने या हड़पने का प्रयास कर रहे हैं। यह कि इस सूचना के माध्यम से स्पष्ट किया जाता है उक्त भूमि को बेचने का न तो कोई इकरारनामा (Agreement To sell) किया है पट्टीदारों/भागीदारों में अभी तक दिशा निर्धारित नहीं हुआ है। इनके द्वारा भी विक्रय या कोई इकरारनामा किया जाता है तो अवैध माना जाए।

सूचना

मैं **श्रीमती शैल कुमारी पत्नी कल्लू, निवासिनी ग्राम – रहीमाबाद मजरा जिन्दौर परगना व तहसील मलिहाबाद जिला लखनऊ उ0प्र0**, मेरे दो पुत्र बड़ा पुत्र सुधीर व छोटा पुत्र रिंकू जिसमे से छोटे पुत्र रिंकू का व्यवहार मेरे प्रति अच्छा नहीं है जो आये दिन मेरे तथा मेरे परिवारीजनो से लड़ता–झगड़ता रहता है, मैं उसके गलत आचरण से अत्याधिक शारीरिक व मानसिक पीड़ित रहती हूँ। उसके इन व्यवहारों से तंग आकर उपरोक्त पुत्र रिंकू को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूँ। अब मेरा उससे कोई वास्ता व सरोकार नही रहेगा, उक्त पुत्र के समस्त क्रिया कलापो एवं खराब आचरण के प्रति वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व परिवारी जनो से कोई लेना–देना नहीं होगा।

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना संख्या: SrDEE-TRD-BSB-2026-27-T01 दि.23.04.2026

भारत के राष्ट्रपति की और से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत् इंजीनियर/टीआरडी, पूर्वोतर रेलवे, वाराणसी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली ई–निविदा आमंत्रित करते हैं। **क्र.सं.:**– 01, **कार्य का नाम:**– पूर्वोतर रेलवे के वाराणसी मंडल के झूंसी स्टेशन में एक कॉमन रनिंग लाइन सीएसएल 750 मीटर के संबंध में 25 के.वी. विद्युतीकरण कार्य।, **टैंडर रिफरेश नं.:**– SrDEE-TRD-BSB-2026-27-T01, **कार्य का अनुमानित लागत रुपया में:**– ₹ 16743743.63, **धरोहर राशि रुपया में:**– ₹ 334900/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपया में:**– शून्य, **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय:**– 15.05.2026 upto 14:45 Hrs., **कार्य पूरा करने की अवधि:**– 6 माह, • खुली ई–निविदा दिनांक 15.05.2026 को 14:45 बजे तक जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण जानने हेतु एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी
मुजाधि/विद्युत–22 वाराणसी

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

सूचना

मेरी पुत्री आर्या अवस्थी के जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण सं0–B-2022:991811006139 दि–17–03–2022 में उसकी जन्म तिथि गलत अंकित हो जाने के कारण मैने उसका नया जन्म प्रमाण पत्र दि–07–02–2025 पंजीकरण सं0–B-2025:09918080001590 जारी करवा लिया था। अत: दि0–17–03–2022 को जारी उसके जन्म प्रमाण पत्र को निरस्त समझा जाये। **आदित्य अवस्थी, 05, तिलक नगर, ऐशबाग, राजेन्द्र नगर, लखनऊ।**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मूल बैनामा संख्या 3062 दिनांक 25–08–2004 जिसका पंजीकरण उप निबंधक कार्यालय सदर जनपद अयोध्या से हुआ था, जो दिनांक 09–03–2026 को कस्बा दर्शन नगर में कहीं खो गया। जिसकी प्राथमिकी दिनांक 17–04–2026 को करा दी गई है। मूल बैनामा की भूमि गाटा संख्या 455 व 485 ग्राम देवकाली अन्दर नगर पालिका को प्रार्थी द्वारा क्रय किया गया है। जिसपर प्रार्थी काबिज व दखील है। उपरोक्त भूमि प्रार्थी ने श्री भूपेश कुमार तिवारी पुत्र कृष्ण कुमार तिवारी निवासी बरईपारा तहसील सदर अयोध्या से जरिए बैनामा प्राप्त किया है। **राजेश कुमार मौर्या पुत्र सीताराम मौर्या निवासी- बछड़ा सुल्तानपुर परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला-अयोध्या।**

सूचना

मैं **रहनुमा खातून, पत्नी विशाल गुप्ता, निवासी शहजादपुर, अकबरपुर, जनपद अंबेडकर नगर, उत्तर प्रदेश,** यह घोषित करती हूँ कि मैंने दिनांक 16.08.2022 को विवाह के उपरांत अपना नाम रहनुमा खातून से बदलकर सिमरन गुप्ता रख लिया है। अब से मैं सभी कार्यो में सिमरन गुप्ता के नाम से जानी जाऊंगी।

सूचना

मैंने अपना नाम मटरू से मटरू खां रख लिया है। अब मुझे मटरू खां के नाम से जाना व पहचाना जाए। **मटरू खां पुत्र शुबदार निवासी– मोहल्ला कोलियान छिबरामऊ कन्नौज 209721**

आवेश में हुई घटना को हत्या मानना न्यायसंगत नहीं : हाईकोर्ट

कोर्ट ने हत्यारोपियों की दोषसिद्धि को गैर इरादतन मानव वध में परिवर्तित कर सजा को पूर्व में भुगती गई कैद तक सीमित किया

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट की एक पीठ ने शाहजहांपुर के चर्चित हत्याकांड में कहा कि बिना पूर्व नियोजन, अचानक उत्पन्न विवाद और आवेश में हुई घटना को किसी स्थिति में हत्या नहीं माना जा सकता। यदि घटना क्षणिक उत्तेजना, अचानक झगड़े और बिना किसी अनुचित लाभ उठाए घटित हुई हो, तो वह भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के बजाय धारा 304 (भाग-1) के दायरे में आएगी। इसी आधार पर कोर्ट ने हत्यारोपियों की दोषसिद्धि को गैर इरादतन मानव वध में परिवर्तित करते हुए उनकी आजीवन कारावास की सजा को पहले से भुगती गई अवधि तक सीमित कर दिया।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने महेश सिंह, आरती सिंह, विताना देवी, शिवम सिंह उर्फ सुमित कुमार सिंह तथा अमित सिंह की आपराधिक अपीलों को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए पारित किया। सभी अभियुक्तों को शाहजहांपुर की निचली अदालत ने हत्या के अपराध में आजीवन कारावास से दंडित किया था। 8 जुलाई 2016 को पुलिस स्टेशन रोजा, शाहजहांपुर में आईपीसी की धारा 147, 148, 302/149 के तहत महेश सिंह, उसकी पत्नी विताना देवी, पुत्र शिवम और अमित,

पुत्री आरती तथा उनके सहयोगी वेदपाल सिंह के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई, लेकिन बाद में महेश सिंह के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम की धारा 3/25/27 के तहत अलग अभियोजन भी चलाया गया। कोर्ट ने पाया कि उपलब्ध साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि घटना पूर्वनियोजित नहीं थी। यह अचानक उपजे तनाव, झड़प और आवेश का परिणाम थी।

कोर्ट ने यह भी पाया कि अभियुक्तों ने न तो कोई अनुचित लाभ उठाया और न ही असामान्य क्रूरता का प्रदर्शन किया। इन्हीं परिस्थितियों के आधार पर कोर्ट ने माना कि मामला आईपीसी की धारा 300 के अपवाद-4 के अंतर्गत आता है। अतः अभियुक्तों की दोषसिद्धि को धारा 302/149 से धारा 304 (भाग-1)/149 में परिवर्तित करते हुए उन्हें सजा तक सीमित कर दिया गया।

शिक्षा का अधिकार तकनीकी अड़चनों का बंधक नहीं

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का संवैधानिक अधिकार महज तकनीकी औपचारिकताओं की भेंट नहीं चढ़ सकता। कोर्ट ने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत प्रवेश के लिए केवल ऑनलाइन आवेदन की अनिवार्यता कमजोर और वंचित वर्गों के बच्चों के लिए बाधा नहीं बन सकती। डिजिटल व्यवस्था सुविधा का माध्यम हो सकती है, अधिकारों पर पहरा नहीं। राज्य का दायित्व है कि वह ऑफलाइन आवेदन भी स्वीकार करे, जिससे कोई बच्चा केवल तकनीकी अभाव के कारण शिक्षा से वंचित न रह जाए। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकलपीठ ने ख्वाजा आशेर (नाबालिग) की ओर से उसके पिता ख्वाजा शमशाद अहमद द्वारा दाखिल याचिका को स्वीकार करते हुए पारित किया। याचिका में आरटीई अधिनियम, 2009 की धारा 12(1)(सी) के तहत नर्सरी कक्षा में प्रवेश दिलाने की मांग की गई थी। मामले के अनुसार याची के पिता ने 5 अप्रैल 2023 को बेसिक शिक्षा अधिकारी, प्रयागराज के समक्ष मैनुअल आवेदन प्रस्तुत किया था।

पांच से कम व्यक्तियों को अनधिकृत जमाव का सदस्य मानकर सजा देना अवैध

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आईपीसी की धारा 149 के तहत दोषसिद्धि के नियमों को स्पष्ट करते हुए बताया कि जब अभियोजन द्वारा नामजद सभी आरोपियों में से अधिकांश बरी हो जाएं और अंतत: दोषसिद्धि केवल दो व्यक्तियों तक सीमित रह जाए, तब भारतीय दंड संहिता की धारा 149 का सहारा लेकर उन्हें दंडित नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि पांच या अधिक व्यक्तियों के बिना 'अनधिकृत जमाव' का अस्तित्व ही नहीं बनता। ऐसे में धारा 149 के आधार पर दी गई सजा विधिसम्मत नहीं ठहराई जा सकती। इसी आधार पर कोर्ट ने 37 वर्ष पुराने आपराधिक मामले में जीवित अपीलकर्ता बिग्रंचू उर्फ बिगरांच्छू को दोषमुक्त कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति समीत गोपाल की एकलपीठ ने राम पलट एवं अन्य की आपराधिक अपील को निस्तारित करते हुए पारित किया। अपील के दौरान राम पलट की मृत्यु हो जाने से उनके संबंध में अपील पूर्व में ही निरस्त हो चुकी थी।

क्वो वारंटो की रिट अधिकारी के अवैध कृत्य को चुनौती देने का माध्यम नहीं : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने क्वो वारंटो (अधिकार पृच्छा) रिट की सीमाओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि क्वो वारंटो की रिट किसी सरकारी अधिकारी के कथित अवैध कृत्य को चुनौती देने का माध्यम नहीं है। यह असाधारण संवैधानिक उपाय केवल उस स्थिति में उपलब्ध है, जब कोई व्यक्ति बिना वैधानिक अधिकार के किसी सार्वजनिक पद पर काबिज हो। कोर्ट ने कहा कि इसका उपयोग न तो मंडामस, न निषेधाज्ञा और न ही अपील के विकल्प के रूप में किया जा सकता है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की एकलपीठ ने औरैया जिले के बिरुहनी गांव निवासी नीरज सिंह और अन्य की याचिका को खारिज करते हुए की। याचियों ने तहसीलदार अजीतमल, कानूनगो, क्षेत्रीय लेखपाल, अजीतमल थानाध्यक्ष तथा संबंधित चौकी प्रभारी के विरुद्ध क्वो वारंटो की रिट जारी करने की मांग की थी। आरोप था कि इन अधिकारियों ने लंबित दीवानी वाद के दौरान 9 जनवरी 2026 को उनकी पैतृक भूमि का कब्जा बलपूर्वक विपक्षियों को दिलवा दिया है।

न्यूज ब्रीफ

खरीदारी को आए युवक को दबंगों ने पीटा

संतकबीरनगर, अमृत विचार। मेंहदावल थाना क्षेत्र में शुक्रवार को दिनदहाड़े दबंगों का आतंक देखने को मिला। बहबोलिया-चौबेडिहवा मार्ग पर बीच चौराहे पर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसमें बहन की शादी का सामान खरीदने आए युवक को बेरहमी से पीट दिया गया। बीच-बचाव करने पहुंचे एक अन्य युवक को भी हमलावरों ने नहीं बख्शा। घटना के दौरान ईंट-पत्थर चलने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और दुकानदारों ने आनन-फानन में अपनी दुकानें बंद कर दीं। जानकारी के अनुसार, जमोहरा गांव के दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिश चली आ रही है। एक पक्ष अपनी बेटी की 7 मई को होने वाली शादी के लिए खरीदारी करने मेंहदावल बाजार आया था। इसी दौरान दूसरे पक्ष को इसकी भनक लग गई और वह पहले से घात लगाकर चौबेडिहवा के पास पहुंच गये। जैसे ही युवक वहां पहुंचा, दबंगों ने लोहे की पाइप और लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी हालत नाजुक होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बीच-बचाव करने पहुंचे दूसरे युवक को भी पीटकर घायल कर दिया गया।

गैर इरादतन हत्या में दो को 7-7 वर्ष की सजा

कुशीनगर, अमृत विचार : हाटा कोतवाली पर पंजीकृत मुकदमे में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध स्थानीय पुलिस व मॉनिटरिंग सेल के द्वारा प्रभावी पैरवी किया गया, जिसके फलस्वरुप न्यायालय द्वारा अभियुक्तों इन्द्रजीत शर्मा व अमित उर्फ मन्तोष शर्मा निवासी देवरिया देहात कोतवाली हाटा जनपद कुशीनगर के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाकर अपराध सिध्द करते हुए 07-07 वर्ष का सश्रम कारावास एवं प्रत्येक को 10,000/- रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अभियुक्त को सजा दिलाने में विवेचक उ0नि0 सुबास चन्द रत्ना, एडीजीसी संजीव कुमार सिंह, प्र0नि हाटा संजय दुबे, पैरोकार कां0 दुर्गेश यादव हाटा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पेट्रोल-डीजल की किल्लत से जनता परेशान : काजी सुहेल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जनपद में पेट्रोल-डीजल की भीषण किल्लत से आम जनता त्राहि-त्राहि कर रही है अधिकांश पेट्रोल पंप सूखे पड़े हैं और जहां ईंधन उपलब्ध है, वहां हजारों की भीड़ उमड़ रही है। हालात इतने बदतर हैं कि लोगों को घंटों लाइन में लगने के बाद भी मात्र 2-3 लीटर पेट्रोल एवं 10 -15 लीटर डीजल ही नसीब हो पा रहा है। स्थिति और भी गंभीर इसलिए हो गई है क्योंकि इन दिनों शादी-विवाह का सीजन जोरों पर है। लोगों को आवागमन के लिए पेट्रोल-डीजल की सख्त आवश्यकता है, लेकिन ईंधन की कमी ने आम जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। जिससे आम जनता में हाहाकार मचा हुआ है।

उक्त बातें कांग्रेस पार्टी जिला अध्यक्ष काजी सुहेल अहमद ने कही उन्होंने कहा कि हैरानी की बात यह है कि जिला प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी जमीनी सच्चाई से आंखें मूंदकर जनपद में ईंधन की कोई कमी न होने का दावा कर रहे हैं। यह जनता के साथ सीधा मजाक और उनकी समस्याओं की घोर अनदेखी है। कांग्रेस पार्टी इस लापरवाही की कड़ी निंदा करती है और प्रशासन को चेतावनी देती है कि यदि पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई, तो कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

थाना क्षेत्रों में चेकिंग अभियान चलाया गया

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। पुलिस द्वारा जनपद में शांति व्यवस्था, सतर्कता एवं सुरक्षा को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु अपने-अपने थाना क्षेत्रो में पैदल गस्त, चेकिंग किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश के क्रम में क्षेत्राधिकारीगण, प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष द्वारा जनपद में शांति व्यवस्था, सतर्कता एवं सुरक्षा को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु अपने-अपने सर्किल, थाना क्षेत्रों में पड़ने वाले चिह्नित हॉट स्पाट पर एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों में पैदल गश्त/चेकिंग किया गया तथा आम जनमानस मे सुरक्षा का एहसास कराते हुये आपस में सौहार्द बनाये रखने हेतु अपील की गयी।

छेड़खानी से आहत विवाहिता ने की खुदकुशी

संवाददाता, संतकबीरनगर।

- शादीशुदा युवती से आरोपी बात करने का बना रहा था दबाव
- सरे बाजार छेड़छाड़ व मारपीट भी कर चुका था
- ससुराल वाले पुलिस से शिकायत न करने का बना रहे थे दबाव

अमृत विचार। दुधारा क्षेत्र के पचपोखरी में शुक्रवार की सुबह विवाहिता ने फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पीड़ित मां ने छेड़खानी से आहत होने पर बेटी के जरिए आत्मघाती कदम उठाने का आरोप लगाई है। आरोप है कि आरोपी युवक के खिलाफ बेटी कार्रवाई कराना चाहती थी, लेकिन उसके घर वाले थाने जाने से मना कर दिए थे। पुलिस आरोपी युवक के खिलाफ सुसाइड के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज किया। पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है।

दुधारा क्षेत्र के पचपोखरी गांव की रहने वाली 28 वर्षीय साधना पत्नी

महिला के सुसाइड मामले की जांच-पड़ताल करते एसएचओ दुधारा अरविंद कुमार शर्मा।

दिनेश शुक्रवार की सुबह करीब 6 बजे कमरे में पंखे में दुपट्टे के सहारे लटक कर जान दे दी। मृतका की मां संजू पत्नी लालधर निवासी अजगरा थाना बखिरा का आरोप है कि उसकी बेटी साधना की शादी पचपोखरी के दिनेश से वर्ष 2014 में हुई थी। आरोप है कि पचपोखरी का रहने वाला राहुल उसकी बेटी से 6 महीने पहले से बात करने के लिए दबाव बनाता था। तीन महीने पहले बेटी को राहुल ने मारापीटा था और बातचीत करने का दबाव बनाता था। जिस पर साधना ने घर पर सास, ननद आदि परिवार के सदस्यों को बताया। साधना ने इसके खिलाफ कार्रवाई किए जाने की बात कही तो घर वालों ने दबाव दिया कि थाने पर मत जाओ। आरोप है कि 21 अप्रैल को बाजार गई थी,जहां आरोपी राहुल ने छेड़खानी की। जिसकी शिकायत बेटी साधना ने 23 अप्रैल को वीमेन पावर लाइन (1090) पर दर्ज कराई थी। उसी दिन शाम को पुलिस घर पर गई थी और कार्रवाई करने के लिए पुलिस चौकी पचपोखरी पर बुलाया तो सास ने मना किया कि चौकी पर मत जाओ। उपरोक्त कारणों से आहत होकर बेटी साधना ने शुक्रवार की सुबह आत्म हत्या कर लिया। एसओ अरविंद शर्मा ने बताया कि पीड़ित संजू की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी का प्रयास शुरु कर दिया गया है।

सामूहिक प्रयास से हिन्दी के लक्ष्य को प्राप्त करेंगे : उदय बोरवणकर

- पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक की अध्यक्षता में हुई नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), की बैठक एवं प्रख्यात कवि, लेखक एवं पत्रकार माखन लाल चतुर्वेदी पर साहित्यिक संगोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को महाप्रबन्धक सभाकक्ष में आयोजित किया गया। बैठक में मुख्य राजभाषा अधिकारी प्रकाश चन्द्र जायसवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी मनोज मिश्रा, नगर स्थित केंद्र सरकार के कार्यालयों, उपक्रमों एवं निगमों के प्रमुख/प्रतिनिधि तथा राजभाषा विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर आयकर विभाग एवं हिन्दुस्तान पेट्रोलियम,गोरखपुर ने अपनी प्रस्तुति दी।

बैठक में महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर ने वर्ष 2025 में राजभाषा के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सदस्य कार्यालयों को बधाई दी। आशा व्यक्त किया कि वे आगे भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को बनाये रखेंगे तथा जहां भी कमियां हों, उसे दूर करायेंगे। महाप्रबन्धक ने कहा कि आज की इस बैठक में हुई चर्चा के बाद जिन बिन्दुओं में कमी है, उसे आप सभी दूर करायें। सभी के सामूहिक प्रयास से राजभाषा के क्षेत्र में हिन्दी के निर्धारित लक्ष्य

बैठक में महाप्रबंधक को स्मृति चिन्ह भेंट करते अधिकारी। अमृत विचार

को अवश्य प्राप्त किया जा सकेगा। सदस्यों के सुझावों को संज्ञान में लिया गया है। उन्होंने कहा कि हमें न सिर्फ आँकड़ों को आगे बढ़ाना है अपितुरोजमर्रा के कार्यों में भी राजभाषा का उपयोग बढ़ाना है। हमें अच्छे व सरल शब्दों का प्रयोग करना चाहिये तथा बोलचाल की भाषा को और अच्छा बनाना चाहिये। कहा कि अपने कार्यालयों के प्रवेश स्थान पर प्रतिदिन के नये विचार सरल एवं अच्छे शब्दों में लिखें तथा समाज में सभी को पुस्तकें पढ़ने के लिये प्रेरित करें।

विशेष गाड़ी के 11 फेरों को किया गया निरस्त

गोरखपुर, अमृत विचार। रेल प्रशासन द्वारा परिचालनिक कारणों से 05009/05010 गोरखपुर-लालकुआं-गोरखपुर ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी के 11 फेरों को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। फलस्वरूप गोरखपुर से 01 मई से 10 जुलाई तक चलने वाली 05009 गोरखपुर-लालकुआँ ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी तथा लालकुआं से 02 मई से 11 जुलाई तक चलने वाली 05010 लालकुआं-गोरखपुर ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

कटाव रोधी कार्य का किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा बूढ़ी नदी के बाएं तट पर स्थित ग्राम महरथा एवं बैजनथा में कराए जा रहे कटाव निरोधक कार्य का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी मौके पर पहुंचकर कार्य की प्रगति, गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों का गहनता से जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों से कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा उपयोग में लाई जा रही सामग्री की गुणवत्ता की भी जांच की। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कटाव निरोधक कार्य को पूरी पारदर्शिता एवं निर्धारित मानकों

कटान निरोधक कार्य का निरीक्षण करते डीएम शिवशरणप्पा जीएन।

के अनुरूप समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण कटाव की समस्या गंभीर रूप ले सकती है, इसलिए कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने विशेष रूप से उन स्थानों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए, जहां कटाव की आशंका अधिक है। निरीक्षण के दौरान उपस्थित अभियंताओं एवं अधिकारियों को जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

बढ़नी कस्बा में घंटों जाम में फंसी रही एंबुलेंस

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। शुक्रवार को बढ़नी कस्बे के लोगो को एवं एनएच 730 पर से कस्बे स्थित पचपेड़वा तिराहे होते हुए आने जाने वाले राहगीरों को शाम 5 बजे के करीब काफी समय तक जाम का सामना करना पड़ा,कस्बे में शुक्रवार को पचपेड़वा रोड होते गए ढेबरुआ रोड एवं बस स्टॉप रेलवे क्रासिंग से लेकर ढेबरुआ रोड पर एन एच 730 के दोनों तरफ 2 से 3 किलोमीटर का लंबा जाम लग गया,जाम में मरीजों को लेकर कस्बे से जिले के लिए जा रही एक प्राइवेट एंबुलेंस कई घंटे तक फंसी रही,जाम के लगभग आधे घंटे बाद प्रशासन के लोग जाम को हटवाने के लिए मौके पर पहुंचे उसके बाद भी कई घंटे मशक्कत करनी पड़ी, प्रशासन के जवान जाम हटवाने के लिए मशक्कत करते देखे गए।फिलहाल कस्बे के लोग जाम से जूझते और प्रशासन को कोसते नजर आ रहे थे। कस्बा निवासी डॉक्टर महबूब आलम ने बताया कि कस्बे के पचपेड़वा तिराहा पर अक्सर इस तरह का जाम लगता है।

महिलाओं के सम्मान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : विजय लक्ष्मी

- महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष के रुख को लेकर जिले की प्रभारी मंत्री ने किया तीखा हमला

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। प्रदेश सरकार की ग्राम्य विकास राज्य मंत्री व जिले की प्रभारी मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने शुक्रवार को महिला आरक्षण बिल को लेकर कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह बिल देश की आधी आबादी को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है, लेकिन विपक्ष

सरैया बाईपास से जनाक्रोश महिला पदयात्रा निकालती प्रभारी मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम।

ने इसका मजाक उड़ाकर महिलाओं के अधिकारों का अपमान किया है। महिलाओं के सम्मान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा।

प्रेस वार्ता के दौरान मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लेते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने और उनके सहयोगी दलों ने संसद में इस महत्वपूर्ण विधेयक का विरोध कर महिलाओं के हक को छीनने का काम किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का यह रवैया न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि यह महिलाओं की आकांक्षाओं के भी खिलाफ है। मंत्री ने कहा कि देशभर की महिलाएं इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही हैं और उनके भीतर गहरा आक्रोश है। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनावों में महिलाएं अपने मताधिकार के जरिए इसका जवाब देंगी और उन राजनीतिक दलों को सबक सिखाएंगी, जिन्होंने उनके अधिकारों की अनदेखी की है।

पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को लेकर भी प्रभारी मंत्री ने कहा कि वहां की जनता ने भारी मतदान कर यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि वह वर्तमान सरकार की कार्यशैली से संतुष्ट नहीं है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में भाजपा के पक्ष में माहौल बन चुका है और आगामी समय में वहां सरकार का गठन भाजपा के नेतृत्व में होगा। इससे पूर्व प्रभारी मंत्री ने पार्टी कार्यालय पहुंचकर संगठन पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में खलीलाबाद विधायक अंकुर राज तिवारी, मेंहदावल विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी तथा जिलाध्यक्ष नीतू सिंह सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्राम चौपाल में लोगों को किया जागरूक

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विकास खण्ड शोहरतगढ़ के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बभनी एवं लुचुईया में गांव की समस्या, गांव में समाधान के उद्देश्य से ग्राम चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। बभनी में चौपाल की अध्यक्षता सचिव अजय भारतीया ने की, जबकि लुचुईया में कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष डॉ0 पवन मिश्रा ने की। कार्यक्रम का संचालन सचिव रामस्वरूप गुप्ता द्वारा किया गया। चौपाल के दौरान ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं को सुना गया और उनके समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। साथ ही ग्रामीणों को केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई।

बैठक | मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों के साथ बैठक में की चर्चा, कहा

जलवायु परिवर्तन से निपटने को हो सामूहिक प्रयास

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जलवायु परिवर्तन आज के समय में भविष्य के लिए एक गंभीर चुनौती बनकर उभर रहा है, जिससे निपटने के लिए सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। जनपद में पराली जलाने की बढ़ती घटनाएं पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं, जिससे ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि, वायु गुणवत्ता में गिरावट तथा मृदा की उर्वरता प्रभावित हो रही है। यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियों के सामने गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है।

उक्त विचार मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने शुक्रवार

बैठक करते मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह। अमृत विचार

को गौतम बुद्ध जागृति समिति एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित जिला स्तरीय कार्यशाला में व्यक्त किए। जिसका उद्देश्य आपदाओं से निपटने के लिए समुदाय की अनुकूलनशीलता और लचीलापन को सुदृढ़ करना था।

सीडीओ ने कहा कि जलवायु परिवर्तन अब एक वैश्विक चुनौती बन चुका है, जिसका प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों सहित आम जनजीवन पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने जागरूकता, समय पर तैयारी और सामुदायिक सहभागिता को आपदा से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय बताया। कहा, हम सभी को प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित और जिम्मेदार उपयोग करना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और समृद्ध पर्यावरण मिल सके।" उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा वृक्षारोपण, वर्षा जल संचयन, पराली प्रबंधन, सौर ऊर्जा तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिनकी सफलता के लिए व्यापक जनसहभागिता आवश्यक है। संस्था के सचिव श्रीधर पांडेय ने आपदा पूर्व तैयारी पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा एक सुदृढ़ आपदा रेडीनेस योजना विकसित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत स्वयंसेवकों एवं समुदाय को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

गोंडा के दुकानदार से टप्पेबाजी में चार दबोचे

संतकबीरनगर, अमृत विचार। खलीलाबाद पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए गोंडा के दुकानदार से हुई दो लाख रुपए की टप्पेबाजी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों से 56 हजार रुपये नकद, कार और बिना नंबर प्लेट की बाइक बरामद किया है। एएसपी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि गोंडा जनपद के वजीरगंज थाना क्षेत्र के वालेश्वरगंज के रहने वाले देवेंद्र कुमार भारती के साथ 21 अप्रैल को खलीलाबाद में 02 लाख रुपये की टप्पेबाजी हुई थी। पुलिस ने मामले में ओमकार चौधरी उर्फ बब्बू चौधरी, निवासी कमोखर थाना मुंडेरवा जनपद बस्ती, पिंटू निवासी पारा हरिगोविंद थाना धनघटा, रामबहादुर शर्मा, निवासी दुधरा कोतवाली खलीलाबाद, रामनयन यादव निवासी गौरापार कोतवाली खलीलाबाद को गिरफ्तार किया है।

बोलेरो-स्कूटी की टक्कर में युवक घायल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र ढेबरूआ के तुलसियापुर चौराहे पर बुधवार शाम बोलेरो और स्कूटी की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में स्कूटी सवार युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को एम्बुलेंस के जरिए सीएचसी शोहरतगढ़ पहुंचाया गया। एनएच पर एसबीआई बैंक तुलसियापुर के सामने पश्चिम दिशा से आ रही महिंद्रा बोलेरो और पूरब दिशा से आ रही स्कूटी में आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि बोलेरो के अगले हिस्से में भी नुकसान हुआ। वहीं घायल युवक की पहचान 34 वर्षीय राजेन्द्र पुत्र राम चन्दर, निवासी वार्ड नम्बर-06 आर्य नगर, नगर पंचायत शोहरतगढ़ के रूप में हुई है। बताया जाता है कि राजेन्द्र कस्बे में शान्ति मार्केट के सामने मूंगफली का ठेला लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। हादसे में उसके सिर और पेट में गम्भीर चोटें आयी हैं। सीएचसी में तैनात चिकित्सक डॉ0 अभय भारती ने प्राथमिक उपचार के बाद युवक की हालत नाजुक देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों के मुताबिक, वहां भी स्थिति में सुधार न होने पर बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर भेजने की तैयारी की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी है।

डीएल व हेलमेट चेक करने के दिये निर्देश

सिद्धार्थनगर। जनपद के क्षेत्र के कई पेट्रोल पम्प संचालकों द्वारा नो हेलमेट, नो पेट्रोल के आदेश का पालन नहीं किया जा रहा है। शासन ने सड़क हादसों को कम करने के लिए बिना हेलमेट पेट्रोल देने पर रोक लगाई है, लेकिन नियमों की धज्जियां उड़ रहीं हैं। बढ़नी क्षेत्र में पेट्रोल पम्पों पर नो हेलमेट, नो पेट्रोल अभियान की धज्जियां उड़ाई जा रही है। बिना रोक टोक के पम्प कर्मियों द्वारा दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल दिया जा रहा है। गुरुवार को एसडीएम विवेकानन्द मिश्र, सीओ मयंक कुमार द्विवेदी, थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद व चौकी प्रभारी वीरेन्द्र कुमार यादव द्वारा नगर पंचायत बढ़नी स्थिति विजया आटोमोबाइल्स का निरीक्षण के दौरान कई ऐसे बाइक चालक नजर आये, जिनके वाहन में आगे की तरफ कोई नम्बर प्लेट नही था और बिना हेलमेट के पेट्रोल भरवाते हुए नजर आये।

ब्रीफ न्यूज

जनगणना : टोल-फ्री हेल्पलाइन 1855 शुरू

नई दिल्ली। भारत के महापंजीयक (आरजीआई) ने देश की जनगणना 2027 के पहले चरण : आवास सूचीकरण और आवास गणना (एचएलओ) से संबंधित प्रश्नों या मार्गदर्शन के लिए एक राष्ट्रीय टोल-फ्री हेल्पलाइन, 1855 की शुरुआत की है। जनगणना आयुक्त ने जनता के लिए एक व्हाट्सएप चैटबॉट की भी शुरुआत की। आरजीआई ने हाल में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे गए एक पत्र में कहा कि 'हेल्पलाइन' की बहुभाषी सुविधा जनगणना कर्मियों, पर्यवेक्षकों और आम जनता की जरूरतों और प्रश्नों का समाधान करेगी। इसमें कहा गया है कि इस टोल-फ्री नंबर के लिए सभी लैंडलाइन और मोबाइल ऑपरेटर के साथ संपर्क सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

अशोक लाहिड़ी होंगे नीति आयोग के उपाध्यक्ष

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल से दो प्रतिष्ठित नाम, अर्थशास्त्री अशोक लाहिड़ी और वैज्ञानिक गोवर्धन दास क्रमशः नीति आयोग के उपाध्यक्ष और सदस्य बनेंगे। सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। लाहिड़ी सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार और 15वें वित्त आयोग के सदस्य हैं। दास भोपाल स्थित भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के निदेशक हैं। इस पद को ग्रहण करने से पहले, वह नयी दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 'स्पेशल सेंटर फॉर मॉलिकुलर मेडिसिन' में प्रोफेसर और अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे।

ओडिशा के मुख्य सचिव को एनएचआरसी नोटिस

भुवनेश्वर। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने ओडिशा के मुख्य सचिव और गजपति जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) को नोटिस जारी कर स्कूल का एक द्वार गिरने से दो छात्राओं की मौत के मामले में दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एनएचआरसी ने 15 अप्रैल को गजपति जिले के रुबुदिसिंह गांव स्थित एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में दो छात्राओं की मौत से संबंधित मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग के बयान में कहा गया है कि यदि समाचार की सामग्री सही है, तो यह "मानवाधिकारों के उल्लंघन के गंभीर मुद्दे" उठाती है।

हत्या के मामले में 20 दोषियों को उम्रकैद

नगांव। असम में नगांव की एक अदालत ने कार्बी आंगलोंग में दो लोगों की भीड़ द्वारा पीटकर हत्या किये जाने के मामले में दोषी पाए गए सभी 20 आरोपियों को शुक्रवार को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह घटना आठ साल पहले हुई थी। जिला सत्र न्यायाधीश डी. जे. महंता ने प्रत्येक दोषी पर बीस-बीस हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। भीड़ ने वर्ष 2018 में बच्चा चुराने के संदेह में दो लोगों की पीटकर हत्या कर दी थी। अदालत ने सोमवार को इस मामले में कुल 45 आरोपियों में से 20 को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराया था।

स्थापना के 14 साल बाद आप को लगा सबसे बड़ा झटका

- सात राज्यसभा सांसदों के इस्तीफे से पार्टी के लिए पैदा हुआ गंभीर संकट

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय पहुंचे आप सांसदों का मुंह मीठा कराते भाजपाध्यक्ष नितिन नबीन।

भारत में राजनीति की नीति और नीयत में क्रांतिकारी बदलावों के दावे के साथ करीब 14 साल पहले भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से उपजी आम आदमी पार्टी (आप) के लिए गंभीर संकट पैदा हो गया है क्योंकि शुक्रवार को उसके सात राज्यसभा सदस्यों ने उसकी चिर प्रतिद्वंदी पार्टी भाजपा का दामन थाम लिया।

राष्ट्रीय राजधानी में नवंबर 2012 की सर्दियों में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोगों के गुस्से से जन्मी यह पार्टी तेजी से एक ऐसी राजनीतिक ताकत में तब्दील हो गई जिसने दिल्ली में लगातार तीन बार सरकार बनाई, पहली बार 2013 में, फिर 2015 और 2020 में। बाद में, पंजाब की सत्ता पर भी काबिज हुई। पार्टी के शुरुआती वर्षों में इसका साथ देने वाले लोगों में कार्यकर्ता, पेशेवर और राजनीति में आए नए लोग शामिल थे। उन्होंने इसे बिल्कुल शुरुआत से खड़ा करने में मदद की। हालांकि, समय के साथ, नेतृत्व शैली और पार्टी की दिशा को लेकर मतभेदों का हवाला देते हुए, इनमें से कई शुरुआती साथी अलग हो गए। शुक्रवार को आप को एक और बड़ा झटका लगा, जब इसके ज्यादातर राज्यसभा सदस्यों ने पार्टी छोड़ने और भाजपा में शामिल होने की घोषणा की। आप के करीब दो-तिहाई राज्यसभा सदस्यों के इस दल-बदल ने पार्टी की आंतरिक एकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कभी सामूहिक नेतृत्व और विकेंद्रीकृत स्वरूप पर गर्व करने वाली पार्टी के लिए यह एक चुनौती बन गई है। दल-बदल करने वाले समूह का नेतृत्व राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल जैसे हाई-प्रोफाइल चेहरों ने किया। हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, राजेंद्र गुप्ता और विक्रम साहनी पार्टी छोड़ने वाले अन्य चार सांसद हैं। आम आदमी पार्टी के लिए यह समय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। पार्टी 2027 में गुजरात, गोवा और पंजाब में चुनावी मुकाबले के लिए कमर कस रही है। आप नेताओं ने आत्मविश्वास जताते हुए कहा कि पार्टी का जमीनी स्तर से जुड़ाव और शासन का सिद्धांत, नेताओं के साथ छोड़ जाने के बावजूद बरकरार है। वर्ष 2025 में भाजपा के हाथों दिल्ली में सत्ता गंवाने के बाद, आम आदमी पार्टी के पास वर्तमान में दिल्ली विधानसभा में 22 सदस्य हैं।

पंजाब में, जहां, वह वर्तमान में सत्ता में है, आप के 92 विधायक हैं। वर्ष 2022 में, आम आदमी पार्टी ने पांच विधायकों के साथ गुजरात विधानसभा में अपना खाता खोला था। जम्मू कश्मीर में आप का पहला विधायक 2024 में चुना गया।

आप छोड़ने वाले सांसद गद्दार : भगवंत मान

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) छोड़ केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल होने वाले सांसदों को गद्दार करार दिया। मान ने यहां आरोप लगाया कि केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा, आम आदमी पार्टी को तोड़ने की कोशिश कर रही है और उसने पंजाब की जनता के साथ विश्वासघात किया है। मान ने दावा किया कि बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून बनने के बाद से, भाजपा की बेचैनी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब में बार-बार अस्वीकृति का सामना कर चुकी भाजपा ने राज्य और (आप) दोनों के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया अपनाया है तथा धमकी, प्रलोभन और दल-बदल के प्रयासों के माध्यम से सरकार को कमजोर करने की कोशिश की है।

राजग रास में दो-तिहाई बहुमत से 18 सीट दूर

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के सात सांसदों के पाला बदलकर भाजपा में शामिल होने के साथ ही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्यसभा में मजबूत स्थिति में पहुंच चुकी है। हालांकि उच्च सदन में सत्तारूढ़ गठबंधन दो-तिहाई बहुमत से अब भी 18 सदस्य दूर है, जबकि भाजपा सदन में साधारण बहुमत से महज 10 सांसद पीछे है। राज्यसभा में राजग के पास अब 145 सांसदों का समर्थन है। कुल 244 सदस्यों वाले सदन में दो-तिहाई बहुमत का आंकड़ा 163 होता है। यदि राजग राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लेता है, तो उसके लिए संविधान संशोधन से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराना आसान हो जाएगा। लोकसभा में भी राजग के पास दो-तिहाई बहुमत नहीं है।

सीईटी परीक्षार्थियों से जनेऊ उतरवाने पर गहराया विवाद

भाजपा ने हिंदू विरोधी करार देते हुए कांग्रेस पर बोला हमला

बेंगलुरु, एजेंसी

शहर के कृपानिधि कॉलेज में आयोजित सीईटी परीक्षा के दौरान पांच ब्राह्मण छात्रों को अपना जनेऊ उतारने के लिए मजबूर किए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। इस घटना के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और इसे हिंदू विरोधी करार दिया। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए छात्रों का चयन करने के वास्ते साझा प्रवेश परीक्षा (सीईटी) आयोजित की जाती है।

छात्रों ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि मडिवाला स्थित कॉलेज के परीक्षा कक्ष में मौजूद निरीक्षकों ने उनसे कहा कि यदि वे परीक्षा देना चाहते हैं, तो जनेऊ उतारें। पिछले साल इसी तरह का विवाद होने पर सरकार ने स्पष्ट कर दिया था कि सीईटी परीक्षा के दौरान जनेऊ उतारने को नहीं कहा जाएगा। हालांकि, उसके बावजूद इस साल भी छात्रों को इसी तरह के भेदभाव का सामना करना पड़ा। एक छात्र ने कहा कि जब मैं परीक्षा केंद्र गया, तो शिक्षकों ने मेरी बाली उतरवा दी। मैं यह समझ सकता हूं, क्योंकि वहां धातु की कोई वस्तु पहनने की अनुमति नहीं है, लेकिन उन्होंने मुझे शरीर से जनेऊ भी उतारने के लिए मजबूर किया। कोई और विकल्प न होने के कारण, छात्र ने निरीक्षकों के आदेश का पालन किया। सूत्रों के अनुसार, परीक्षा समाप्त होने के बाद छात्रों के माता-पिता परीक्षा स्थल पर पहुंचे और उन्होंने इस बात पर सवाल उठाया कि जब जनेऊ न हटाने के संबंध में स्पष्ट निर्देश थे, तो फिर इसके पीछे क्या उद्देश्य था। कुछ अन्य छात्रों ने आरोप लगाया कि कलाई पर बंधा लाल और पीला कलावा भी पर्यवेक्षकों ने हटवा दिया था। जब शिवमोग्गा, बीदर और कुछ अन्य स्थानों पर इसी तरह का विवाद सामने आया, तो राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री एम.सी. सुधाकर ने अभिभावकों को आश्वासन दिया कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि पिछले साल मुख्यमंत्री ने भी अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे छात्रों से जनेऊ हटाने के लिए न कहें। फिर भी, वही घटना दोहराई गई। कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री सुधाकर ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि पिछले साल भी कुछ ऐसा ही हुआ था - एक घटना बीदर में हुई थी और कुछ अन्य घटनाएं शिवमोग्गा में हुई थीं।

कानूनी ढांचे के भीतर सुनिश्चित करेंगे सजा : मंत्री

उच्च शिक्षा मंत्री सुधाकर ने कहा, इसके अलावा, अगले वर्ष से हमें इस मुद्दे के बारे में सभी को पहले से स्पष्ट रूप से सूचित करना होगा, जिसमें कानूनी ढांचे के भीतर किस स्तर की सजा दी जा सकती है, यह भी शामिल होगा, और यह सुनिश्चित करना होगा कि इसका व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार हो। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के हिंदू विरोधी कृत्य, जैसे 'मंगलसूत्र'' और 'जनिवार' (जनेऊ) को जबरन हटवाना, बिना किसी रोक-टोक के जारी हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पिछले साल, सीईटी और नीट परीक्षाओं के दौरान, कांग्रेस सरकार ने जनेऊ काट दिया था और केपीएससी परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवारों को मंगलसूत्र उतारने के लिए मजबूर किया था। इस साल भी, सरकार ने वही पुरानी प्रथा जारी रखी है। अशोक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, कांग्रेस सरकार के हिंदू विरोधी कुकृत्य, जैसे लोगों को मंगलसूत्र और जनिवार हटाने के लिए मजबूर करना, जारी हैं।

कांग्रेस शासन में हिंदू मान्यताओं पर हो रहे हमले

भाजपा नेता आर अशोक ने आगे कहा कि कांग्रेस शासन के तहत, एक तरफ हिंदुओं को कोई सुरक्षा नहीं मिल रही है, और दूसरी तरफ वह हिंदू मान्यताओं और रीति-रिवाजों पर इस तरह हमला करके घटिया राजनीति में लिप्त है। उन्होंने कहा कि सीईटी परीक्षा के प्रवेश पत्र या किसी अन्य दिशानिर्देश में कहीं भी यह उल्लेख नहीं किया गया था कि जनिवार नहीं पहना जाना चाहिए, और उन्होंने जानना चाहा कि सरकार इसे हटाने के लिए क्यों मजबूर कर रही है और इस अन्याय और ज्यादती के लिए कौन जिम्मेदार है। अशोक ने आरोप लगाया, "राज्य में कांग्रेस, जिसे आधुनिक मुस्लिम लीग सरकार भी कहा जाता है, ने अनौपचारिक रूप से शरिया कानून लागू कर दिया है। एक तरफ सरकार ने रमजान के महीने में उर्दू माध्यम के स्कूलों का समय बदल दिया है, वहीं दूसरी तरफ परीक्षा जांच के नाम पर मंगलसूत्र उतारने और जनिवार काटने की अनुमति दे रही है।" उन्होंने कांग्रेस को 'हिंदू विरोधी' बताया।

आंध्र प्रदेश शराब घोटाले में फिर ईडी की छापेमारी

हैदराबाद/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आंध्र प्रदेश की पिछली पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान हुए कथित शराब घोटाले की मौजूदा जांच के सिलसिले में शुक्रवार को फिर तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हैदराबाद में 11 और तिरुपति में एक परिसर पर छापेमारी की गई। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि जिन लोगों के परिसरों की तलाशी ली गई, उनमें वाईएसआरसीपी के पूर्व विधायक चेविरेड्डी भास्कर रेड्डी, उनके बेटे चेविरेड्डी मोहित रेड्डी (तिरुपति में), वाईएसआरसीपी सरकार के पूर्व सलाहकार और कथित घोटाले के सरगना कासिरेड्डी राजा शेखर रेड्डी और ''आंध्र प्रदेश स्टेट बेवरेजेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड'' (एपीएसबीसीएल) के पूर्व प्रमुख वासुदेव रेड्डी के परिसर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि वाईएसआरसीपी के पूर्व राज्यसभा सदस्य विजयसाई रेड्डी, पूर्व नौकरशाह धनंजय रेड्डी, पूर्व सरकारी अधिकारी कृष्ण मोहन रेड्डी और एक निजी कंपनी के कार्यकारी बालाजी गोविंदाप्पा के परिसरों की भी तलाशी ली गयी।

हत्यारोपी अपने आक्रामक व्यवहार के लिए था कुख्यात

- आईआरएस अधिकारी की बेटी की हत्या मामले में पुलिस की पूछताछ में खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस कैलाश हिल्स इलाके में आईआरएस अधिकारी की बेटी की हत्या की जांच के तहत आरोपी राहुल मीणा को शुक्रवार को पालम रेलवे स्टेशन ले कर गई। वहीं अबतक की पूछताछ में खुलासा हुआ है कि आरोपी अपने पैतृक गांव में अपने आक्रामक व्यवहार के लिए कुख्यात था। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि अपराध और फोरेंसिक टीमें घटना की कड़ियां जोड़ने के लिए घटनाक्रम के दोबारा निर्माण कर जांच कर रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी को शुक्रवार को पालम रेलवे स्टेशन ले जाया गया, जहां वह अपराध करने के बाद सबसे पहले गया था। उसे द्वारका के एक होटल में भी ले जाया जाएगा, जहां गिरफ्तारी से पहले वह कुछ घंटों तक रुका था। पुलिस ने बताया कि आरोपी राजस्थान में अपने पैतृक स्थान पर अपनी आक्रामकता के लिए जाना जाता था। एक पुलिस सूत्र ने बताया, जांच के दौरान हमें पता चला कि मीणा और उसके पिता अपने गांव में आक्रामक व्यवहार के लिए जाने जाते थे। हमारी टीम वहां मौजूद है। उन्हें पता चला है कि उसके पिता शराब पीने के आदी हैं और राहुल ऑनलाइन गेम का आदी है। गांव में दोनों का व्यवहार आक्रामक है। इस बीच, सूत्रों ने बताया कि पुलिस आरोपी की मानसिक स्थिति और व्यवहार के तरीकों का मूल्यांकन करने और अपराध के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए उसका मनोविश्लेषण कराएगी। मीणा की मानसिक स्थिति के बारे में सूत्रों ने कहा कि उसने साइकोपैथिक प्रवृत्तियां भी प्रदर्शित की हैं और उसका हिंसक आचरण का इतिहास रहा है, जिससे उसके व्यवहार को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हुई हैं।

गर्भवती महिलाओं में तेजी से बढ़ रहा थैलेसीमिया रोग

विकास कुमार, कानपुर

अमृत विचार : चिकित्सकीय अध्ययन के मुताबिक देश में करीब डेढ़ लाख थैलेसीमिया मरीज हैं, और हर साल लगभग 12 हजार से ज्यादा नए मामले दर्ज किए जाते हैं। लेकिन चौंकाने वाला तथ्य यह है कि गर्भवती महिलाओं में इस रोग की दर तेजी से बढ़ रही है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में हुई सतत जांच में चार फीसदी गर्भवती थैलेसीमिया से पीड़ित पाई गई हैं।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के स्त्री एवं प्रसूति विभाग की ओपीडी में थैलीसीमिया की जांच के लिए लैब स्थापित की गई है। लैब में बीते डेढ़ साल के भीतर 5285 गर्भवतियों में थैलीसीमिया की जांच की गई, जिसमें 206 गर्भवती महिलाएं थैलीसीमिया पॉजिटिव मिलीं। हालांकि राहत की बात यह रही कि इन महिलाओं के पति थैलेसीमिया पीड़ित नहीं पाए गए। इसलिए जन्म लेने वाले बच्चों के संक्रमित होने की संभावना लगभग न के बराबर है। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. नीना गुप्ता के अनुसार थैलेसीमिया दो प्रकार का होता है। यदि पैदा होने वाले बच्चे के माता-पिता दोनों के जींस में माइनर थैलेसीमिया होता है, तो बच्चे में मेजर थैलेसीमिया हो सकता है, यह काफी घातक होता है। लेकिन माता-पिता में से किसी एक में माइनर थैलेसीमिया होने पर बच्चे को खतरा नहीं होता है। थैलेसीमिया माइनर में व्यक्ति को एक सामान्य हीमोग्लोबिन जीन और एक थैलेसीमिया जीन विरासत में मिलता है, जबकि थैलेसीमिया मेजर अधिक गंभीर है, इसमें व्यक्ति को दो थैलेसीमिया जीन विरासत में मिलते हैं, एक माता और एक पिता से। थैलेसीमिया मेजर वाली महिलाओं में गंभीर एनीमिया, हृदय संबंधी जटिलताएं, समय से पूर्व प्रसव और मृत्यु दर का खतरा बढ़ जाता है।

"थैलेसीमिया एक आनुवंशिक रक्त विकार है जो माता-पिता से बच्चों में स्थानांतरित होता है। यह शरीर की हीमोग्लोबिन बनाने की क्षमता प्रभावित करता है। हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाता है। एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में लाल रक्त कणों की संख्या 45 से 50 लाख प्रति घन मिलीमीटर होती है। बीमारी में ये कण तेजी से नष्ट होने लगते हैं और नई कोशिकाएं नहीं बन पाती हैं। शरीर में खून की कमी होने से पीड़ित कई बीमारियों का शिकार हो जाता है। -**डॉ. नीना गुप्ता**, वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ।

शादी से पहले कुंडली मिलवाने के साथ रक्त की जांच भी कराएं

चिकित्सकों के मुताबिक जागरूकता की कमी, रक्त संबंधी विवाह और यह धारणा कि ज्योतिष विज्ञान, आधुनिक विज्ञान से अधिक महत्वपूर्ण है, एक थैलेसीमिया माइनर की दूसरे थैलेसीमिया माइनर से शादी होने के मामलों को बढ़ा रही है, जबकि ऐसे विवाहों में थैलेसीमिया मेजर बच्चा होने की संभावना 25 फीसदी हो जाती है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

शाह का दावा, भाजपा पहले चरण की 110 सीटें जीतेगी

कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक को बताया दावे का आधार

कोलकाता, एजेंसी

भाजपा ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 152 सीटों में से 110 सीटें जीतने का दावा करते हुए कहा है कि दूसरे चरण में भी जोरदार जीत हासिल कर वह राज्य में प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में सभी विधानसभा क्षेत्रों के पार्टी कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक को इस दावे का आधार बताया।

उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में भी जोरदार जीत के साथ भाजपा पांच मई को राज्य में सरकार बनाने जा रही है। भाजपा नेता ने कहा कि राज्य के लोगों ने भाजपा के पक्ष में मतदान कर विकास की राह को चुना है। उन्होंने कहा कि राज्य में मतदान के सभी पुराने रिकार्ड टूट गये हैं और यह मतदान राज्य में सत्ता में परिवर्तन के लिए भाजपा के पक्ष में हुआ है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इन आरोपों पर कि भाजपा की सरकार बनने के बाद राज्य में बाहर का व्यक्ति मुख्यमंत्री बनेगा इस पर शाह ने कहा, मुख्यमंत्री बंगाल में ही जन्म लेने वाला, बांग्ला माध्यम से पढ़ने वाला और बांग्ला बोलने वाला होगा लेकिन इतना जरूर है कि वह आपका भतीजा नहीं होगा बल्कि वह भाजपा का कार्यकर्ता होगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते गृहमंत्री अमित शाह।

साजिश का मतदान से दिया है जनता ने जवाब : ममता

दिल्ली से बंगाल चलाने के सपने कामयाब नहीं होंगे

कोलकाता, एजेंसी

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में अपने विभाजनकारी एजेंडे को थोपने की कोशिश कर रही ताकतों को शुक्रवार को आगाह करते हुए कहा कि यह विधानसभा चुनाव राज्य को कमजोर करने और उस पर नियंत्रण करने के व्यवस्थित प्रयास का प्रतिरोध करने के लिए है।

ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा कि बंगाल को कमजोर करने के हर प्रयास का निर्णायक जवाब दिया जाएगा। दिल्ली में बैठे लोग बंगाल के अधिकारों को छीनने और अपना एजेंडा थोपने की साजिश रच रहे हैं, लेकिन उन्हें समझ लेना चाहिए कि बंगाल की जनता सब देख रही है और वोट के जरिए जवाब देगी। यह चुनाव बंगाल को कमजोर करने के प्रयास का विरोध करने का है। मुख्यमंत्री का इशारा राज्य में मोदी, शाह प्रचार अभियान की ओर था।

ममता ने कहा, चौरंगी, भवानीपुर, यादवपुर और टॉलीगंज में मैंने लोगों को कड़े इरादे, दृढ़ संकल्प, एकता के साथ बंगाल, उसकी पहचान और भविष्य की रक्षा के लिए उमड़ते देखा। जो लोग यह मानते हैं कि वे दिल्ली से बंगाल चला सकते हैं, उसके लोगों को बांट सकते हैं और संस्कृति को विकृत कर सकते हैं, वे बहुत बड़ी भूल कर रहे हैं। इस भूमि की स्मृति लंबी है और इसकी रीढ़ की हड्डी बहुत मजबूत है।

खिदिरपुर में ममता बनर्जी ने किया रोड शो।

भाजपा के विभाग की तरह बर्ताव कर रहा चुनाव आयोगः वेणुगोपाल

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को निर्वाचन आयोग को भाजपा का एक विभाग करार देते हुए आरोप लगाया कि उसने कांग्रेस प्रमुख खरगे को तुरंत नोटिस जारी कर दिया, जबकि मोदी के संबोधन पर कोई कार्रवाई नहीं की। वेणुगोपाल ने दावा किया कि संसद में परिसीमन संबंधी विधेयक पारित न होने के बाद प्रधानमंत्री का हालिया सार्वजनिक संबोधन चुनाव नियमों और आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन था।

भाजपा कार्यकर्ता को तृणमूल ने धमकाया

कोलकाता। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि दक्षिण कोलकाता में पार्टी की एक कार्यकर्ता को उसके आवास पर तृणमूल कांग्रेस समर्थकों द्वारा धमकाया गया। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग से इस मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की।

चुनाव में निर्वाचन अधिकारी मगर मतदाता सूची से बाहर

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल चुनाव में निर्वाचन अधिकारी के रूप में कार्यरत कई लोगों के नाम भी एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से काट दिए गए हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने भी इन लोगों की याचिकाओं पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया और उन्हें अपीलीय न्यायाधिकरणों के समक्ष अपील करने का निर्देश दिया।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एमआर शमशाद ने सीजेआई सूर्यकांत एवं न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ को बताया कि कई अधिकारियों के नाम बिना किसी कारण मनमाने ढंग से मतदाता सूची से काट दिए गए हैं। न्यायमूर्ति बागची ने स्वीकार किया कि जिन लोगों की अपील अभी लंबित है, वे शायद पश्चिम बंगाल के मौजूदा विधानसभा चुनावों में मतदान नहीं कर पाएंगे, लेकिन वे अपनी अपील जारी रख सकते हैं ताकि भविष्य के लिए मतदाता सूची में उनका नाम बहाल किया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कीं वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए दायर याचिकाएं

सीजेआई ने पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड वोटिंग पर खुशी जताई

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में एसआईआर मामले में सुनवाई करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने बृहस्पतिवार को राज्य में पहले चरण में भारी मतदान पर खुशी जताई। कहा, भारत के एक नागरिक के रूप में मैं मतदान प्रतिशत देखकर बहुत खुश हूं। जब लोग मतदान के अधिकार का प्रयोग करते हैं, तो इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपीलीय न्यायाधिकरणों से कहा कि एसआईआर के बाद जिन लोगों का नाम जोड़ने के लिए तत्काल सुनवाई की जरूरत है, उनकी याचिका पर प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई की जाए।

बंगाल में मतदान केंद्रों पर लगे कैमरों के डेटा की सुरक्षा के लिए कड़े निर्देश

- निर्वाचन अधिकारी के सामने कैमरों से निकाले जाएंगे एसडी कार्ड
- कैमरा उतारे जाने तक पोलिंग टीम नहीं छोड़ सकेगी मतदान केंद्र

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के बाद नए दिशा निर्देश जारी किए हैं, जिसमें मतदान समाप्त होने के बाद निगरानी कैमरों और वीडियो डेटा का सुरक्षा और प्रबंधन के लिए सख्त प्रोटोकॉल तय किए गए हैं। इसके अलावा पोलिंग टीमों को तब तक मतदान केंद्रों को न छोड़ने का निर्देश दिया है, जब तक वहां से तय प्रोटोकॉल के मुताबिक सारे कैमरे न उतार लिए जाएं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार को जारी नए दिशानिर्देशों के अनुसार, मतदान केंद्रों पर लगे कैमरों में उपयोग किए गए एसडी कार्ड मतदान समाप्त होते ही तुरंत नहीं निकाले जा सकेंगे। संबंधित अधिकारियों को केवल कैमरे उतारने की अनुमति होगी, जिसके बाद कैमरे सेक्टर अधिकारी की निगरानी में रहेंगे। उन्होंने कहा, एसडी कार्ड केवल निर्धारित डेटा संग्रहण और रिसीविंग सेंटर पर सहायक निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में ही निकाले जा सकेंगे। चुनाव अधिकारी ने कहा कि मतदान के दौरान रिकॉर्ड की गई सभी वीडियो फुटेज को सुरक्षित तरीके से संरक्षित किया जाना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा, जब तक कैमरा उपकरण पूरी तरह नहीं उतार लिया जाता, तब तक मतदान दल का कोई सदस्य या बीएलओ मतदान केंद्र नहीं छोड़ सकता।

मनुष्य का कर्तव्य है, प्रयास करना और मेहनत करना। सफलता संयोग और परिस्थितियों पर निर्भर करती है।
-शहीद आजम भगत सिंह

अशोभनीय टिप्पणी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत 'नरक का द्वार' है, जैसी टिप्पणी कूटनीतिक मर्यादाओं के विपरीत है, इस तरह की भाषा उस परिपक्व वैश्विक नेतृत्व की अपेक्षाओं पर प्रश्न चिह्न लगाती है, जिसकी जिम्मेदारी किसी भी महाशक्ति के नेता पर होती है। ट्रंप ने बात पलटते हुए भारत को महान बताया, यह बात अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कही और यह नहीं बताया कि ट्रंप ने कब और कहां कहा, इसकी प्रमाणिकता संदिग्ध है।

विदेश मंत्रालय द्वारा ट्रंप के बयान को 'अज्ञानतापूर्ण, अनुचित और खराब सोच वाला' बताया जाना एक संतुलित और संस्थागत प्रतिक्रिया है, किंतु देश के बारे में ऐसी ओछी टिप्पणी के विरोध में उच्च राजनीतिक स्तर से प्रत्यक्ष टिप्पणी का अभाव भी अपने आप में अलग संकेत देता है। भारत की यह चुप्पी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी परिपक्व कूटनीति का हिस्सा मानी जानी चाहिए। भारत और अमेरिका के संबंध दशकों से साझा हितों, रणनीतिक सहयोग और वैश्विक संतुलन पर आधारित रहे हैं। ऐसे में किसी एक व्यक्ति के विवादास्पद बयान को द्विपक्षीय रिश्तों के व्यापक ढांचे पर हावी होने देना व्यावहारिक नहीं होगा, इसीलिए भारत अक्सर 'व्यक्ति नहीं, नीति' के स्तर पर प्रतिक्रिया देता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि ट्रंप का यह पहला विवादास्पद बयान नहीं है। उन्होंने पहले भी भारत के व्यापार, कश्मीर और आंतरिक राजनीति पर असामान्य टिप्पणियां की हैं, जिनमें कई बार बाद में यू-टर्न भी लिया गया। यह उनकी राजनीतिक शैली का हिस्सा है, जहां तीखे बयान देकर घरेलू राजनीति में चर्चा बटोरी जाती है और फिर परिस्थितियों के अनुसार नरमी दिखाई जाती है। ट्रंप ने भारत जैसी ही टिप्पणी चीन के बारे में भी की, वहां की प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत अधिक तीखी और प्रत्यक्ष रही। यह दोनों देशों की कूटनीतिक शैली का अंतर दर्शाता है, जहां चीन सार्वजनिक आक्रामकता दिखाता है, वहीं भारत संयमित और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाता है। ट्रंप के बयान अक्सर अगंभीर और विरोधाभासी होते हैं। एक ओर वे भारत के प्रधानमंत्री को 'अच्छा मित्र' बताते हैं, तो दूसरी ओर उनका राजनीतिक करियर 'तबाह करने' जैसी बातें करते हैं। यह असंगति उनके व्यक्तित्व और राजनीतिक रणनीति दोनों को उजागर करती है। कई अमेरिकी विश्लेषक इसे 'पॉपुलिस्ट पॉलिटिक्स' का हिस्सा मानते हैं, जहां उत्तेजक बयान देकर जनभावनाओं को भुनाया जाता है, खासकर तब जब घरेलू मोर्चे पर चुनौतियां बढ़ रही हों।

भारत को चाहिए कि वह ऐसी परिस्थितियों में अपनी गरिमा बनाए रखते हुए अमेरिका और ट्रंप को स्पष्ट संदेश भी दे। सरकार आवश्यक होने पर अधिक मुखर और दृढ़ रुख अपनाए, ताकि भविष्य में कोई भी नेता भारत के प्रति इस तरह की टिप्पणी करने से पहले दो बार सोचे। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि द्विपक्षीय संबंध किसी व्यक्ति विशेष की बयानबाज़ी के बजाय संस्थागत मजबूती पर टिके रहें। कुल मिलाकर ट्रंप का बयान भारत-अमेरिका संबंधों की वास्तविकता को प्रतिबिंबित नहीं करता। यह एक क्षणिक राजनीतिक अभिव्यक्ति है, न कि स्थायी कूटनीतिक दृष्टिकोण।

प्रसंगवश

सुकून की तलाश में रिवायत की ओर लौटता जीवन

मानव सभ्यता ने पिछले कुछ दशकों में जितनी तीव्र गति से प्रगति की है, उतनी शायद इतिहास के किसी अन्य कालखंड में नहीं हुई। आज मनुष्य सुविधा-संपन्न जीवन जी रहा है। आज पक्के मकान हैं, बिजली, पानी, वातानुकूलन, आधुनिक फर्नीचर, यातायात के लिए ट्रेन, बस, कार, स्कूटर, मोटरसाइकिल और विमान जैसी अनेक सुविधाएं उपलब्ध हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि संचार क्रांति ने आज पूरी दुनिया को एक छोटे से गांव में बदल दिया है।

इंटरनेट, मोबाइल, स्मार्टफोन, लैपटॉप और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी तकनीकों ने जीवन को तेज, आसान और बहुत ज्यादा सुविधाजनक बना दिया है। परंतु यह भी उतना ही सत्य है कि इन सब उपलब्धियों के बीच मनुष्य के जीवन से शांति, संतोष और आत्मीयता कम होती चली गई है। सच तो यह है कि आज का मनुष्य जितना साधनों, मशीनों से समृद्ध हुआ है, उतना ही मानसिक रूप से वह व्यस्त, तनावग्रस्त और अकेला भी हुआ है। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन यह भी एक कटु सत्य है कि इन सबने मानव का चैन-सुकून छीन लिया है।

सुनील कुमार महला
लेखक

पहले के समय में मनुष्य का जीवन प्रकृति के अधिक निकट था। लोग पैदल चलते थे, खेत-खलिहानों से जुड़े रहते थे, दिन-भर अथाह परिश्रम करते थे और शारीरिक रूप से अधिक स्वस्थ रहते थे। गांवों में बच्चे कई-कई कोस पैदल चलकर स्कूल जाते थे। बाजार जाना हो, खेत जाना हो या किसी रिश्तेदार से मिलने जाना हो, पैदल चलना सामान्य बात थी। इस कारण मनुष्य का शरीर सक्रिय रहता था, बीमारियां कम होती थीं और जीवन में अनुशासन भी बना रहता था।

आशा की किरण यह है कि अब समाज धीरे-धीरे अपनी जड़ों की ओर लौटने लगा है। लोगों को समझ में आने लगा है कि केवल आधुनिक साधन जीवन का समाधान नहीं हैं, इसलिए मिलेट्स यानी मोटे अनाजों की ओर फिर से ध्यान बढ़ा है। बाजरा, ज्वार, रागी, कोदो, सांवा जैसे अनाज फिर से थालियों में लौट रहे हैं। दादी-नानी के घरेलू नुस्खों को महत्व दिया जा रहा है। आयुर्वेद, योग, प्राणायाम और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति रुचि बढ़ रही है।

सुबह-शाम टहलने, योग करने, व्यायाम करने और पार्कों में समय बिताने की प्रवृत्ति पुनः बढ़ी है। लोग जैविक खेती (आर्गेनिक खेती) की ओर आकर्षित हो रहे हैं। खेती के साथ आज पुनः पशुपालन को महत्व दिया जा रहा है। घरों में फिर से तुलसी, नीम, एलोवेरा, फूल-पौधे लगाए जा रहे हैं। पक्षियों के लिए पानी के परिंडे लगाए जा रहे हैं। मिट्टी के घड़े और पारंपरिक रसोई के साधनों का प्रयोग पुनः आरंभ हो रहा है।

भोजन में भी लोग पारंपरिक व्यंजनों की ओर लौट रहे हैं। दाल-बाटी-चूरमा, खीर, खिचड़ी, सत्तू, राबड़ी, दलिया, लस्सी, छाछ और घर के बने पकवानों का महत्व पुनः बढ़ा है। लोग समझ रहे हैं कि स्वाद और स्वास्थ्य का वास्तविक मेल घर के भोजन में ही है। वास्तव में मनुष्य को जीवन में केवल धन-पैसा नहीं चाहिए। धन आवश्यक है, पर पर्याप्त नहीं। यदि घर में शांति न हो, मन में संतोष न हो, संबंधों में प्रेम न हो और समाज में मानवीयता न हो, तो वैभव भी अधूरा है। आदमी को सुकून चाहिए, अपनापन चाहिए, चैन की नींद चाहिए, स्वस्थ शरीर चाहिए और ऐसा समाज चाहिए जहां संवेदना जीवित हो।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

बंगाल में ऐतिहासिक मतदान, तमिलनाडु भी पीछे नहीं

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने कमाल कर दिया। उन्होंने आजादी के बाद अब तक की सबसे ज्यादा वोटिंग की है। बंगाल में 92.72 फीसदी वोट पड़े हैं, तो तमिलनाडु में 85.14 प्रतिशत।

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में हुए बढ़-चढ़कर मतदान ने इतिहास रच दिया। इसे 'वोट क्रांति' कह सकते है। बंगाल में पहले चरण में 294 सीटों में से 152 सीटों पर मतदान हुआ। पहले चरण में 92.72 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 85.14 प्रतिशत मतदान ने पिछले सब रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इससे पहले तमिलनाडु में सबसे ज्यादा मतदान 2011 में 78.29 प्रतिशत था, जबकि बंगाल में 2011 में 84.72 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। आजादी के बाद हुए निर्वाचन के इतिहास में किसी भी राज्य एवं केंद्र शासित राज्य में इतना मतदान पहले कभी नहीं हुआ। इससे पहले रिकॉर्ड पुडुचेरी में नौ अप्रैल 2026 को हुए विधानसभा चुनाव का मतदान 89.87 प्रतिशत रहा है। परिणाम जो भी आएं, इस मतदान से परिपक्व संवैधानिक भारतीय लोकतंत्र की मजबूती दिखाई देती है।

दूसरे राज्यों में रह रहे मतदाता बड़ी संख्या में वापस लौटे और मतदान किया। खासकर मालदा, मुर्शिदाबाद, कूचबिहार, जलपाईगुड़ी और उत्तर दिनाजपुर पहुंचने वाले मतदाताओं की संख्या अधिक रही। मुस्लिम मतदाताओं ने भी दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, सूरत और केरल से आकर बड़ी संख्या में वोट डाले। एसआईआर की प्रक्रिया के चलते मतदाताओं में यह धारणा बनी कि मतदान नहीं करने पर मतदाता सूची से नाम कट सकता है। इस कारण नागरिकता भी गंवानी पड़ सकती है। ममता बनर्जी ने इस मुद्दे को बार-बार उछाला।

तृणमूल यहां मोदी और शाह के आक्रामक चुनाव प्रचार के आगे अस्तित्व बचाए रखने के लिए जूझ रही है। कांग्रेस और वाममोर्चा का प्रयास रहा है कि अपने-अपने पारंपरिक और छिटक चुके मतदाताओं तक पहुंच बनाकर वोट डलवा लें। गोया, इस बार सभी राजनीतिक दल पूरे समय अधिकतम मतदान के लिए सक्रिय रहे। इसी का नतीजा रहा कि रिकॉर्ड मतदान ईवीएम में कैद हो गया। यह मतदान उस गहरी राजनीतिक हलचल और विभाजित सामाजिक चेतना के संकेत हैं, जो इस बार के चुनाव को असाधारण बना रही हैं। यह रिकॉर्ड इसलिए भी बना, क्योंकि एसआईआर के चलते 91 लाख वोट हटाए गए हैं। ग्रामीण महिलाएं समूहों के रूप में मतदान के लिए आईं।

इसी तरह तमिलनाडु में भी पहली बार मतदाताओं ने बढ़े तापमान के बीच भारी मतदान किया। यहां सभी 234 सीटों पर एक ही चरण में मतदान हुआ है। तमिलनाडु के 5.73 करोड़ मतदाताओं ने 85.14 प्रतिशत मतदान करके इतिहास रच दिया है। इसके पहले सर्वाधिक 78.12 प्रतिशत मतदान 2011 में हुआ था। तब एआईए-डीएमके की मुखिया रहीं जयललिता ने डीएमके को करारी शिकस्त देकर सत्ता के गलियारे से बाहर कर दिया था। यहां एसआईआर प्रक्रिया के जरिए 74 लाख मतदाता बाहर हुए हैं। अतिम शाह बंगाल में इस बढ़े मतदान को टीएमसी का सूपड़ा साफ हो जाने का आधार बता रहे हैं, हालांकि यहां अन्नाद्रमुक और द्रमुक के बीच कड़ा मुकाबला है। बहरहाल, ऊंट किस करवट बैठता है, यह तो परिणाम के बाद ही पता चलेगा।

बड़े मत-प्रतिशत का सबसे अहम, सुखद व सकारात्मक पहलू है कि यह अनिवार्य मतदान की जरूरत की पूर्ति कर रहा है। फिलहाल हमारे देश में अनिवार्य मतदान की संवैधानिक बाध्यता नहीं है। मेरी सोच के मुताबिक ज्यादा मतदान की जो बड़ी खूबी है, वह है कि अब अल्पसंख्यक व जातीय समूहों को वोट बैंक की लाचारगी से छुटकारा मिल रहा है। इससे कालांतर में राजनीतिक दलों को भी तुष्टिकरण की मजबूरी से मुक्ति मिलेगी, क्योंकि जब मतदान प्रतिशत 75 से 85 होने लगता है, तो किसी धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र विशेष से जुड़े मतदाताओं की अहमियत कम हो जाती है। नतीजतन उनका संख्याबल जीत या हार की गारंटी नहीं रह जाता, लिहाजा सांप्रदायिक व जातीय आधार पर ध्रुवीकरण की राजनीति नगण्य हो जाती है।

कालांतर में यह स्थिति मतदाता को धन व शराब के लालच से भी मुक्त कर देगी, क्योंकि कोई प्रत्याशी छोटे मतदाता समूहों को तो लालच का चुग्गा डालकर बरगला सकता है, लेकिन संख्यात्मक दृष्टि से बड़े समूहों को लुभाना मुश्किल होता है? बावजूद इन चुनावों में जातीय और अल्पसंख्यक राजनीति सभी दलों की कार्यशैली में खुले रूप में दिखाई दी है। साफ है, जातीय कुचक्र का धरातल नीचे से नहीं, बल्कि ऊपर से बनाए रखने के उपाय किए जा रहे हैं।

बढ़ा हुआ यह मतदान विशुद्ध रूप से मतदाता की मनस्थिति से उपजा प्रतिशत है। कई मुद्दों पर वह चिंतित होकर मतदान के लिए घर से निकल गया तो मतदान-यज्ञ में अपने मत की आहुति देकर ही लौटा। ज्यादातर चुनावों में कुलीन मतदाता इसलिए मतदान नहीं करते हैं, क्योंकि एक तो वे मौसम की मार झेलने में स्वयं को समर्थ नहीं पाते, दूसरे वे अपनी बड़ी हैसियत का ख्याल रखते हुए लंबी कतारों में खड़े होकर मतदान से बचते हैं, लेकिन बंगाल और तमिलनाडु में हुए मतदान से पता चलता है कि इस बार कुलीन मतदाताओं ने भी चुनावी यज्ञ में मतदान की आहुतियां दी हैं। अन्यथा मतदान का प्रतिशत इतना ऊंचा नहीं पहुंचता।

यह स्थिति मतदाता में बढ़ती राजनीतिक चेतना का प्रतीक भी है। वैसे भी लोकतंत्र की असली ताकत नागरिकों की अधिकतम भागीदारी में निहित है। बावजूद भारतीय लोकतंत्र की विशेषता है कि अंत तक कोई भी चुनावी विश्लेषक और चुनावी सर्वे एजेंसियां परिणाम से पूर्व हार-जीत का अनुमान लगाकर परिणामों के शत-प्रतिशत सटीक अनुमान नहीं लगा सकते हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

आमने सामने

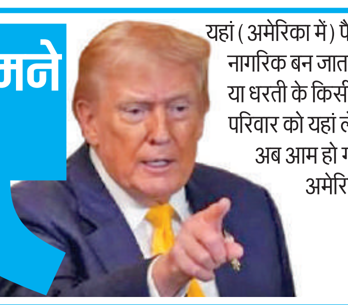

यहां (अमेरिका में) पैदा होने वाला बच्चा तुरंत नागरिक बन जाता है, फिर वो चीन, भारत या धरती के किसी दूसरे नर्क से अपने पूरे परिवार को यहां ले आते हैं। ऐसे उदाहरण अब आम हो गए हैं और इसके कारण अमेरिका में भाषा और पहचान बदल रही है।

-डोनाल्ड ट्रंप
अमेरिकी राष्ट्रपति

ट्रंप की टिप्पणियां अज्ञानतापूर्ण, अनुचित और भद्दी हैं। ये बयान भारत और अमेरिका के मजबूत रिश्तों का सही चित्रण नहीं करते। ट्रंप का बयान न केवल भारतीयों के लिए अपमानजनक है, बल्कि यह अमेरिका के साथ भारत के संबंधों पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

-रणधीर जायसवाल
प्रवक्ता, विदेश मंत्रालय, भारत

तपती धरती का असर अनौपचारिक श्रमबल पर

प्रो. आरके जैन
शिक्षाविद्

तपता हुआ आसमान अब सिर्फ मौसम का मिजाज नहीं, बल्कि एक सुलगता संकट है, जो हमारी सांसों, श्रम और अस्तित्व को चुपचाप निगल रहा है।

तपता हुआ आसमान अब सिर्फ मौसम का मिज़ाज नहीं, बल्कि एक सुलगता संकट है, जो हमारी सांसों, श्रम और अस्तित्व को चुपचाप निगल रहा है। आर्थिक मोर्चे पर भी यह संकट अदृश्य चोट की तरह गहरा असर डाल रहा है। लैंसेट काउंटडाउन 2025 के अनुसार 2024 में गर्मी ने भारत से करीब 247 बिलियन श्रम घंटे छीन लिए, जिससे लगभग 194 बिलियन डॉलर की आय हानि हुई। 2030 तक गर्मी से 34 मिलियन पूर्णकालिक नौकरियां प्रभावित होने का अनुमान है। बढ़ती गर्मी ने श्रम उत्पादकता को इस हद तक प्रभावित किया है कि काम की रफ्तार धीमी पड़ रही है, जिससे मजदूरों की कमाई घट रही है और देश की आर्थिक प्रगति भी बाधित हो रही है। अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों की स्थिति सबसे अधिक दयनीय है, जहां बीमारी के दौरान विश्राम या आय-सुरक्षा जैसी कोई व्यवस्था नहीं होती, इसलिए वे मजबूरी में काम जारी रखते हैं और अपनी सेहत को और गहरे संकट में धकेलते जाते हैं।

इसके बावजूद, नीति स्तर पर यह संकट अब भी अपेक्षित प्राथमिकता हासिल नहीं कर पाया है। हीटवेव को अभी राष्ट्रीय आपदा का दर्जा नहीं मिला है, जिसके कारण राहत, पुनर्वास और मुआवजे की व्यवस्था सीमित और धीमी बनी हुई है। नतीजतन, सबसे अधिक प्रभावित वर्ग ही सबसे कम संरक्षित रह जाता है। यदि जलवायु परिवर्तन को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया जाए, तो संसाधनों का अधिक प्रभावी और त्वरित आवंटन संभव होगा, निर्णय प्रक्रिया मंस तेजी आएगी और जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन मजबूत होगा। यह कदम औपचारिकता नहीं, बल्कि ठोस और निर्णायक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो सकता है।

गर्मी अब सहनशीलता की सीमा नहीं, बल्कि सीधे स्वास्थ्य पर प्रहार करने वाली ताकत बन गई है। बढ़ती हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता साफ दिखाती है कि यह अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी और गहराता संकट है। ऐसे में इसे केवल पर्यावरण का मुद्दा मानना भूल होगी। इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में स्वीकार करना अब न केवल आवश्यक, बल्कि अपरिहार्य हो गया है।

इस उभरते संकट की सबसे निर्मम मार उसी विशाल अनौपचारिक श्रमबल पर पड़ रही है, जो देश की अर्थव्यवस्था की धुरी है, फिर भी नीतिगत प्राथमिकताओं में हाशिये पर रहता है। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र के करीब 12.8 करोड़ कार्यकर्ता निर्माण स्थलों की धूल, सड़कों की तपिश, बाजारों की भीड़ और डिलीवरी के चक्र में जुटे मजदूर खुले आसमान के नीचे बिना सुरक्षा के काम करने को विवश हैं। उन्हें न पर्याप्त छाया मिलती है, न स्वच्छ व ठंडे पानी की नियमित उपलब्धता और न ही स्वास्थ्य सुरक्षा का भरोसेमंद तंत्र। यह विडंबना है कि जो हाथ देश की प्रगति को गति देते हैं, वही जलवायु संकट के सामने सबसे अधिक असहाय और असुरक्षित हैं।

स्वास्थ्य के मोर्चे पर बढ़ती गर्मी के दुष्प्रभाव अब गहरे, व्यापक और चिंताजनक रूप ले चुके हैं। ऊंचा तापमान हृदय संबंधी बीमारियों से होने वाली मौतों के खतरे को बढ़ा रहा है, वहीं गर्भवती महिलाओं में समय से पहले प्रसव का जोखिम 15-16 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। निर्जलीकरण, अत्यधिक थकावट, गुर्दे की खराबी और मांसपेशियों में ऐंठन जैसे लक्षण अब अपवाद नहीं, बल्कि रोजमर्रा की सच्चाई बन रहे हैं। जो आंकड़े सामने आते हैं, वे इस संकट की केवल ऊपरी परत दिखाते हैं, असल तस्वीर कहीं अधिक भयावह है, जहां अनगिनत पीड़ाएं और मामले बिना दर्ज हुए चुपचाप दब जाते हैं।

गर्मी का प्रभाव अब केवल शरीर की सहनशक्ति तक सीमित नहीं रहा, यह बीमारियों की प्रकृति, उनकी गति और उनके फैलाव की दिशा तक को बदल रहा है। तापमान में निरंतर वृद्धि और वर्षा के अस्थिर पैटर्न ने मच्छरों के जीवनचक्र को इस तरह परिवर्तित किया है कि डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां तेजी से नए भूभागों, यहां तक कि हिमालयी क्षेत्रों में भी पैर पसार रही हैं। जो संक्रमण कभी सीमित भौगोलिक दायरों में बंधे थे, वे अब उन क्षेत्रों में भी उभर रहे हैं, जहां पहले उनका नामोनिशान नहीं था। इस बदलाव ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर असामान्य दबाव डाला है। पहले से ही वंचित और कमजोर समुदाय और अधिक खतरे में आ गए हैं।

समाधान के स्तर पर अब आधे-अधूरे उपायों से आगे बढ़कर ठोस और व्यापक कार्रवाई की जरूरत है। अनौपचारिक मजदूरों के लिए हीट-सेफ्टी कानून लागू करना, हर कार्यस्थल पर छाया और स्वच्छ पानी की अनिवार्य उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा काम के घंटों को तापमान के अनुसार वैज्ञानिक ढंग से पुनर्निर्धारित करना बेहद जरूरी है। शहरी इलाकों में हरित क्षेत्र बढ़ाना, सुलभ कूलिंग सेंटर विकसित करना और जलवायु-लचीला स्वास्थ्य ढांचा तैयार करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम होंगे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

परिवार में बुजुर्ग पुरुष

हर वृद्ध पुरुष को इसे पढ़कर चिंतन अवश्य करना चाहिए। पुरुष बूढ़ा होता है, जबकि स्त्री परिपक्व होती है। जैसे ही पुरुष अपने बच्चों की शादी कर देता है और परिवार की आर्थिक नींव मजबूत कर देता है, परिवार में उसका वरिष्ठ और सम्मानित स्थान धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। इसके बाद उसे बोझ समझा जाने लगता है। चिड़चिड़ा, गुस्सैल और अनिश्चित स्वभाव वाला बूढ़ा व्यक्ति। जिन कठोर निर्णयों से उसने कभी पत्नी और बच्चों के लिए व्यवस्था बनाई थी, आज उन्हीं निर्णयों की चीर-फाड़ होकर आलोचना होती है। एक न एक कारण से उसे दोषी ठहरा दिया जाता है और यदि वास्तव में उससे कोई गलती हुई हो तो भगवान ही रक्षा करे। वृद्ध स्त्री को इसके विपरीत, बच्चों और बहुओं से सहानुभूति मिलती है, क्योंकि उसके माध्यम से अभी भी कई काम करवाने होते हैं। सही समय आने पर वह समझदारी से पति के पक्ष से बच्चों के पक्ष में चली जाती है। जब पति उम्र में बड़ा हो, तो पत्नी बहू के साथ तालमेल बना लेती है, ताकि बेटा उससे दूर न हो और उसकी देखभाल करता रहे।

भूमिका पांडेय
राइटर

पुरुष ने जीवन में चाहे कितनी ही महान उपलब्धियां हासिल की हों, बुढ़ापे में वे किसी काम नहीं आतीं, जबकि वृद्ध स्त्री अपने पुराने पुण्यों का ब्याज जीवन भर पाती रहती है। जिन लोगों के पास पैतृक संपत्ति या खेती होती है (जिसकी बच्चों को अब भी इच्छा रहती है) उनकी स्थिति थोड़ी बेहतर होती है, लेकिन जिन्होंने भविष्य के झगड़ों से बचने के लिए समय से पहले संपत्ति बांट दी वे अक्सर उपरोक्त ही दुःखद स्थिति का सामना करते हैं, इसलिए संपत्ति समय से पहले न बांटना ही बेहतर है। किसी भी अस्पताल में चले जाएं, रिश्तेदारों की आंख देखकर ही पता चल जाता है कि भर्ती वृद्ध पुरुष है या वृद्ध स्त्री। यदि वृद्ध पुरुष हो, तो उसकी बेटी को छोड़कर शायद ही किसी की आंख नम होती है। जैसे ही पुरुष वृद्ध होता है, उसे सीख लेना चाहिए कि दूसरों से किसी भी प्रकार की अपेक्षा न रखे। याद रखें, मनुष्य जीवन भर विद्यार्थी है। समझ लें कि इस संसार में कोई किसी का नहीं है। विरक्ति, आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान के साथ जीना सीखें।

आपने दूसरों के लिए क्या-क्या किया, यह सोचना भी छोड़ दें और इस बारे में बात करना भी बंद कर दें। प्राचीन शास्त्रों में कहीं भी ऐसा उदाहरण नहीं मिलता कि किसी स्त्री ने वानप्रस्थ या संन्यास ग्रहण किया हो। ये आश्रम केवल पुरुषों के लिए निर्धारित थे। इनके महत्व को समझें, तब ज्ञात होगा कि हमारे पूर्वज कितने दूरदर्शी थे।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

यूपीः स्टार्टअप के क्षेत्र में महिलाओं का बढ़ता प्रभाव

उत्तर प्रदेश अब केवल पारंपरिक कृषि और उद्योग तक सीमित राज्य नहीं रहा, बल्कि तेजी से देश के प्रमुख स्टार्टअप हब के रूप में उभर रहा है। इस बदलाव की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। आज महिलाएं न केवल स्टार्टअप शुरू कर रही हैं, बल्कि उन्हें सफलतापूर्वक चला भी रही हैं, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक ढांचे दोनों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

उत्तर प्रदेश में महिला सशक्तिकरण अब केवल सामाजिक बदलाव का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह राज्य की अर्थव्यवस्था को गति देने वाला एक मजबूत इंजन बन चुका है। महिलाओं की उद्यमिता को जो प्रोत्साहन मिला है, उसने राज्य के स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा दी है। आज महिलाएं न केवल नौकरी तलाशने वाली हैं, बल्कि रोजगार देने वाली भी बन रही हैं।

धनीश शर्मा
लेखक

जहां पहले उत्तर प्रदेश में महिलाओं की स्थिति काफ़ी दयनीय हुआ करती थी, वहीं अब प्रदेश की महिलाएं पुरुषों की भांति कंधे से कंधा मिलाकर प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए मजबूती के साथ बढ़ रही हैं। एक वक्त वह था जब महिलाएं केवल घर तक ही सीमित थीं, लेकिन समय के बदलाव के साथ समाज में उनकी सोच और भूमिका दोनों में बड़ा परिवर्तन आया है।

किसी भी प्रदेश की महिलाएं तभी तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ सकती हैं, जब वहां उन्हें अवसरों के साथ-साथ सुरक्षा और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर भी मिले। यह कोई अनायास नहीं है कि जहां वर्ष 2017 में केवल 174 महिला-निदेशक स्टार्टअप्स थे, वही संख्या वर्ष 2025 तक बढ़कर 2525 हो गई है।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) के आंकड़े इस बदलाव की स्पष्ट तस्वीर पेश करते हैं। यह वृद्धि सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि इसके पीछे सरकार की दूरदर्शी नीतियां, बेहतर निवेश माहौल और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की प्रतिबद्धता है।

राज्य सरकार ने महिला उद्यमियों के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें आसान ऋण, प्रशिक्षण, मेंटरशिप और मार्केट तक पहुंच जैसी सुविधाएं शामिल हैं। स्टार्टअप इंडिया जैसी पहल ने भी महिलाओं को अपने विचारों को व्यवसाय में बदलने के लिए मंच दिया है। इसके साथ ही वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ODOP) योजना ने स्थानीय स्तर पर महिला कारीगरों और उद्यमियों को नई पहचान दिलाई है।

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक बदलाव भी तेजी से हो रहा है। जब महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होती हैं, तो उनके परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार देखने को मिलता है।

इसके अलावा, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और ई-कॉमर्स के विस्तार ने भी महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंचाने का अवसर दिया है। अब गांवों और छोटे शहरों की महिलाएं भी अपने व्यवसाय को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक ले जा रही हैं। यह बदलाव उत्तर प्रदेश को एक नए आर्थिक मॉडल की ओर ले जा रहा है, जहां विकास का केंद्र केवल बड़े शहर नहीं, बल्कि हर जिला और हर गांव है, हालांकि चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। वित्तीय साक्षरता की कमी, सामाजिक बाधाएं और तकनीकी ज्ञान का अभाव कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर लगातार काम करने की जरूरत है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

प्राकृतिक सौंदर्य का दर्शनीय स्थल

अमरकंटक

मध्य प्रदेश भारत के उत्तर और दक्षिण तथा पूर्व और पश्चिम का संधि-स्थल ही नहीं है, अपितु भौगोलिक दृष्टि से यहां पहाड़ पठार, घने वन, विस्तृत मैदान और नदी घाटियों का आकर्षक एवं समृद्ध प्रकृति का वरदान भी है। प्रकृति, कला और सौंदर्य की दृष्टि से यह पर्यटकों के लिए स्वर्ग है। ऐसा संयोग कम ही स्थलों को मिलता है, जहां प्रकृति की सुंदर छटा भी बिखरी हो और साथ ही धार्मिकता का पुण्य-लाभ भी प्राप्त हो, कदाचित मध्य प्रदेश का अमरकंटक ऐसा ही अनुपम स्थान है।

गौरीशंकर वैश्य विनम्र
लखनऊ

अमरकंटक में प्रकृति रोमांचित करती है। घने जंगल आनंदित करते हैं तथा अध्यात्म और धर्म इस नगरी को एक विशिष्ट पहचान दिलाते हैं। वास्तव में यह ऐसी जगह भी है, जो दो बड़ी नदियों नर्मदा और सोन का उद्‌गम स्थल भी है। पूर्व से पश्चिम की दिशा में बहने वाली देश की दो नदियों में एक नर्मदा का उद्‌गम एक छोटे कुंड से हुआ देखकर आश्चर्य होता है। पानी की झिर इस कुंड से होकर बड़े आयताकार कुंड में एकत्र होती है। इस जलसंरचना का निर्माण कल्चुरी काल में किया गया। इसी प्रकार सोनमूढ़ा नर्मदाकुंड से 1.5 किलोमीटर की दूरी पर मैकल पहाड़ियों के किनारे पर है। सोन नदी 100 फीट ऊंची पहाड़ी से एक झरने के रूप में यहां से गिरती है। इनके उद्‌गम को देखेंगे, तो लगेगा ही नहीं कि छोटे-छोटे कुंडों से निकलकर काफी दूर तक बहुत पतली धारा में बहने वाली ये नदियां देश की संस्कृति और धार्मिकता एवं विकास को नए आयाम देती हैं।

पहाड़ों पर बसावट

मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में विंध्य और सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला के बीच स्थित अमरकंटक को तीर्थराज की संज्ञा भी दी गई है। यह समुद्र तट से लगभग 1065 मीटर ऊंचाई पर स्थित हिल स्टेशन की अनुभूति कराता है। कल्चुरी कालीन प्राचीन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध अमरकंटक घने जंगल तथा औषधीय गुणों से भरपूर पौधों की संपदा के लिए प्रसिद्ध है। यहां खदानें भी हैं और जलप्रपात भी, जल के अदृश्य स्रोत भी और सुंदर आश्रम तथा मंदिर भी। यहां का शांत वातावरण पर्यटकों को सहज ही आत्ममुग्ध कर देता है। अमरकंटक की यात्रा आध्यात्मिक स्पर्श कराती है। यहां आते ही हवा में ताजगी और शुद्धता का आभास होने लगता है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार माता सती के दो अंग इस क्षेत्र में गिरे थे, अतः यह क्षेत्र दो शक्तिपीठों का क्षेत्र होने के कारण अति पवित्र है। उन दो स्थानों में से एक सोनमूढ़ा सोन नदी के उद्‌गम स्थल के पास है और दूसरा मां नर्मदा के उद्‌गम के पास स्थित देवी पार्वती जी का मंदिर है। यहां से मनमोहक झरने, पवित्र तालाब, ऊंची पहाड़ियों और शांत वातावरण यात्रियों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

यहां कैसे पहुंचें

अमरकंटक जबलपुर और बिलासपुर के निकट है। शहडोल से भी सड़क मार्ग से पहुंचा जा सकता है। अमरकंटक का निकटतम हवाई अड्डा जबलपुर में है। यहां से अमरकंटक की दूरी 245 किमी है। जबलपुर - बिलासपुर ट्रैक पर पेंड्रा रोड स्टेशन अमरकंटक के सबसे समीपस्थ रेलवे स्टेशन है। बिलासपुर, अनूपपुर और जबलपुर जंक्शन से भी अमरकंटक पहुंचा जा सकता है। शहडोल रेलवे-स्टेशन से अमरकंटक से 80 किमी तथा अनूपपुर रेलवे-स्टेशन से 72 किमी दूर है, जहां से लगातार बसें और टैक्सियां चलती रहती हैं।

प्रमुख स्थल

- **भगवान शिव का त्रिमुखी मंदिर** – अमरकंटक के प्रमुख मंदिरों में भगवान शिव का त्रिमुखी मंदिर है। इसे कल्चुरी शासक कर्ण देव महाचंद्र ने 1041-1073 ई. में निर्माण कराया था। मंदिर में कल्चुरी कालीन शिल्पकारों की बनाई आकृतियां सम्मोहित करती हैं।
- **कपिलाधारा**– अमरकंटक की यात्रा कपिलाधारा देखे बिना अधूरी रहेगी। यहां 100 फीट की ऊंचाई से पानी गिरता है। धर्मग्रंथों में कहा गया है कि कपिल मुनि यहां रहते थे। कपिल मुनि ने सांख्य दर्शन की रचना इसी स्थान पर की थी। कपिलाधारा के निकट ही कपिलेश्वर मंदिर भी बना है। इस जगह के आसपास कई गुफाएं हैं, जहां अब भी साधु-संत ध्यानमग्न देखे जा सकते हैं।
- **कबीर चबूतरा** – कबीरपंथियों के लिए इस स्थान का बहुत महत्व है। कहा जाता है कि संत कबीरदास संवत 1569 में बांधवगढ़ से जगन्नाथपुरी प्रवास के समय यहां लंबे समय तक रहे थे। उन्होंने यहां पर ध्यान लगाया था। ऐसी मान्यता है कि इस स्थान पर कबीरदास के प्रवास के बीच गुरु नानक देव जी उनसे मिलने आए थे। कबीर चबूतरे के निकट ही रानी झरना (कबीर झरना) भी है। कबीर चबूतरे के ठीक नीचे एक जलकुंड है, जिसके बारे में कहा जाता है कि सुबह की किरणों के साथ ही यहां के जलकुंड का पानी दूध की तरह सफेद हो जाता है।
- **धूनी पानी** – यहां गर्म पानी का झरना है। इसके बारे में कहा जाता है कि यह झरना औषधीय गुणों से भरपूर है। इसमें स्नान करने से शरीर के असाध्य रोग ठीक हो जाते हैं।
- **दुग्धधारा** – दुग्धधारा एक ऐसा झरना है, जिसका जल दूध के समान प्रतीत होता है, इसीलिए इसे दुग्धधारा के नाम से जाना जाता है।
- **सोनमूढ़ा**– यह सोन नदी का उद्‌गम स्थल है। यहां से घाटी और जंगल से ढकी पहाड़ियों के सुंदर दृश्य देखे जा सकते हैं।
- **मां की बगिया**– यह माता नर्मदा को समर्पित है। कहा जाता है कि इस हरी-भरी बगिया से शिव जी की पुत्री नर्मदा पुष्पों को चुनती थीं। यह बगिया नर्मदा कुंड से एक किलोमीटर की दूरी पर है।

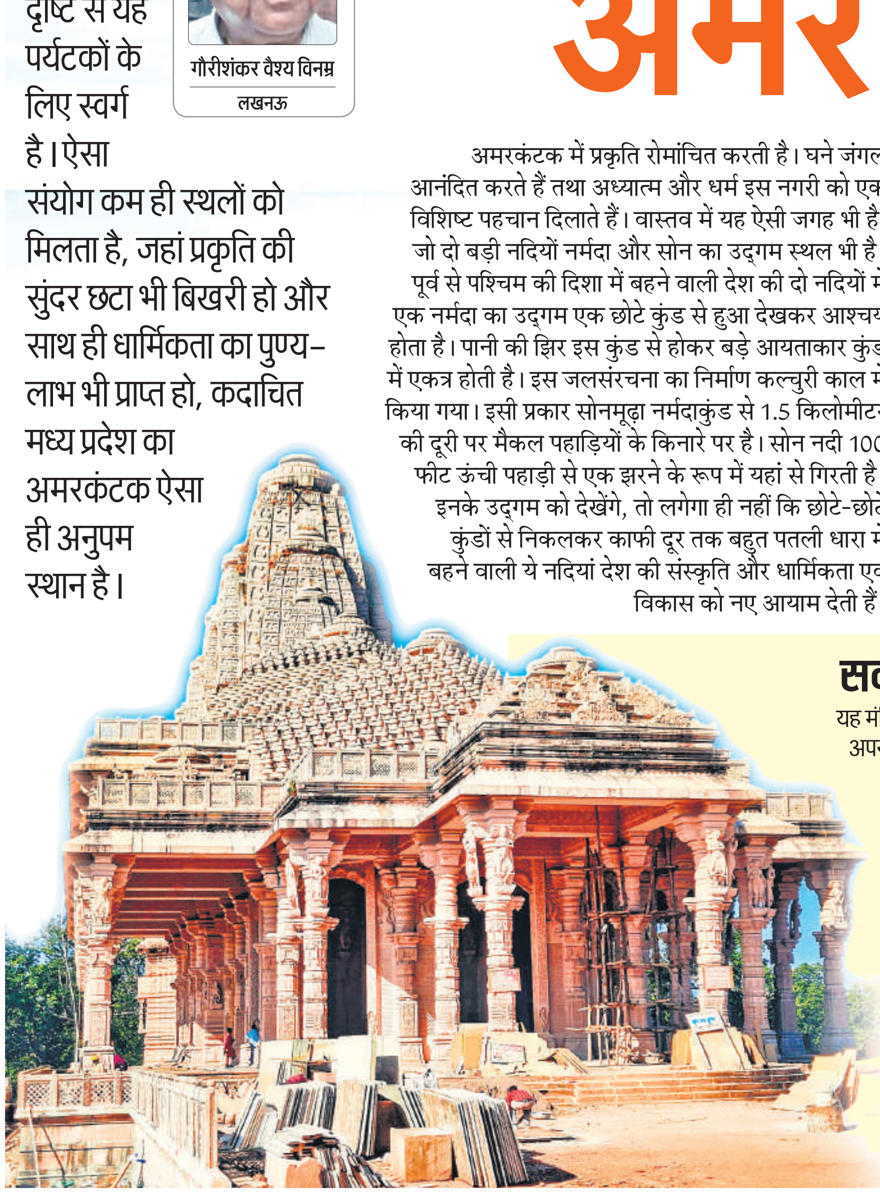

सर्वोदय जैन मंदिर

यह मंदिर भारत के अद्वितीय मंदिरों में अपना विशिष्ट स्थान रखता है। इस मंदिर को बनाने में सीमेंट और लोहे का प्रयोग नहीं किया गया है। मंदिर में स्थित मूर्ति का वजन 24 टन के लगभग है। भगवान आदिनाथ अष्ट धातु के कमल सिंहासन पर विराजमान हैं, कमल सिंहासन का वजन 17 टन है। प्रतिमा को मुनि श्री विद्यासागर जी महाराज ने 6 नवंबर, 2006 को विधि-विधान से स्थापित किया था।

100 फीट ऊंचा जलप्रपात

पहले अमरकंटक शहडोल जिले में था। अब यह अनूपपुर जिले में है। यह मैकल पर्वत श्रृंखला पर स्थित है। पत्थरों की चारदीवारी के अंदर पत्थर से निर्मित नर्मदाकुंड मंदिर, शिव परिवार, कार्तिकेय मंदिर, श्री सूर्यनारायण मंदिर, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, ग्यारह रुद्र मंदिर, अन्नपूर्णा, गुरु गोरखनाथ, श्री रामजानकी, श्री राधाकृष्ण मंदिर, श्री ज्वालेश्वर महादेव, सर्वोदय जैन मंदिर, कबीर चबूतरा, कपिलाधारा, माई की बगिया आदि स्थल सदियों पुरानी स्थापत्यकला को सहेजे हुए हैं, जहां धार्मिक पर्यटकों को आना उपकृत करता है। मंदिर परिसर के आसपास परिक्रमावासियों के समूह अमरकंटक को तपस्थली के रूप में प्रतिबिंबित करते हैं। नर्मदा विश्व की एक मात्र सरिता है, जिसकी परिक्रमा की जाती है। कुंड से आगे निकलकर नर्मदा कल-कल बहने लगती है। लगभग 6 किलोमीटर की यात्रा कर नर्मदा 100 फीट ऊंचा जलप्रपात बनाती है, जिसे कपिलाधारा के नाम से जाना जाता है। हरे-भरे वातावरण से घिरे इस झरने के आगे दूध धारा है, जो छोटा जलप्रपात है। यहां पर्यटक निडर होकर स्नान करते हैं। कालिदास भी यहां आए थे और वे यहां की सुंदरता में निमग्न हो गए। उनके मेघदूत के बादल इसी अमरकंटक नगरी के ऊपर से विचरण करते हैं। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ ने भी यहां आकर तप किया था।

नर्मदा परिक्रमा

नर्मदा परिक्रमा विधि-विधान नियम से की जाए, तो 1300 किमी से भी अधिक लंबी परिक्रमा होती है, जो 3 वर्ष 3 महीने 13 दिन में पूर्ण होती है, किंतु आज के समय में मोटरसाइकिल या चौपहिया वाहन के द्वारा यात्रा को जल्दी पूरा कर लिया जाता है। नर्मदा परिक्रमा में नर्मदा नदी को पार नहीं किया जाता है। परिक्रमा में सभी स्थानों पर दर्शनीय स्थल देखने को मिलते हैं।

बीती यादें

कहां खो गया इक्का!

पता नहीं इक्का कहां खो गया? पहले शहरों-कस्बों में आवागमन का यही मुख्य साधन हुआ करता था। बैलगाड़ी गांव-देहात में आवागमन और भार वाहन का साधन थी।

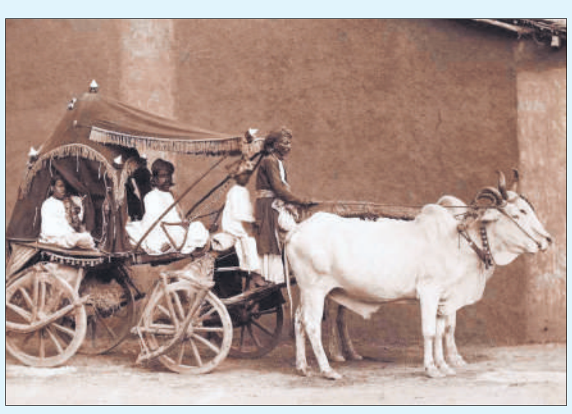

मोहनजोदड़ो, हड़प्पा की खुदाई में बैल की एक प्रतिमा मिली है। तांबे का एक इक्का मिला है। इससे प्रमाणित होता है कि इक्का भारत सहित एशिया के एक बड़े भूभाग में आवागमन का प्रमुख साधन था। अब करनाल की राखीगढ़ी की खुदाई में कुछ ऐसी ही चीजें मिल रही हैं। इक्का को एक घोड़ा या एक बैल खींचता था। एक धुरी पर दो पहिए लगे होते थे और ऊपर छाया के लिए एक छतरी। गाय दूध देती थी और उसके बछड़े खेत में हल चलाते थे। यही बैल गाड़ी भी खींचते थे। रथ, रब्बा, बहल, छकड़ा और सग्गड़ भी। प्राचीन काल में इक्का घोड़ा दौड़ और बैल और बैल गाड़ी की दौड़ प्रतियोगिता होती थी।

शिवचरण चौहान
लेखक

एक्का, तांगा, खड़खड़ा, टमटम, रथ, रब्बा, सग्गड़ और बैलगाड़ी यही आवागमन के प्रमुख साधन थे। जब तक डीजल और पेट्रोल की खोज नहीं हुई थी। बिजली और सौर ऊर्जा की खोज नहीं हुई थी। इन सबका बहुत महत्व था। गांव की बारात बैलगाड़ियों से जाती थीं। कतार में गाड़ियां कच्ची सड़कों पर चलती दिखाई देती थीं। गाड़ी वाले बैला धीरे हांक रे तथा जरा ललकार के बैला हांकों, मेरे सैंया गाड़ीवान जैसे गीत फिल्मों में लोकप्रिय होते थे।

फिल्म तीसरी कसम का गाड़ीवान बहुत लोकप्रिय हुआ था। टमटम चार पहियों की गाड़ी होती थी। जबकि इक्का दो पहियों की जिसमें सिर्फ एक सवारी बैठती थी। बग्घी भी चार पहियों की सवारी होती थी। पहले राजा महाराजा और बादशाह अमीर लोग बग्घी पर चला करते थे। बग्घी पर अभी भी बारातें निकलती हैं। डेकोरेटेड बग्घी कई शहरों में शादी-बारात के लिए बुक की जाती थी। अब सब बीती यादें हैं। चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी उसने कहा था में तांगे वाले का जिक्र आया है।

अब पेट्रोल-डीजल बैटरी और बिजली सौर ऊर्जा से चलने वाली कारें, बसें आ गई हैं, तो इक्के वालों को कौन पूछेगा? एक संस्कृति विलुप्त हो रही है। आवागमन के साधन इतिहास में पढ़ाए जाएंगे इक्का, तांगा, टमटम और बग्घी।

जॉब का पहला दिन

एक नई सोच को स्थापित करने वाला पहला कदम

जीवन में कुछ पल ऐसे होते हैं, जो बिना किसी पूर्व सूचना के आ जाते हैं और आपने कभी सपने में भी नहीं सोचा होता है कि इसी राह पर आपका करियर बनेगा, पर नियति आपको उसी दिशा में मोड़ देती है, जिसके लिए आप बने हैं। बात उन दिनों की है जब मैं मैनेजमेंट की पढ़ाई पूरी कर नई दिल्ली में एक निजी कंपनी में अपना भविष्य टटोल रहा था। एक कंपनी में 15 दिन की ट्रेनिंग के लिए मैं दिल्ली में ही था। संयोग देखिए – 11 सितंबर 2001, जिस दिन न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर दुनिया का सबसे भीषण आतंकी हमला हुआ, उसी दिन छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट से एक संदेश मिला: "आपका चयन मास्टर इन टूरिज्म मैनेजमेंट के पहले बैच में अतिथि शिक्षक के रूप में हो गया है।" वही क्षण मेरे जीवन का टर्निंग पॉइंट बना, जब मैंने अकादमिक जगत में पहला कदम रखा। मन में हलचल थी, 25 साल की उम्र और सामने लगभग हमउम्र विद्यार्थियों को पढ़ाने की जिम्मेदारी, भीतर कहीं डर भी था, मगर पहली कक्षा के बाद संस्थान के वरिष्ठ शिक्षकों, खासकर निदेशक महोदय और वरिष्ठ प्रोफेसर ने जब कहा, "धीरे-धीरे सब परिपक्व होते हैं," तो उन्हीं शब्दों ने मेरे भीतर नई ऊर्जा भर दी।

नौकरी का पहला दिन था। पिताजी ने सहज भाव से कहा, "यह तो प्रोफेसर बन गया।" अगले दो दिन रिश्तेदारों के फोन आते रहे- सब यही दोहराते, "आपका बेटा प्रोफेसर हो गया।" किसी को यह एहसास ही नहीं था कि प्रोफेसर एक बड़ा पद होता है, जबकि मैं तो केवल पार्ट-टाइम गेस्ट फैकल्टी, यानी

लेक्चरर के रूप में जुड़ा था। मैं जब स्वयं विद्यार्थी था, तभी से डायरी लिखने का शौक था। जब पुराने पन्ने पलटे तो कहीं नहीं लिखा था कि मुझे शिक्षक बनना है। मैं तो देश-शहर सुधारने के सपने देखता हुआ सिविल या डिफेंस सर्विस में जाना चाहता था। किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। बिना हिचक मैंने शिक्षण को अपनाया। पहले ही वर्ष संस्थान में पहचान बनने लगी और दो साल के भीतर मैं नियमित लेक्चरर के पद पर चुन लिया गया। जीवन अनिश्चितताओं और संघर्ष का ही दूसरा नाम है। मेरा जीवन भी उससे अलग नहीं था। इन्हीं संघर्षों ने मेरे व्यक्तित्व को तराशा, एक नई पहचान दी। वह दौर था जब कई युवा शिक्षक एक साथ आए थे, प्रतिस्पर्धा चरम पर थी। इन्हीं संघर्षों और मेरे शांत स्वभाव ने मुझे स्थायित्व दिया।

शुरुआत में लगता था कि सब पीछे खींचना चाहते हैं, पर वह केवल भ्रम था। पहले वर्ष से ही मैंने इसे स्वीकार कर अपने व्यक्तित्व को निखारना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे नए पड़ाव आते गए। अपने शुरुआती विचारों को साकार करने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के भीतर रचनात्मकता दिखाने का मौका मिला। विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट सेल, काउंसलिंग सेल, होटल एवं टूरिज्म मैनेजमेंट विभाग की स्थापना और राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे नए कॉन्सेप्ट स्थापित किए। एनएसएस ने समाज के प्रति मेरा दृष्टिकोण व्यापक किया। एक नई विचारधारा जन्मी-शैक्षिक दायित्व के साथ-साथ समाज के प्रति भी हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है, इस सोच के साथ सामाजिक कार्यों में भागीदारी बढ़ी। कुछ ही वर्षों में पर्यटन, सामाजिक विकास और जन-जागरूकता जैसे विषयों पर पकड़ बनी। आज कानपुर शहर को केंद्र में रखकर हैप्पीनेस, स्वास्थ्य और विजन कानपुर पर काम हो रहा है। "मुस्कुराए कानपुर", "कानपुर हेल्थ कमेटी" और "कानपुर सुपर 100" जैसी संस्थाएं खड़ी कर शहर के हर क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिकों को जोड़ते हुए "नव कानपुर, कुशल कानपुर" बनाने का प्रयास जारी है। सामाजिक दृष्टिकोण और प्रबंधन क्षमता के साथ जिला प्रशासन के साथ भी पर्यटन विकास और शहर के विकास में सलाहकार की भूमिका निभाकर आत्मिक संतुष्टि मिल रही है। हर इंसान के जीवन में अलग-अलग पड़ावों पर रोल मॉडल होते हैं। माता-पिता के बाद प्रारंभिक काल में एक सरकारी कार्यालय के अधीक्षक रोल मॉडल थे। सेवा भाव से भरे हुए, आज कुलपति महोदय की प्रशासनिक क्षमता, कार्य के प्रति समर्पण और दूरदर्शिता मुझे प्रेरित करती है।

डॉ. सुधांशु राय
असिस्टेंट प्रोफेसर
कानपुर

आज जहां भी खड़ा हूं, अपने परिवार के समर्पण एवं सहयोग से। मैं मानता हूं कि मैंने सब कुछ नहीं पाया, पर काफी हद तक जीवन में संतुष्ट हूं खुश हूं। शैक्षिक दायित्व को पूरी निष्ठा से निभाते हुए समाज को नया नेतृत्व देने की कोशिश कर रहा हूं। ऐसा नेतृत्व जो अपने शहर कानपुर को "नया कानपुर, खुशहाल कानपुर" बनाने की दिशा में कुछ सार्थक कर सके।

कालजयी उपन्यास 'देवदास' के रचयिता शरतचंद्र

भारत में कई ऐसे यशस्वी साहित्यकार हुए हैं, जिनकी कृतियां विश्व भर में पढ़ी जाती हैं। इन साहित्यकारों में शरत चंद्र चट्टोपाध्याय की गणना प्रथम पंक्ति में की जाती है। आम आदमी को केंद्र में रखकर सामाजिक और पारिवारिक ताने-बाने पर बुने उनके उपन्यास और कहानियां पाठकों में बहुत लोकप्रिय हुईं।

शरतचंद्र चट्टोपाध्याय, एक ऐसे उपन्यासकार हैं, जिन्होंने अपने शब्दों और कुछ अविस्मरणीय लेखन के कारण लोगों के मन-मस्तिष्क पर एक गहरी छाप छोड़ी। उन्हें पश्चिम बंगाल के लोगों के मनोभावों, उनकी रुचियों, परंपराओं तथा उनकी जीवन शैली की गहरी समझ थी। एक विख्यात लेखक, जिनकी स्पष्ट और अविस्मरणीय लेखन की सरल शैली उस समय के नियमित पाठकों को पढ़ने के लिए एक बेहतरीन समाग्री थी। शरतचंद्र ने अपने उपन्यास और कहानियों में बंगाल के ग्रामीण अंचल में प्रचलित संस्कृति और वहां की जीवन शैली को एक नया आयाम दिया। उनके उपन्यासों और कहानियों के अधिकांश पात्र समाज के सामान्य वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनके आचरण तथा व्यवहार में सादगी तथा भोलापन स्पष्ट रूप से झलकता है।

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

शरतचंद्र का जन्म हुगली जिले के देवानंदपुर गांव में हुआ था। उन्होंने अपना बचपन भागलपुर में अपने मामा के घर में बिताया। 1894 में, उन्होंने टीएन जुबली कॉलेजिएट स्कूल से प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की और उन्हें एफए क्लास में भर्ती कराया गया, लेकिन गरीबी के कारण अपनी आगे की शिक्षा जारी रखने में असमर्थ हो गए।

शरतचंद्र का व्यक्तित्व बहुमुखी प्रतिभा का धनी था, इसलिए उन्होंने जीवन के कई क्षेत्रों में कार्य किया। सबसे पहले उन्होंने बनाली एस्टेट में सहायक सेटलमेंट ऑफिसर के रूप में कार्य करना शुरू किया। इसके बाद उन्होंने कलकत्ता के उच्च न्यायालय में एक अनुवादक के रूप में काम किया। फिर उन्होंने बर्मा रेलवे में लेखा विभाग में क्लर्क के रूप में काम किया। शरतचंद्र चट्टोपाध्याय बंगाल कांग्रेस के सक्रिय सदस्य भी रहे। वे भारतीय कांग्रेस द्वारा देश की आजादी के लिए चलाए जा रहे असहयोग आंदोलन में भाग लेते थे। बाद में, उन्हें हावड़ा जिला कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

शरतचंद्र चट्टोपाध्याय को एक ऐसा लेखक माना जाता है, जिन्होंने बंगाल के ग्रामीण परिवेश को अपने लेखन में अच्छी तरह से समाहित किया है। उनके कृतियों में ग्रामीण सार है, क्योंकि इनमें साधारण परिवारों, शहरों से बहुत दूर प्रकृति की गोद में, नदियों, पेड़ों और कृषि भूमि के बीच के जीवनकाल को कहानियों के रूप में दर्शाया गया है। उन्होंने महिलाओं के बारे में बहुत अधिक लिखा और एक पितृसत्तामक समाज में उनकी स्थिति के बारे में स्पष्ट रूप से और ईमानदारी से बताया। उन्होंने धर्म के नाम पर हो रहे सामाजिक भेदभाव, अन्याय और अंधविश्वास के खिलाफ विरोध किया।

शरतचंद्र का पहला उपन्यास 'बड़ीदीदी' 1907 में प्रकाशित हुआ। यह उपन्यास पाठकों के मध्य बहुत लोकप्रिय हुआ। इसके बाद उनका उपन्यास 'बिंदुर छेले' सन् 1913 में और एक अन्य उपन्यास 'परिणीता' 1914 में प्रकाशित हुआ। उनके इन उपन्यासों को पाठकों ने हाथों-हाथ लिया और उन्हें अपार लोकप्रियता हासिल हुई।

सन् 2016 में उनका उपन्यास 'बैकुन्ठेर उइल' सन् 1917 में 'देवदास', 'श्रीकांत' और 'चरित्रहीन' प्रकाशित हुए। देवदास और चरित्रहीन उपन्यास के प्रकाशन के बाद शरतचंद्र की गणना देश के चोटी के उपन्यासकारों में होने लगी।

सन् 1926 में शरतचंद्र चट्टोपाध्याय का उपन्यास 'पाथेर दाबी' प्रकाशित हुआ। इस उपन्यास का कथानक क्रांतिकारी विषयवस्तु पर आधारित था और पाठकों को आजादी के लिए प्रेरित करता था, इसलिए ब्रिटिश सरकार द्वारा इसे प्रतिबंधित कर दिया गया। अपनी साहित्य यात्रा के दौरान शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने बच्चों के लिए कई कहानियां और उपन्यास लिखे। इनमें 'रामर शुमाती' तथा 'लालू और उनके दोस्त' जैसी लघु कथाएं शामिल हैं। उनके उपन्यास और कहानियों पर

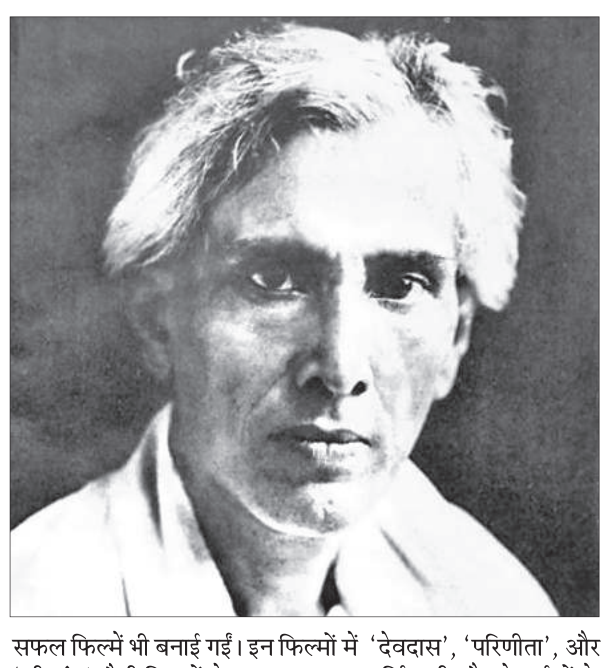

सफल फिल्में भी बनाई गईं। इन फिल्मों में 'देवदास', 'परिणीता', और 'श्रीकांत' जैसी फिल्मों ने अपार सफलता अर्जित की और वे दर्शकों के मध्य बहुत लोकप्रिय हुईं। शरतचंद्र को बंगाली साहित्य में योगदान देने के लिए कई पुरस्कार मिले। इनमें सन् 1903 में उन्हें मिला 'कुंतालिन पुरस्कार' सबसे महत्वपूर्ण है। सन् 1923 में बंकिम चंद्र चटर्जी को 'जगत्तारिणी स्वर्ण पदक' से विभूषित किया गया। सन् 1934 में उन्हे 'बंगाली संगीत परिषद' की सदस्यता प्रदान की गई।

16 जनवरी 1938 को उनकी मृत्यु से बंगाल साहित्य को भारी नुकसान हुआ। उनके द्वारा लिखे गए उपन्यास हिंदी साहित्य की भी अनमोल धरोहर हैं। उनके विश्व प्रसिद्ध उपन्यासों के लिए उनका सदैव स्मरण किया जाएगा। यह देश और समाज उनका ऋणी रहेगा।

अनिश्चितता से घिरे शेयर बाजार में फिर बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 1,000 अंक टूटा

तेल की बढ़ती कीमतों और आईटी शेयर में बिकवाली ने दिया झटका, निफ्टी भी 455 अंक गिरा

मुंबई, एजेंसी

कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और आईटी कंपनियों के शेयर में भारी बिकवाली से सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी, वैश्विक बाजारों में नकारात्मक रुख और होर्मुज जलडमरूमध्य में लगातार व्यवधान से कारोबारियों के बीच निराशा का माहौल गहराया रहा। बीएसई सेंसेक्स 999.79 अंक यानी 1.29 प्रतिशत टूटकर 76,664.21 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 275.10 अंकों की गिरावट हुई।

कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 1,260.13 अंक यानी 1.62 प्रतिशत फिसलकर 76,403.87 अंक तक चला गया था। बीएसई पर कुल 2,905 शेयर में गिरावट आई जबकि 1,326 में बढ़त हुई और 158 में कोई बदलाव नहीं हुआ। पिछले सप्ताह सेंसेक्स 1,829.33 अंक या नी2.33 प्रतिशत गिरा जबकि निफ्टी में 455.6 अंक यानी 1.87 प्रतिशत की गिरावट आई। ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर. ने कहा, भारतीय शेयर बाजारों ने लगातार तीसरे सत्र में गिरावट दर्ज रही। जोखिम से बचने की भावना ने निवेशकों के भरोसे को प्रभावित किया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और आईटी क्षेत्र में लगातार कमजोरी ने बाजार पर दबाव बनाना जारी रखा।

इन्फोसिस का शेयर 7.09 प्रतिशत टूटा

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इन्फोसिस का शेयर सर्वाधिक 7.09 प्रतिशत टूटा। एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, सन फार्मा, एशियन पेंट्स और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी नुकसान में रहे।

बढ़त के साथ हुए बंद : ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक।

स्मॉलकैप 0.95, मिडकैप 0.91 प्रतिशत टूटा

बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट 0.95 प्रतिशत और मिडकैप सेलेक्ट 0.91 प्रतिशत टूटा। बीएसई आईटी में 5.13 प्रतिशत, बीएसई फोकस्ड आईटी में 4.65 प्रतिशत, स्वास्थ्य देखभाल में 1.35 प्रतिशत, दूरसंचार में 1.33 प्रतिशत, रियल्टी में 1.30 प्रतिशत, सेवाओं में 1.17 प्रतिशत की गिरावट आई।

- वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 107.3 डॉलर प्रति बैरल
- विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बेचे 3,254.71 करोड़ रुपये के शेयर
- दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कम्पोजिट गिरावट के साथ हुए बंद
- जापान का सूचकांक निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ हुआ बंद

रुपया 15 पैसे कमजोर 94.16 प्रति डॉलर हुआ

मुंबई। रुपये में भी शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 15 पैसे टूटकर 94.16 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी मुद्रा की मजबूती से घरेलू मुद्रा दबाव में है। रुपये में पिछले पांच सत्रों से लगातार गिरावट जारी है। घरेलू बाजार से निरंतर निकासी का भी असर पड़ रहा है।

तीन सत्रों की गिरावट से निवेशकों के 7.17 लाख करोड़ रुपये उड़े

नई दिल्ली। शेयर बाजार में तीन सत्र की गिरावट से निवेशकों की संपत्ति 7.17 लाख करोड़ रुपये कम हो गई। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स तीन प्रतिशत से अधिक टूट गया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से आपूर्ति बाधित होने की आशंका बढ़ी है, इससे कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। इन तीन सत्रों में बीएसई सेंसेक्स 2,609.12 अंक यानी 3.29 प्रतिशत टूटा और बीएसई में शामिल 30 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 7,17,476.54 करोड़ रुपये घटकर 4,61,49,758.18 करोड़ रुपये रह गया। लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक एवं शोध विश्लेषक हरिप्रसाद ने कहा, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने आपूर्ति व्यवधान की आशंकाओं को बढ़ा दिया है जिससे ब्रेंट क्रूड 106 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है।

बरेली मंडी

नीतू समरा बनीं नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अंतरिम सीईओ

नई दिल्ली। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने शुक्रवार को अपनी मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) नीतू समरा को अंतरिम सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की। यह बदलाव नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने निर्देश दिया था कि भारत में किसी भी हवाई अड्डे का सीईओ भारतीय नागरिक होना अनिवार्य है। अगस्त 2020 से सीईओ के रूप में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नेतृत्व करने वाले स्विटजरलैंड के नागरिक क्रिस्टोफ श्नेलमान अब एयरपोर्ट के निदेशक मंडल में कार्यकारी उपाध्यक्ष के रूप में शामिल होंगे। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने बयान में कहा, तत्काल प्रभाव से नीतू समरा को अंतरिम आधार पर सीईओ नियुक्त किया गया है।

भारत- न्यूजीलैंड 27 को करेंगे मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने शुक्रवार को बताया कि भारत और न्यूजीलैंड 27 अप्रैल को नयी दिल्ली में मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। इस समझौते का उद्देश्य घरेलू निर्यातकों के सामान को द्वीप राष्ट्र के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करना है। इसके तहत अगले 15 वर्षों में करीब 20 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की संभावना जताई गई है। लक्सन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, "हम सोमवार को भारत के साथ अपना मुक्त व्यापार समझौता हस्ताक्षर करेंगे।" दोनों देशों ने पिछले वर्ष 22 दिसंबर को इस व्यापार समझौते की वार्ता पूरी होने की घोषणा की थी। इसका लक्ष्य अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को पांच अरब डॉलर तक दोगुना करना है।

रिलायंस रिटेल का चौथी तिमाही मुनाफा 3,563 करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की खुदरा इकाई रिलायंस रिटेल वेंचर लिमिटेड (आरआरवीएल) का 2025-26 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 0.5 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी के साथ 3,563 करोड़ रुपये रहा। इस अवधि में उसका सकल राजस्व 10.84 प्रतिशत बढ़कर 98,232 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के आय विवरण के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का सकल राजस्व 11.83 प्रतिशत बढ़कर 3.70 लाख करोड़ रुपये हो गया जिसे विभिन्न उपभोग श्रेणियों में व्यापक वृद्धि और हाइपर-लोकल कॉमर्स के तेज विस्तार से बल मिला। वित्त वर्ष 2025-26 में रिलायंस रिटेल का शुद्ध लाभ भी 11.73 प्रतिशत बढ़कर 13,842 करोड़ रुपये हो गया।

डॉलर के मजबूत होने से तीसरे दिन भी सोना और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना-चांदी की कीमतों में लगातार तीसरे सत्र में गिरावट हुई। डॉलर मजबूत होने और वैश्विक अनिश्चितता के बीच सोने की कीमत 200 और चांदी की 3,000 रुपये घटी। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 200 रुपये गिरकर सभी कर सहित 1,55,900 रुपये 10 ग्राम रह गया जो गुरुवार को 1,56,100 रुपये 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 3,000 रुपये गिरकर सभी करों सहित 2,47,000 रुपये किलोग्राम रह गई। पिछले सत्र में यह 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.36 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान 2.36 अरब डॉलर बढ़कर 703.30 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 3.82 अरब डॉलर बढ़कर 700.94 अरब डॉलर रहा था। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने से पहले 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

सिफारिशः घरेलू कीटनाशकों पर जीएसटी घटाकर 5% करें

नई दिल्ली। मच्छरों और कीटों से होने वाली बीमारियों से लड़ने और निवारक स्वास्थ्य देखभाल सेवा को मजबूत करने के लिए जीएसटी परिषद को घरेलू कीटनाशकों पर लगने वाले कर को मौजूदा 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने पर विचार करना चाहिए। ईवाई-एचआईसीए ने शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में इस पर जोर दिया गया है।

- **ईवाई-एचआईसीए ने रिपोर्ट जारी कर जीएसटी परिषद से किया आग्रह**

रिपोर्ट के अनुसार लिक्विड वेपोराइजर, कॉइल और एरोसोल जैसे घरेलू कीटनाशक भारत के निवारक स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, विशेष रूप से घरेलू स्तर पर जहां इन बीमारियों से सुरक्षा अभी भी असमान है। ईवाई और होम इंसेक्ट कंट्रोल एसोसिएशन की इस संयुक्त रिपोर्ट में इस बात की पड़ताल की गई है कि वर्तमान 18 प्रतिशत की जीएसटी दर इन उत्पादों की वहनीयता, पहुंच और उपयोग को खासकर संवेदनशील और उच्च जोखिम वाली आबादी के बीच किस तरह प्रभावित करती है। रिपोर्ट में इन उत्पादों पर कर को अन्य आवश्यक स्वच्छता और स्वास्थ्य-सुरक्षा उत्पादों की तर्ज पर पांच प्रतिशत करने का तर्क दिया गया है।

पाकिस्तान ने यूएई को लौटाया 3.45 अरब डॉलर का कर्ज

इस्लामाबाद। वित्तीय संकट में घिरे पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को बकाया 3.45 अरब अमेरिकी डॉलर का पूरा कर्ज लौटा दिया है। एक अरब डॉलर की राशि अबू धाबी फंड फॉर डेवलपमेंट को चुकाई गई, जबकि 2.45 अरब डॉलर का भुगतान पिछले सप्ताह कर दिया गया था।

- **हाल ही में सऊदी अरब से मिली थी तीन अरब डॉलर की वित्तीय सहायता**

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) के मुताबिक यह भुगतान 23 अप्रैल को पूरा किया गया। इसके साथ ही यूएई को कुल 3.45 अरब डॉलर की जमा राशि की वापसी पूरी हो गई है। पाकिस्तान को हाल ही में सऊदी अरब से तीन अरब डॉलर की वित्तीय सहायता मिली है। यह राशि दो किस्तों में आई, जिसमें दूसरी किस्त के रूप में एक अरब डॉलर 21 अप्रैल को प्राप्त हुए। पश्चिम एशिया में ईरान को लेकर अमेरिका-इजराइल के साथ बढ़े तनाव के बाद यूएई ने पाकिस्तान से यह धन तत्काल लौटाने को कहा था। यह राशि 2019 में यूएई द्वारा पाकिस्तान को उसके भुगतान संतुलन को स्थिर करने के लिए दी गई बाहरी वित्तीय सहायता का हिस्सा थी। इससे पहले मार्च में पाकिस्तान यूएई के साथ लगभग 3.5 अरब डॉलर की जमा राशि को आगे बढ़ाने का समझौता करने में नाकाम रहा था।

टेस्ला भारत में सुपरचार्जिंग नेटवर्क का विस्तार करेगी

नई दिल्ली। अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता कंपनी टेस्ला भारत में अपने कारोबार को मजबूत करके के उद्देश्य से अपनी चार्जिंग सुविधा का विस्तार करेगी। कंपनी ने हाल ही में भारत में अपने वाहन पेश किए हैं और अब वह ग्राहकों की बैटरी खत्म होने की चिंता को कम करना चाहती है।

टेस्ला ने हाल ही में मॉडल वाई के साथ भारत में प्रवेश किया था। इसके बाद बुधवार को उसने अपना दूसरा मॉडल मॉडल वाईएल पेश किया, जो तीन पंक्तियों और छह सीटों वाला वाहन है और जिसकी कीमत 61.99 लाख रुपये है। साथ ही कंपनी ग्राहकों की बैटरी खत्म होने की चिंता दूर करने के लिए चार्जिंग सुविधाओं का तेजी से विस्तार कर रही है। टेस्ला इंडिया के महाप्रबंधक शरद अग्रवाल ने बताया कि फिलहाल भारत में कंपनी के पांच तेज चार्जिंग केंद्र हैं, जिन्हें ऐसे स्थानों पर बनाया गया है जहां लोग काम, खरीदारी, भोजन और यात्रा के लिए जाते हैं।

'महिला सामर्थ्य' योजना से एक लाख महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **अयोध्या, सुल्तानपुर, रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कानपुर नगर के 1550 गांवों का कायाकल्प**
- **एक लाख से अधिक परिवारों की महिलाओं का डेयरी नेटवर्क तैयार, रोज चार लाख लीटर दूध का संग्रह**

अमृत विचार: योगी सरकार की 'महिला सामर्थ्य' योजना अवध क्षेत्र में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रही है। अयोध्या, सुल्तानपुर, रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ़, फतेहपुर और कानपुर नगर के 1500 से अधिक गांवों में इस योजना के तहत एक लाख से ज्यादा महिलाएं आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। वहीं लखनऊ, उन्नाव और बाराबंकी में इसका तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

योजना के तहत एक मजबूत डेयरी नेटवर्क खड़ा हुआ है, जिसमें जुड़ी महिलाएं रोज करीब 4 लाख लीटर दूध का संग्रह कर रही हैं। अब तक 1380 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे लाभार्थी महिलाओं के बैंक खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है, जिससे उनकी आय में स्थायी वृद्धि हुई है। सुल्तानपुर के मुकुंदपुर गांव की अनीता वर्मा इस योजना की मिसाल बनकर उभरी हैं। दो गायों से शुरू किया गया उनका छोटा प्रयास आज उन्हें सालाना लाखों की आय दिला रहा है और वे अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं। यह योजना साबित कर रही है कि सही अवसर और सरकारी सहयोग मिलने पर ग्रामीण महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन सकती हैं, बल्कि पूरे क्षेत्र की आर्थिक तस्वीर भी बदल सकती हैं।

आत्मनिर्भर महिला, सशक्त परिवार

मुख्यमंत्री योगी का मानना है कि महिलाओं की आर्थिक मजबूती ही समाज की असली ताकत है। इसी सोच के साथ योजना में महिलाओं को उत्पादन, संग्रहण और विपणन की पूरी प्रक्रिया से जोड़ा गया है, जिससे वे खुद निर्णय लेने में सक्षम हो रही हैं।

8000 से एक लाख तक का सफर

मार्च 2023 में 340 गांवों और 8000 महिलाओं से शुरू हुआ यह अभियान अब 1550 गांवों और एक लाख से अधिक महिलाओं तक पहुंच चुका है। डेयरी व्यवसाय का यह विस्तार ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए नया मॉडल बनकर उभरा है।

डीबीटी से खत्म हुआ बिचौलिया तंत्र

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए भुगतान सीधे महिलाओं के खातों में जा रहा है। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो गई है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

संपर्क बनाए रखेंगे भारत और अमेरिका

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के अधिकारियों के बीच तीन दिवसीय व्यापार वार्ता 23 अप्रैल को पूरी हुई, जिसमें दोनों पक्ष भविष्य में इस गति को बनाए रखने के लिए निरंतर संपर्क में बने रहने पर सहमत हुए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक दोनों पक्षों ने बाजार पहुंच, गैर-शुल्क उपायों, व्यापार में तकनीकी बाधाएं, सीमा शुल्क तथा व्यापार सुगमीकरण, निवेश प्रोत्साहन, आर्थिक सुरक्षा और डिजिटल व्यापार जैसे कई क्षेत्रों पर चर्चा की।

बयान में कहा गया, बैठकें सकारात्मक और रचनात्मक माहौल में हुईं जिसमें प्रमुख मामलों पर प्रगति के लिए सार्थक और भविष्योन्मुखी चर्चा की गई। दोनों पक्ष आगे बढ़ते हुए इस गति को बनाए रखने के लिए निरंतर संपर्क में रहने पर सहमत हुए हैं। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका ने पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार के संबंध में एक अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे को अंतिम रूप देने के लिए संयुक्त बयान सात फरवरी को जारी किया था। यह ढांचा व्यापक भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) वार्ता के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

व्यापार समझौते पर बातचीत

एनएच पर दिसंबर से बाधामुक्त टोल प्रणाली

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि देश के कई राष्ट्रीय राजमार्गों पर दिसंबर तक बिना रुकावट के टोल वसूली की नई व्यवस्था लागू की जाएगी। गडकरी ने लॉजिस्टिक्स शक्ति समिट एंड अवॉर्ड्स- 2026 के दूसरे संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि देश में ढांचागत सुविधाओं को बेहतर बनाकर परिवहन लागत घटाना जरूरी है।

गडकरी ने कहा कि इस नई प्रणाली के तहत वाहन चालकों को टोल प्लाजा पर रुकने की जरूरत नहीं होगी। यह व्यवस्था उन्नत प्रौद्योगिकियों पर आधारित होगी, जिसमें वाहन नंबर पहचानने वाली प्रणाली और फास्टैग जैसी इलेक्ट्रॉनिक व्यवस्था शामिल होगी। इस प्रणाली में तेज गति वाले कैमरे और सेंसर के जरिए वाहनों की पहचान की जाएगी और उसी आधार पर टोल शुल्क वसूला जाएगा। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने वालों को डिजिटल रूप से नोटिस भेजा जाएगा। भुगतान नहीं करने पर फास्टैग बंद किया जा सकता है और वाहन से जुड़ी अन्य कार्रवाई भी की जा सकती है।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक का बैंकिंग लाइसेंस निरस्त

मुंबई, एजेंसी

- **रिजर्व बैंक ने कहा- जमाकर्ताओं के हितों का नहीं रखा जा रहा था ख्याल**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को पेमेंट्स बैंक नियमों का पालन न करने के कारण पेटीएम पेमेंट्स बैंक का बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया। आरबीआई ने कहा कि बैंक का संचालन ऐसे तरीके से किया जा रहा था, जो उसके जमाकर्ताओं के हितों के लिए हानिकारक था। केंद्रीय बैंक ने बताया कि वह बैंक को बंद करने के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करेगा।

आरबीआई ने कहा कि बैंक ने उसे दिए गए पेमेंट्स बैंक लाइसेंस की शर्तों का पालन नहीं किया, जिसके कारण यह कार्रवाई की गई है। पेटीएम पेमेंट्स बैंक पहले भी कई मौकों पर नियामक जांच के दायरे में आ चुका है। मार्च 2022 में केंद्रीय बैंक ने इसे नए ग्राहकों को जोड़ने से रोक दिया था। आरबीआई ने कहा कि बैंक के पास इतनी नकदी है कि बंद होने की स्थिति में वह अपने सभी जमाकर्ताओं का पैसा वापस कर सकेगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा, बैंक के प्रबंधन का सामान्य स्वरूप जमाकर्ताओं और सार्वजनिक हित के लिए हानिकारक है। बैंक बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के कुछ प्रावधानों का भी पालन नहीं कर रहा था। अब बैंक को तत्काल प्रभाव से बैंकिंग से जुड़े किसी भी कार्य को करने से रोक दिया गया है।

पेटीएम ने एक मार्च 2024 के खुलासे का हवाला देते हुए शेयर बाजार को बताया कि उसका पीपीबीएल के साथ कोई महत्वपूर्ण व्यावसायिक समझौता नहीं है। कंपनी द्वारा दी जाने वाली कोई भी सेवा पीपीबीएल के साथ साझेदारी में नहीं है। कंपनी पर इसका कोई प्रत्यक्ष वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ेगा।

भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण नहीं पूरे हो सके राजमार्ग निर्माण के लक्ष्य

नई दिल्ली। देश में वित्त वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण 9,380 किलोमीटर रहा, जो 10,000 किलोमीटर के लक्ष्य से कम है।

- **भूमि अधिग्रहण से पहले ही प्रोजेक्ट शुरू करना कारण**

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि लक्ष्य से पीछे रहने का मुख्य कारण भूमि अधिग्रहण में देरी और अन्य मंजूरियां मिलने में समय लगना रहा। पिछले वित्त वर्ष में राजमार्ग निर्माण की लंबाई 2017-18 के बाद से सबसे कम रही। मंत्रालय ने वर्ष 2024-25 में 10,660 किमी, 2023-24 में 12,349 किमी और 2022-23 में 10,331 किमी राजमार्ग बनाए थे। निर्माण की रफ्तार में यह कमी नई परियोजनाओं के आवंटन में गिरावट के कारण आई है। राजमार्ग परियोजनाओं के ठेके देने की गति 2022-23 में 12,376 किमी से घटकर 2024-25 में 7,538 किलोमीटर रह गई।

ब्रोकरों की पूंजा गणना के लिए सेबी का नए तरीके का प्रस्ताव

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को स्टॉक ब्रोकरों के लिए पूंजी की गणना के नियमों में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि ब्रोकरों के पास उनकी कारोबारी गतिविधियों और जोखिम के हिसाब से पर्याप्त पैसा उपलब्ध रहे।

यह प्रस्ताव उस नई व्यवस्था के बाद आया है, जिसके तहत ब्रोकर ग्राहकों का पैसा सीधे समाशोधन निगम को भेजते हैं। इससे ब्रोकरों के पास बहुत कम ग्राहक फंड बचता है और मौजूदा गणना प्रणाली की उपयोगिता घट गई है। वर्तमान नियमों के अनुसार, 2022 में किए गए बदलाव के तहत ब्रोकर के पास पिछले छह महीनों में ग्राहकों का जो औसत नकद शेष रहता है, उसका 10 प्रतिशत जोड़कर उनकी परिवर्तनशील शुद्ध संपत्ति तय की जाती है। ब्रोकरों को आधारभूत शुद्ध पूंजी या परिवर्तनशील शुद्ध संपत्ति में से जो अधिक हो, उसे बनाए रखना होता है। सेबी ने कहा कि अब ग्राहकों के पैसे की व्यवस्था बदल चुकी है, इसलिए यह पुराना तरीका उतना उपयोगी नहीं रहा। नए प्रस्ताव के अनुसार परिवर्तनशील शुद्ध संपत्ति की गणना कई घटकों के आधार पर की जाएगी।

नेटवर्क की दिक्कतः अब डिजिटल संपर्क के अनुकूल बनाने होंगे भवन

नई दिल्ली, एजेंसी

- **ट्राई की सिफारिश सरकार ने की मंजूर, अनिवार्यता लागू हुई**

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के चेयरमैन एके लाहोटी ने शुक्रवार को कहा कि मोबाइल डेटा का इस्तेमाल एवं उसकी गति तेजी से बढ़ने के बावजूद लोग घरों और इमारतों के अंदर नेटवर्क की समस्या का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इसे देखते हुए निर्माण योजनाओं में डिजिटल संपर्क ढांचे को शामिल करना जरूरी हो गया है। ट्राई ने इस संबंध में सरकार को सिफारिश भेजी थी जिसे स्वीकार कर लिया गया है।

दूरसंचार नियामक ट्राई के चेयरमैन ने यहां सीओएआई डिजिकॉम समिट 2026 में कहा कि डेटा की मांगों को पूरा करने के लिए केवल मोबाइल नेटवर्क काफी नहीं हैं खासकर एआई के बढ़ते इस्तेमाल के समय में। इसलिए नियामक ढांचा एवं नीतियां स्थिर ब्रॉडबैंड नेटवर्क के विस्तार को बढ़ावा दे रही हैं, ताकि उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को बेहतर तरीके से पूरा किया जा सके।

उन्होंने कहा कि इमारतों के अंदर नेटवर्क की समस्या अब एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। डेटा उपयोग बढ़ने के बावजूद घरों के अंदर खराब सिग्नल की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। इसलिए जरूरी है कि भवन निर्माण में डिजिटल संपर्क के लिए ढांचा अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। लाहोटी ने बताया कि इस संबंध में दूरसंचार नियामक ने सरकार को सिफारिशें दी हैं, जिन्हें स्वीकार कर लिया गया है। अब इन्हें भवनों के डिजाइन और निर्माण प्रक्रियाओं में शामिल करना आवश्यक होगा।

सोलर सेल आयात : अमेरिका ने भारत पर लगाया एंटीडंपिंग शुल्क

नई दिल्ली। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने भारत से सोलर सेल और पैनल के आयात पर प्रारंभिक एंटी-डंपिंग शुल्क की घोषणा की है। विभाग के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर यह शुल्क 123.04 प्रतिशत रखा है।

आरोप लगाया गया है कि भारत से सोलर सेल अमेरिका में उचित मूल्य से कम पर बेचे जा रहे हैं। विभाग के नोटिस में चार भारतीय निर्माता मुंद्रा सोलर पीवी, मुंद्रा सोलर एनर्जी, कोवा कंपनी और प्रीमियर एनर्जी फोटोवोल्टिक के नाम हैं। इनके अनुमानित भारित औसत डंपिंग मार्जिन की गणना 123.07 प्रतिशत की गई है। विभाग ने कहा है कि वह प्रारंभिक निर्धारण की तारीख के 75 दिनों के भीतर अंतिम निर्धारण जारी करेगा। वाणिज्य विभाग ने प्रारंभिक रूप से पाया कि मुंद्रा सोलर एनर्जी, मुंद्रा सोलर पीवी, कोवा और प्रीमियर एनर्जीज के लिए विषम परिस्थितियां मौजूद हैं, और अन्य सभी निर्यातकों एवं संबंधित माल के उत्पादकों के लिए ऐसी परिस्थितियां मौजूद नहीं हैं।

आश्वासन | सरकार ने किया एलान, कहा- 25 लाख टन यूरिया आयात भी करने की है तैयारी

खरीफ मांग को पूरा करने के लिए देश में पर्याप्त उर्वरक भंडार

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की उर्वरक सुरक्षा मजबूत, स्थिर एवं सुव्यवस्थित बनी हुई है और जून से शुरू होने वाले खरीफ बुवाई सत्र के लिए आपूर्ति को और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त 25 लाख टन यूरिया आयात किया जा रहा है। उर्वरक विभाग ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बाजार में कमी के हालिया दावों को खारिज करते हुए कहा कि देशभर में भंडार की स्थिति संतोषजनक बनी हुई है।

विभाग ने कहा, भारत में सभी प्रमुख उर्वरकों की उपलब्धता लगातार आवश्यकता से अधिक है। भारत घरेलू मांग को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में उर्वरकों का आयात करता है। गत वित्त वर्ष में देश ने 100 लाख टन से अधिक यूरिया का आयात किया था। चालू वित्त वर्ष के पहले 23 दिन में उर्वरकों की उपलब्धता आवश्यकता से काफी अधिक रही है।यूरिया की उपलब्धता 69.33 लाख टन है जबकि आवश्यकता 18.17 लाख टन है। डाय-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की उपलब्धता 22.78 लाख टन है जबकि आवश्यकता 5.90 लाख टन है। म्यूरिएट ऑफ पोटाश की उपलब्धता 8.32 लाख टन है और आवश्यकता 1.73 लाख टन है। एनपीके की उपलब्धता 52.75 लाख टन है जबकि आवश्यकता 7.46 लाख टन है, और एसएसपी की उपलब्धता 25.60 लाख टन है जो 3.30 लाख टन आवश्यक है। विभाग ने कहा, यह आगामी खरीफ सत्र के लिए मजबूत शुरुआती स्थिति को दर्शाता है।

खरीफ फसलों की बुवाई जून से दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन के साथ शुरू होती है। पिछले वर्ष की तुलना से भी भंडार की बेहतर स्थिति स्पष्ट होती है। अप्रैल 2026 के मध्य तक यूरिया का भंडार 67.37 लाख टन है जबकि पिछले वर्ष यह 68.01 लाख टन था जो उच्च स्तर को दर्शाता है। वहीं डीएपी का भंडार उल्लेखनीय रूप से बढ़कर 22.16 लाख टन हो गया है जो पिछले वर्ष 13.01 लाख टन था।

घरेलू उत्पादन के लिए गैस की लगातार आपूर्ति

सरकार ने कहा है कि घरेलू यूरिया उत्पादन के लिए प्राकृतिक गैस की उपलब्धता से जुड़े मुद्दों का भी समाधान किया गया है और उर्वरक संयंत्रों को लगातार आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त एलएनजी/आरएलएनजी की व्यवस्था की जा रही है। वैश्विक उर्वरक कीमतों में तेज वृद्धि के बावजूद सरकार किसानों को वैश्विक कीमतों के उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए 45 किलोग्राम प्रति बोरी पर 266.5 रुपये की अत्यधिक सब्सिडी दर पर यूरिया उपलब्ध करा रही है। बयान में कहा गया, उर्वरक विभाग दोहराता है कि भारत का उर्वरक तंत्र मजबूत, पर्याप्त भंडारित और प्रभावी रूप से प्रबंधित है।

वर्ल्ड ब्रीफ

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी को सम्मान

वाशिंगटन। भारत के थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को अमेरिका के पेनसिल्वेनिया स्थित यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के 'इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया गया है। वह यह सम्मान पाने वाले तीसरे भारतीय सेना प्रमुख हैं। यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के विशिष्ट फेलो जनरल द्विवेदी, जनरल वी.के. सिंह और जनरल बिक्रम सिंह के बाद इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले भारतीय सशस्त्र बलों के तीसरे प्रमुख हैं। भारतीय सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अमेरिका के आर्मी वॉर कॉलेज, कार्लाइल बैरक्स का दौरा किया, जहां उन्हें इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। यह सम्मान पाने वाले वह जनरल वी.के. सिंह और जनरल बिक्रम सिंह के बाद तीसरे भारतीय सेना प्रमुख हैं।

250 भारतीय यहूदी इजराइल पहुंचे

यरूशलम। इजराइल सरकार की पिछले साल घोषित पहल के तहत पूर्वोत्तर भारत से लगभग 250 यहूदी यहां पहुंचे। पिछले साल नवंबर में सरकार ने अगले पांच वर्षों में इजराइल में आव्रजन के लिए हजारों यहूदियों को धन मुहैया कराने का वादा किया था, जिसके तहत बीने मनेशे समुदाय का पहला समूह बृहस्पतिवार को इजराइल पहुंचा। बीने मनेशे समुदाय मणिपुर और मिजोरम के कुछ हिस्सों में रहता है। समुदाय का दावा है कि उनका वंश बाइबिल में उल्लेखित मनेशे कबीले से है। यह समुदाय 1990 के दशक से धीरे-धीरे इजराइल पहुंच रहा है। पिछले तीन दशकों में समुदाय के लगभग 4,000 सदस्य इजराइल आ चुके हैं और लगभग 6,000 अन्य सदस्य इजराइल आने का इंतजार कर रहे हैं।

दुष्कर्म केस में ब्रिटिश व्यक्ति को उम्रकैद

लंदन। ब्रिटेन के वॉल्सॉल में एक सिख महिला से बलात्कार के मामले में दोषी करार दिए गए 32 वर्षीय ब्रिटिश व्यक्ति को शुक्रवार को बर्मिंघम क्राउन अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई। जॉन एशबी नाम के ब्रिटिश व्यक्ति को पिछले साल अक्टूबर में उस हमले के कुछ दिनों बाद गिरफ्तार किया गया था, जिसने धार्मिक घृणा से प्रेरित वारदात कर वेस्ट मिडलैंड्स में समुदाय को सदमे में डाल दिया था। व्यक्ति ने शुरू में यौन उत्पीड़न, गला घोंटने, नस्ली रूप से शारीरिक नुकसान पहुंचाने और डकैती के आरोपों से इनकार किया था, लेकिन बाद में उसने अपराधों को स्वीकार कर लिया। दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई और पैरोल पर विचार से पहले उसे 14 साल जेल में रहना होगा।

अल्जीरिया में नौका पलटने से 17 सोमाली प्रवासियों की मौत

- मृतकों में 12 पुरुष और पांच महिलाएं शामिल

मोगादिशु, एजेंसी

अल्जीरिया और स्पेन के बीच समुद्री क्षेत्र में एक नौका के पलट जाने के बाद कम से कम 17 सोमाली प्रवासी मारे गए। अल्जीरिया में सोमालिया के राजदूत ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

राजदूत यूसुफ अहमद हसन ने सोमालिया की सरकारी मीडिया को बताया कि अपने परिचितों की तलाश कर रहे लोगों ने उनसे संपर्क किया। यूरोप की यात्रा के दौरान नौका के पलटने के बाद डूबने से 12 पुरुष और पांच महिलाओं की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मुझसे उन अभिभावकों ने संपर्क किया जो अपने बच्चों की तलाश कर रहे थे और उनके बारे में जानना चाहते थे। हसन ने बताया कि इसके बाद उन्होंने अल्जीरियाई विदेश मंत्रालय से संपर्क किया, जिसने उन्हें सूचित किया कि राजधानी अल्जीयर्स से लगभग 100 किलोमीटर पश्चिम में एक तटीय प्रांत में अफ्रीकी प्रवासियों के एक समूह में शामिल लोगों की मौत हो गई है।

यूरोप जाने की कोशिश कर रहे प्रवासियों के लिए उत्तरी अफ्रीका और स्पेन के बीच का मार्ग आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले मार्गों में से एक है।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यक महिलाओं की स्थिति चिंताजनक

संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने कहा, कार्रवाई में कमी से बढ़ रहे धर्मांतरण और अगवा किए जाने के मामले

लंदन, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों और महिलाओं को अगवा किए जाने तथा जबरन शादी के जरिये उनका धर्मांतरण कराए जाने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई है।

उन्होंने कहा है कि कार्रवाई की कमी" ऐसे मामलों में वृद्धि का कारण बन रही है। जेनेवा स्थित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) के विशेषज्ञों ने बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, धर्म या आस्था में कोई भी बदलाव वास्तव में दबाव मुक्त होना चाहिए। साथ ही शादी दोनों पक्षों की पूर्ण एवं दबाव मुक्त सहमति पर आधारित होनी चाहिए, जो कानूनी रूप से तब संभव नहीं है, जब पीड़ित नाबालिग हो।

विशेषज्ञों के मुताबिक, पाकिस्तान में 2025 में अपहरण, जबरन शादी और धर्मांतरण से पीड़ित लड़कियों एवं महिलाओं में से लगभग 75 फीसदी हिंदू और 25 प्रतिशत ईसाई समुदाय की थीं। उन्होंने कहा कि ऐसी लगभग 80 फीसदी घटनाएं सिंध प्रांत से दर्ज की गईं। विशेषज्ञों के अनुसार, कार्रवाई की कमी लगातार जारी इस कृत्य को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा, 14 से 18 साल की उम्र की किशोरियों को खास तौर पर निशाना बनाया जाता है। गरीब और हाशिये पर रहने वाले परिवारों की लड़कियों और युवतियों के साथ ऐसे कृत्य होने की आशंका ज्यादा रहती है। विशेषज्ञों ने कहा कि पीड़ित लड़कियों और महिलाओं को न सिर्फ शारीरिक एवं यौन हिंसा, सामाजिक कलंक और गंभीर आघात का सामना करना पड़ता है, बल्कि धर्म और आस्था के पालन की उनकी आजादी भी छीन ली जाती है। उन्होंने कहा, ये महिलाएं और लड़कियां लगातार आतंक के साये में जी रही हैं... इसे रोकना होगा।

गाज़ा युद्ध में प्रतिदिन औसतन 47 महिलाएं मारी गईं : संरा

न्यूयॉर्क। गाज़ा पट्टी में अक्टूबर 2023 से दिसंबर 2025 के बीच इजरायल की सैन्य कार्रवाई में 38,000 से अधिक महिलाएं और लड़कियां मारी गयी हैं, जो इस अवधि में प्रतिदिन औसतन 47 मौतों के बराबर है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। संयुक्त राष्ट्र महिला इकाई की रिपोर्ट गाज़ा में युद्ध की कीमतः महिलाएं और लड़कियां में कहा गया है कि यह संख्या उसी अवधि में दर्ज कुल मौतों के आधे से अधिक है। गाज़ा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सात अक्तूबर 2023 को हमास के हमले के बाद शुरू हुए इजरायल के सैन्य अभियान में अब तक 71,200 लोगों की मृत्यु दर्ज की गयी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की कुल हिस्सेदारी सभी मृतकों में आधे से अधिक है। साथ ही यह भी संकेत दिया गया है कि वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है, क्योंकि मलबे में दबे शवों को निकालने में कठिनाई और स्वास्थ्य तथा सूचना तंत्र के बाधित होने के कारण कई मामलों की रिपोर्टिंग नहीं हो पाई है। आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं और बच्चों की मौतों में वृद्धि उन अवधियों में देखी गई जब नागरिक ढांचे जैसे घर, स्कूल और आश्रय स्थलों का व्यापक विनाश हुआ। अनुमान है कि गाज़ा में लगभग 11,000 महिलाएं, लड़कियां विकलांगता का सामना कर रही हैं।

इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था के लिए नाबालिग को बाध्य नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ने सात महीने से अधिक प्रेग्नेंट लड़की को अबॉशर्न की दी अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को 15 वर्षीय लड़की को सात महीने से अधिक की गर्भावस्था का चिकित्सीय समापन कराने की अनुमति देते हुए कहा कि कोई भी अदालत किसी महिला, विशेषकर नाबालिग को उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था पूरी अवधि तक जारी रखने के लिए बाध्य नहीं कर सकती।

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि जन्म लेने वाले बच्चे की अपेक्षा गर्भवती महिला की इच्छा अधिक महत्वपूर्ण है। न्यायालय ने जोर देकर कहा कि ऐसी गर्भावस्था जारी रहने से नाबालिग के मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा की संभावनाओं, सामाजिक स्थिति और समग्र विकास पर दीर्घकालिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि महिला की प्रजनन संबंधी स्वायत्तता को सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए। यदि किसी महिला को अवांछित गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर किया जाता है, तो यह उसके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। पीठ ने कहा कि अपने शरीर से जुड़े निर्णय लेने का अधिकार विशेषकर प्रजनन के मामलों में संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता का अभिन्न हिस्सा है। यह अधिकार अव्यावहारिक प्रतिबंध लगाकर निष्प्रभावी नहीं किया जा सकता, खासकर नाबालिगों और अवांछित गर्भावस्था जैसे मामलों में। न्यायालय ने कहा कि किसी भी अदालत को किसी महिला और विशेष रूप से नाबालिग बच्ची को उसकी स्पष्ट इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था पूरी अवधि तक ढोने के लिए बाध्य नहीं करना चाहिए। ऐसा करना न केवल उसकी निर्णय लेने की स्वतंत्रता की अनदेखी होगी, बल्कि यदि उसे बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर किया जाए तो उसे गंभीर मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक आघात भी पहुंचेगा। पीठ ने कहा कि राहत देने से इनकार नाबालिग को अपरिवर्तनीय परिणाम झेलने के लिए मजबूर करेगा और ऐसा दृष्टिकोण प्रजनन विकल्प को मौलिक अधिकार मानने वाले संवैधानिक तथा स्थापित सिद्धांतों के विपरीत होगा।

गर्भवती महिला की इच्छा अधिक महत्वपूर्ण

न्यायालय ने कहा कि गर्भवती महिला की इच्छा अधिक महत्वपूर्ण है, न कि जन्म लेने वाले बच्चे की। पीठ ने कहा कि यह कहना आसान है कि यदि गर्भवती महिला बच्चे का पालन-पोषण नहीं करना चाहती तो वह उसे गोद दे सकती है, इसलिए उसे बच्चे को जन्म देना ही चाहिए। लेकिन यह विचार विशेषकर उन मामलों में स्वीकार्य नहीं हो सकता, जहां जन्म लेने वाला बच्चा अवांछित हो। ऐसी स्थिति में महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध बच्चे को जन्म देने और गर्भावस्था जारी रखने का निर्देश देना गर्भवती महिला के कल्याण को नकारना होगा और उसे अभी जन्म न लेने वाले बच्चे के हितों के अधीन कर देगा। संवैधानिक अदालतों को ऐसे मामलों में जन्म लेने वाले बच्चे के बजाय गर्भवती महिला के कल्याण को ध्यान में रखते हुए परिस्थितियों का मूल्यांकन करना चाहिए।

गर्भसमापन के लिए सभी तथ्यों, परिस्थितियों पर देना होगा ध्यान

न्यायालय ने कहा कि संवैधानिक अदालत को उन सभी तथ्यों और परिस्थितियों को उस पक्ष के दृष्टिकोण से देखना चाहिए, जो गर्भसमापन चाहती है और चिकित्सकीय जोखिम उठाने को तैयार है, न कि गर्भावस्था पूरी कर अवांछित बच्चे को जन्म देने का निर्देश देना चाहिए। पीठ ने कहा कि यदि संवैधानिक अदालत यह कहे कि अवांछित गर्भावस्था भी जारी रखनी होगी, तो अनुमति लेने के लिए अदालत आने के बजाय लोग अवैध गर्भपात केंद्रों का रुख करेंगे या गुप्त रूप से गर्भसमापन कराएंगे, जिससे गर्भवती महिला को अधिक खतरा होगा। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि इस मामले में लड़की 15 वर्ष की है और गर्भावस्था अवांछित है इसलिए इसे जारी रखना नाबालिग गर्भवती के हित में नहीं है, विशेषकर तब जब उसने दो बार आत्महत्या का प्रयास किया है।

पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

गुवाहाटी। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। यह याचिका असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और विदेश में अघोषित संपत्तियां होने के उनके आरोपों से जुड़े मामले में दायर की गई थी। न्यायमूर्ति पार्थिव ज्योति सैकिया की एकल पीठ ने सोमवार को खेड़ा द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस नेता को गुवाहाटी उच्च न्यायालय का रुख करने के लिए कहा था।

एक संवाददाता सम्मेलन में खेड़ा द्वारा लगाए इन आरोपों के बाद मुख्यमंत्री शर्मा की पत्नी रिंकी भुइयां शर्मा ने कांग्रेस नेता और अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत गुवाहाटी अपराध शाखा पुलिस थाने में आपराधिक मामले दर्ज कराए थे। न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि जो आरोप उन्होंने लगाए हैं, वे कुछ दस्तावेजों पर आधारित हैं, जो उनके पास हैं जबकि पुलिस ने दावा किया कि उन दस्तावेजों को पहले ही फर्जी साबित किया जा चुका है। अदालत ने कहा कि मामला दर्ज होने के बाद याचिकाकर्ता ने यह कहीं नहीं कहा कि पुलिस ने झूठे या मनगढ़ंत दावे किए हैं।

18 माह बाद 400 फिट ऊंचे टावर से उतारा गया युवक

- गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी पर सख्त कानून की थी की मांग

समाना, एजेंसी

पंजाब में बेअदबी की घटनाओं के लिए सख्त कानूनों की मांग को लेकर करीब 560 दिनों से 400 फुट ऊंचे मोबाइल टावर पर बैठे कार्यकर्ता गुरजीत सिंह खालसा को आखिरकार शुक्रवार सुबह नीचे उतार लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस घटनाक्रम के साथ ही गुरु ग्रंथ साहिब के अपमान के लिए कड़ी सजा की मांग कर रहे खालसा (43) के अनूठे ढंग से किए जा रहे विरोध प्रदर्शन का समापन हो गया।

उन्होंने 12 अक्टूबर 2024 को पटियाला के समीप समाना में स्थित टावर पर चढ़कर अपना विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। पटियाला के एक दमकल अधिकारी ने बताया कि दमकलकर्मियों, पुलिस और नगर निकाय के अधिकारियों की एक टीम ने विशेष 'क्रेन-लिफ्ट' की मदद से उन्हें नीचे उतारा। कार्यकर्ता को टावर से उतारते समय उन्होंने हाथ हिलाकर अपने उन समर्थकों का अभिवादन किया जो नीचे खड़े थे। इस बीच एक समर्थक ने चिल्लाकर कहा कि खालसा 'चढ़दी कला' (जोश) में है। खालसा को 'सिख जयकारा' और 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' के नारों के बीच टावर से उतारने के बाद चिकित्सा जांच के लिए एम्बुलेंस में अस्पताल ले जाया गया। इस बीच उनके समर्थकों ने उन पर फूल बरसाए। कई स्थानीय लोगों को अपने घरों की छतों से इस पूरी प्रक्रिया को देखते हुए देखा गया। पटियाला जिले के खेड़ी नगैयां गांव के निवासी कार्यकर्ता ने जमीन पर कदम रखते हुए कहा कि हम जीत गए हैं। खालसा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान और विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां को बेअदबी विरोधी कानून लागू करने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि गुरु की कृपा से मैं 18 महीने और 12 दिन बाद सुरक्षित वापस आ गया हूं। मैं पंजाब सरकार का आभारी हूं। पंजाब सरकार ने गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के खिलाफ संशोधित कानून जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026' को हाल ही में अधिसूचित कर दिया है, जिसमें गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के किसी भी कृत्य के लिए आजीवन कारावास और 25 लाख रुपये तक के जुर्माने समेत कठोर दंड का प्रावधान है।

इजराइल-लेबनान संघर्ष विराम तीन सप्ताह के लिए बढ़ा

- ट्रंप बोले-दोनों देशों के राजदूतों के बीच सार्थक रही बैठक

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति को व्हाइट हाउस में हुई बातचीत इजराइल एवं हिजबुल्ला चरमपंथी डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि बृहस्पतिवार के बाद इजराइल और लेबनान ने समूह के बीच युद्धविराम को तीन सप्ताह के लिए बढ़ाने पर सहमति जताई है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में इजराइल और लेबनान के राजदूतों के बीच हुई बैठक सार्थक रही। राष्ट्रपति के कार्यालय ओवल ऑफिस में हुई एक बैठक के दौरान हालांकि ट्रंप ने स्वीकार किया कि उन्हें हिजबुल्ला के बारे में भी सोचना होगा। हालांकि ईरान समर्थित इस समूह ने वार्ता का विरोध किया है और पिछले शुक्रवार को प्रारंभिक युद्धविराम लागू होने के बाद से दोनों पक्षों द्वारा कई बार इसका उल्लंघन किया गया है। इजराइल और लेबनान के बीच दशकों में यह पहली सीधी राजनयिक वार्ता थी। दोनों पक्षों के बीच हुआ शुरुआती 10 दिवसीय युद्धविराम सोमवार को खत्म होने वाला था। ट्रंप ने सोशल पोस्ट में कहा कि लेबनान को हिजबुल्ला से रक्षा में मदद करने के लिए अमेरिका उसके साथ काम करेगा। बाद में ओवल ऑफिस में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अगले कुछ हफ्तों में वह इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन से वाशिंगटन में मुलाकात करेंगे।

सीबीएसई 10वीं : दूसरी बोर्ड परीक्षा को 6.68 लाख से अधिक आवेदन

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को 10वीं कक्षा की दूसरी बोर्ड परीक्षा के लिए 6.68 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें अधिकांश आवेदन मुख्य परीक्षा में प्राप्त अंकों में सुधार के लिए हैं, जिसके परिणाम इस महीने की शुरुआत में घोषित किए गए थे। सीबीएसई के अनुसार, दूसरी बोर्ड परीक्षा के लिए कुल 6,68,854 नियमित उम्मीदवारों ने आवेदन किया है जिनमें से 5,25,655 ने सुधार के लिए, 85,285 ने कंपार्टमेंट श्रेणी के तहत तथा 57,914 ने कंपार्टमेंट तथा सुधार दोनों श्रेणियों के लिए आवेदन किया है। बोर्ड ने बताया है कि 2026 से कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा दो बार कराई जा रही है। इसके तहत छात्रों को पहली (मुख्य) परीक्षा में अनिवार्य रूप से शामिल होना होगा।

शरण देने के ट्रंप के प्रतिबंध को अवैध बताया

वाशिंगटन। एक अपीलीय अदालत ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश पर रोक लगा दी, जिसके तहत शरण देने की सुविधा को निलंबित कर दिया गया था। यह आदेश रिपब्लिकन राष्ट्रपति की अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर प्रवासन पर नकेल कसने की योजना का एक प्रमुख स्तंभ था।

आरएसएस 'कु क्लक्स क्लैन' का भारतीय संस्करण नहीं : होसबाले

- सरकार्यवाह बोले-संगठन के बारे में कई हैं गलतफहमियां

वाशिंगटन, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में कहा कि आरएसएस अमेरिकी श्वेत वर्चस्ववादी समूह 'कु क्लक्स क्लैन' का कोई भारतीय संस्करण नहीं है। साथ ही उन्होंने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में संगठन के कार्यों पर प्रकाश डाला।

हडसन इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित 'न्यू इंडिया कॉन्फ्रेंस' में संवादात्मक सत्र के दौरान होसबाले ने कहा कि अमेरिका में भारत के बारे में गलतफहमियों की तरह ही आरएसएस के बारे में भी गलत धारणाएं हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार को लेखक वाल्टर रसेल मीड के साथ चर्चा के दौरान कहा कि दशकों से जानबूझकर या अनजाने में अन्यथा किसी एजेंडा के तहत इस तरह की धारणा गढ़ी गई है कि आरएसएस एक हिंदू वर्चस्ववादी संगठन है या यह ईसाई विरोधी, अल्पसंख्यक विरोधी, विकास विरोधी और आधुनिकीकरण का विरोधी है। होसबाले ने कहा कि इसलिए सकारात्मक कार्यों को कभी उजागर नहीं किया गया। इसके बजाय हमेशा गलत छवि का ही प्रचार किया जाता रहा है... जैसे हम 'कु क्लक्स क्लैन' का कोई भारतीय संस्करण हों, जो कि हम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू दर्शन और संस्कृति पूरे विश्व को एक परिवार की तरह देखती है और यह वर्चस्ववाद का समर्थन नहीं करती। आरएसएस सरकार्यवाह ने कहा, हम सजीव और निर्जीव, हर चीज में एकता देखते हैं। जब यही हिंदुओं का मूल दर्शन है, तो श्रेष्ठता का प्रश्न ही नहीं उठता। इतिहास में हिंदुओं ने कभी किसी देश पर आक्रमण नहीं किया है। होसबाले ने आरएसएस को भारत की सांस्कृतिक और सभ्यतागत विचारधारा में निहित एक स्वयंसेवी आंदोलन के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि आरएसएस भारत के प्राचीन समाज की सांस्कृतिक नैतिकता और सभ्यतागत मूल्यों से प्रेरित एक जन स्वैच्छिक आंदोलन है जिसे सामान्यतः हिंदू संस्कृति के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि चरित्रवान, आत्मविश्वासी, समाज सेवा का भाव रखने वाले और समाज को संगठित करने में सक्षम स्वयंसेवकों को तैयार करने के लिए संघ एक घंटे की दैनिक और साप्ताहिक शाखाओं का आयोजन करता है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज निर्णय लेने से पहले स्थिति को पूरी तरह समझना जरूरी होगा। दिन के दूसरे हिस्से में चीजें स्पष्ट होंगी।

वृष – आज किसी बात को लेकर मन में दबाव रह सकता है। कारोबार में बड़ी साझदारी हो सकती है। धैर्य बनाए रखें।

मिथुन – आज का दिन अच्छा रहेगा। संपर्क आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। सही समय पर लिया गया निर्णय आपको आगे बढ़ाएगा।

कर्क – आज आपका ध्यान परिवार से जुड़े मामलों पर रहेगा। किसी जिम्मेदारी को निभाने का समय है। भावनाओं पर नियंत्रण रखें।

सिंह – आज आपके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई नया काम शुरू करने की सोच सकते हैं। दिन का दूसरा भाग आपके लिए अनुकूल रहेगा।

कन्या – आज आपको अपने कामों पर ध्यान देना होगा। किसी भी लापरवाही से बचें। छोटे-छोटे प्रयास ही आपको सही परिणाम देगा।

तुला – आज किसी नई योजना की शुरुआत हो सकती है। आपको अपने तरीके से काम करने का मौका मिलेगा।

वृश्चिक – आज विदेश से जॉब के ऑफर मिलने की संभावना बन रही है। दूसरों के कार्यों में टांग न अड़ाएं। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें।

धनु – आज परिस्थितियों के लगातार अनुकूल होने से खुश रहेंगे। ऑफिस में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मकर – आज कुछ लोग आपके कार्यों में अवरोध डालने का प्रयास कर सकते हैं। नया कार्य आरंभ करने में जल्दबाजी न करें।

कुंभ – आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। कारोबार में विस्तार कर सकते हैं। व्यवसायिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है।

मीन – आज आपकी दिनचर्या अत्यंत अनुशासित रहेगी। घर का माहौल काफी अच्छा रहेगा। प्रशासन से जुड़े लोग कार्यों से संतुष्ट रहेंगे।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

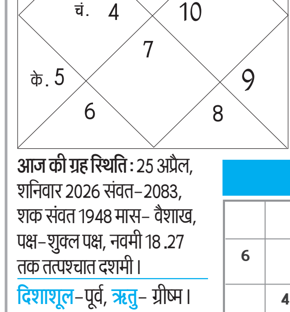

आज की ग्रह स्थिति : 25 अप्रैल, शनिवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 18.27 तक तत्पश्चात दशमी।

दिशाशूल-पूर्व, **ऋतु**- ग्रीष्म।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अश्लेशा 20.04 तक तत्पश्चात मघा।

सुडोकू - 129 का हल

3	2	5	9	6	8	1	4	7
4	8	7	2	1	3	9	5	6
9	6	1	7	4	5	8	3	2
8	5	6	3	2	9	4	7	1
2	1	4	8	7	6	3	9	5
7	3	9	4	5	1	2	6	8
6	7	2	1	9	4	5	8	3
1	9	3	5	8	7	6	2	4
5	4	8	6	3	2	7	1	9

सुडोकू -130

		3		5				
6			4			9		
	4				3			8
9					5			
8		6			1	3		5
			2					4
5			1	3			2	
	7	1			4			9
			5	9		6		

शोध | नींद संबंधी समस्याओं का प्रभावी इलाज होने पर दूर हो सकते हैं डायबिटीज, हृदयरोग, अवसाद जैसे कई लक्षण

अनिद्रा अपने आप में एक बीमारी, अलग से इलाज की जरूरत

ब्रिटेन, एजेंसी

अनिद्रा यानी नींद न आने की समस्या संभवतः प्राचीनकाल से ही इनसानों को परेशान करती आ रही है, लेकिन वैज्ञानिकों ने पिछले 20 वर्षों में इसकी समझ हासिल करने की कोशिशों में काफी प्रगति की है। आज अनिद्रा ब्रिटेन में लोगों के सामने सबसे आम मानसिक समस्याओं में से एक बन गई है।

इंग्लैंड में लगभग एक-तिहाई वयस्क अनिद्रा से जुड़े लक्षणों का सामना करने की बात स्वीकार करते हैं। अनिद्रा को लेकर वैज्ञानिकों की समझ में जो सबसे बड़ा बदलाव आया है, वह यह है कि ज्यादातर मामलों में इसकी शिकायत शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य संबंधी किसी अन्य समस्या के कारण उभरती है। अनिद्रा के शिकार अधिकांश लोगों को डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, थॉयरॉयड, पेट से जुड़ी समस्याओं, लंबे समय से बरकरार दर्द, बेचैनी या अवसाद की शिकायत होती है। अनिद्रा जब किसी दूसरी बीमारी या समस्या का नजीता होती है, तो उसे सेकेंडरी इंसोमेनिया कहा जाता है। यही कारण है कि पहले डॉक्टर अक्सर सिर्फ मुख्य बीमारी का इलाज करते थे और सेकेंडरी इंसोमेनिया का अलग से उपचार करने पर ध्यान नहीं देते थे। हालांकि, 2000 के दशक की शुरुआत में शोध और नैदानिक अनुभव, दोनों से पता चला कि यह तरीका सही नहीं है। वैज्ञानिकों ने कहा कि कुछ मामलों में अनिद्रा की शिकायत किसी मुख्य बीमारी के उभरने से पहले से ही हो सकती है, जबकि कुछ मामलों में यह उसके ठीक होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रह सकती है। प्राइमरी और सेकेंडरी इंसोमेनिया से चिकित्सकीय रूप से निपटने के तरीके में इस अंतर को त्यागना इस बात को स्वीकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम था कि अनिद्रा अक्सर अपने आप में एक स्वतंत्र बीमारी होती है, जिसका अलग से इलाज करना जरूरी है। शोधकर्ताओं ने इस बात के पुख्ता सबूत जुटाए हैं कि अगर लोगों की नींद संबंधी समस्याओं का प्रभावी इलाज किया जाए, तो उनमें मौजूद डायबिटीज, हृदयरोग, अवसाद, मनोभ्रंश, शराब की लत, बाइपोलर डिसऑर्डर आदि में सुधार हो सकता है।

किसे होती है अनिद्रा की शिकायत?

पिछले दो दशक में दुनियाभर से अधिक सटीक आंकड़े मिले हैं, जो यह दर्शाते हैं कि अनिद्रा की समस्या कितनी आम है। यह लगभग सभी वर्गों को प्रभावित करती है, लेकिन महिलाएं, बुजुर्ग और गरीब एवं हाशिये पर पड़े लोग इसके प्रति ज्यादा संवेदनशील होते हैं, क्योंकि उनमें अक्सर जैविक, मानसिक और सामाजिक, तीनों कारक मिलकर अनिद्रा की समस्या को जन्म देते हैं। महिलाओं के सामने हार्मोन में बदलाव, गर्भावस्था, शिशु का जन्म, स्तनपान, रजोनिवृत्ति, घरेलू हिंसा, दूसरों की देखभाल की जिम्मेदारी, चिंता और अवसाद जैसी स्थितियां आती हैं।

बेयरबॉक 28 अप्रैल को भारत यात्रा पर आएंगी

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र की अध्यक्ष सुश्री एन्नालेना बेयरबॉक 28 अप्रैल को भारत की यात्रा पर आयेंगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बेयरबॉक की यह यात्रा विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के निमंत्रण पर हो रही है और वह विदेश मंत्री के साथ आपसी हित के महत्वपूर्ण बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगी। बेयरबॉक महात्मा गांधी की समाधि राजघाट जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। वह एआई पर इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ एक संवादात्मक सत्र में भी भाग लेंगी।

“हमारा प्रदर्शन खराब इसलिए दिख रहा है क्योंकि हम हर मैच में लक्ष्य का पीछा कर रहे हैं। पिछले मैच में हमने एक ही ओवर में तीन विकेट गंवा दिए थे और हमारी बल्लेबाजी भी बहुत अच्छी नहीं रही थी।
–ट्रिस्टन स्टब्स, दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज

स्टेडियम

लखनऊ, शनिवार, 25 अप्रैल 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

IPL 2026
आज के मुकाबले

पंजाब किंग्स
बनाम
दिल्ली कैपिटल्स
समय - दोपहर 3:30 बजे

सनराइजर्स हैदराबाद
बनाम
राजस्थान रॉयल्स
समय - शाम 7:30 बजे

हाईलाइट

भारत 2047 तक शीर्ष पांच खेल देशों में होगा शामिल : मांडविया

बडगाम। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि भारत 2036 तक दुनिया के शीर्ष 10 खेल राष्ट्रों में शामिल होगा और 2047 तक शीर्ष पांच देशों में अपनी जगह बना लेगा। मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने खेल प्रशासन को अधिक सुव्यवस्थित किया है और देश में एक संगठित खेल ढांचा तैयार किया गया है। उन्होंने मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के ओमपोरा में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के 30-बिस्तर वाले अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद कहा सरकार युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर दे रही है।

भारतीय पुरुषों ने कनाडा को हराया

होर्सेंस (डेनमार्क)। लक्ष्य सेन को कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा लेकिन आयुष शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी ने जीत दर्ज की जिससे 2022 के चैंपियन भारत ने शुक्रवार को यहां थॉमस कप फाइनल्स के अपने पहले ग्रुप ए मुकाबले में कनाडा पर 4-1 से शानदार जीत हासिल की। हालांकि महिला वर्ग में भारत को निराशा हाथ लगी। उबेर कप फाइनल के अपने पहले ग्रुप ए मुकाबले में भारत मेजबान डेनमार्क से 2-3 से हार गया। लक्ष्य सेन को शानदार प्रयास के बावजूद दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी विक्टर लाई से 18-21, 21-19, 21-10 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज सात्विक-चिराग की जोड़ी ने जोनाथन बिंग त्सान लाई व केविन ली को 21-10, 21-11 से हराकर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया।

आत्मसम्मान बचाने उतरेगी महिला टीम

जोहान्सबर्ग। पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला गंवाने के बावजूद भारत के पास शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में बहुत कुछ दांव पर होगा, जिसमें अपनी प्रतिष्ठा बचाना, लय वापस पाना और इस प्रारूप के आगामी विश्व कप के लिए रणनीति तय करना शामिल है। मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने पहले ही पांच मैचों की इस शृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है और टीम का लक्ष्य इस अभियान को जारी रखते हुए सूपड़ा साफ करना है।

सुदर्शन के शतक पर भारी पड़ी विराट कोहली की पारी

आईपीएल-2026 : बेंगलुरु ने गुजरात को 5 विकेट से हराया

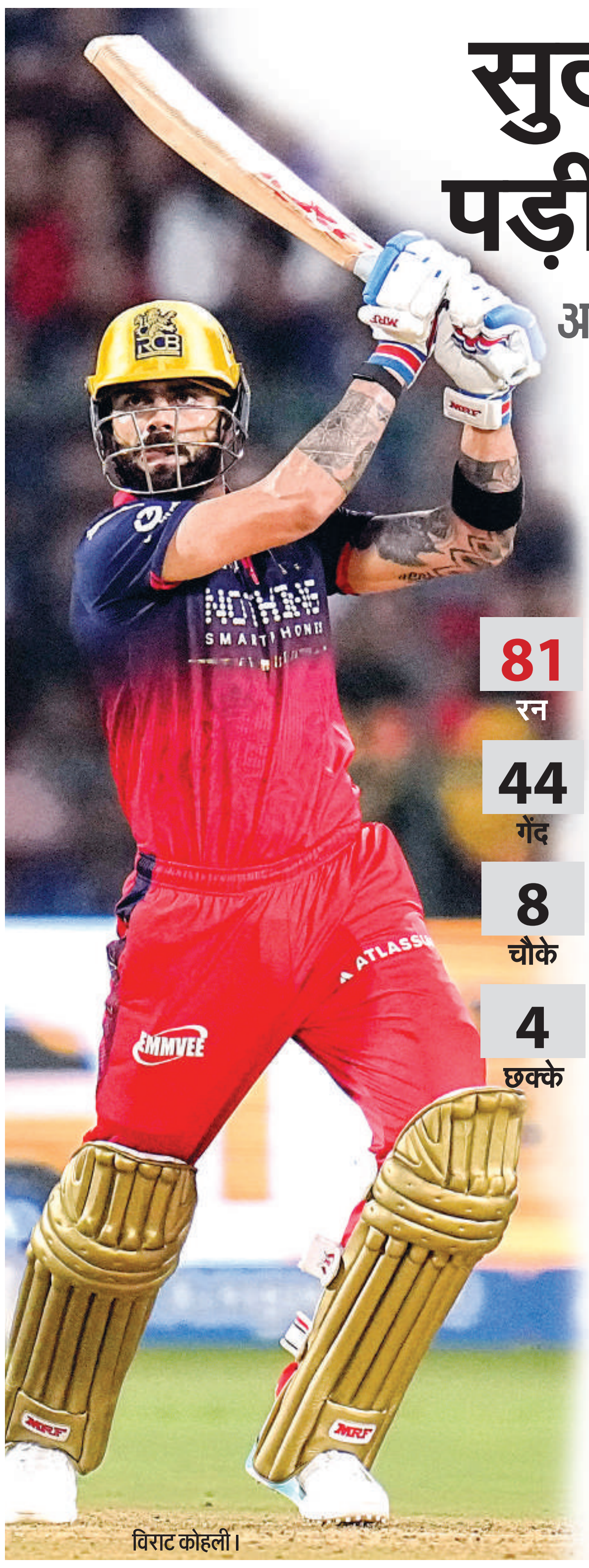

81 रन
44 गेंद
8 चौके
4 छक्के

विराट कोहली।

बेंगलुरु, एजेंसी

विराट कोहली की 81 रन की बेहतरीन पारी साई सुदर्शन के शतक पर भारी पड़ गईं, जिससे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शुक्रवार को यहां आईपीएल मैच में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हरा दिया। पडीक्कल और कोहली के बीच दूसरे विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी से आरसीबी लक्ष्य हासिल करने के करीब पहुंच गई। टीम ने अंत में 18.5 ओवर में 206 रन का लक्ष्य पूरा कर लिया और 10 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई।

जैकब बेथेल के जल्दी आउट होने के बाद कोहली और पडीक्कल ने आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। उनका अंदाज पहली पारी में उनके प्रतिद्वंद्वियों द्वारा संभलकर रन बनाने के तरीके से बिल्कुल अलग था। कोहली ने जब खाता भी नहीं खोला था तब मोहम्मद सिराज की गेंद पर वॉशिंगटन सुंदर ने उनका कैच छोड़ दिया था। कोहली ने पिच के उछाल को बखूबी भांपते हुए प्रसिद्ध कृष्णा और कगिसो रबाडा का आसानी से सामना किया। कोहली ने चिन्नास्वामी स्टेडियम पर दबदबा बनाया और 30 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। दूसरी ओर पडीक्कल भी उतने ही शानदार लय में थे। उन्होंने कर्नाटक के अपने साथी खिलाड़ी प्रसिद्ध की गेंदों पर दो छक्के जड़े और राशिद की गेंद पर भी एक छक्का लगाया। उन्होंने अपने सीनियर खिलाड़ी (कोहली) से 10 गेंदें कम खेलकर अपना अर्धशतक पूरा किया। देवदत्त को राशिद खान ने एक बेहतरीन गेंद पर आउट किया तो कोहली को जेसन होल्डर की एक उछाल भरी गेंद ने बोल्ड किया। इससे टीम थोड़ी मुश्किल में पड़ गई क्योंकि उन्होंने कप्तान रजत पाटीदार और जितेश शर्मा के विकेट भी गंवा दिए जिससे उनका स्कोर 173 रन पर पांच विकेट हो गया। लेकिन कृणाल पांड्या (नाबाद 23 रन, 12 गेंद) और टिम डेविड (नाबाद 10 रन) ने वहां से टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस तरह आरसीबी ने अपने घरेलू मैदान पर खेले गए पांच मैचों में चौथी जीत दर्ज की।

इससे पहले सुदर्शन ने 100 रन की शानदार पारी खेली जिसकी बदौलत गुजरात टाइटंस ने तीन विकेट पर 205 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। गुजरात टाइटंस की पारी के 12.4 ओवर टी20 बल्लेबाजी के बिल्कुल उलट थे जिसमें पूर्व चैंपियन टीम ने यह साबित कर दिया कि इस प्रारूप में बिना आक्रामकता के भी रन बनाए जा सकते हैं। सुदर्शन ने आईपीएल में अपने तीसरे शतक के लिए 58 गेंद की पारी में 11 चौके और पांच छक्के लगाए। उनकी पारी टीम के लिए मजबूत नींव साबित हुई। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपने सलामी जोड़ीदार और कप्तान शुभमन गिल (32 रन, 24 गेंद) के साथ 128 रन की साझेदारी में शुरू से ही पूरी तरह से दबदबा बनाए रखा सुदर्शन ने पावरप्ले के दौरान 29 जबकि गिल ने सिर्फ सात गेंदें खेली थीं। तमिलनाडु के 24 साल के तमिलनाडु के इस बल्लेबाज ने पावरप्ले में 46 रन बनाए और फिर 33 गेंदों में बड़े ही शानदार अंदाज में अपना अर्धशतक पूरा किया।

गुजरात टाइटंस
205/3 (20 ओवर)

साई सुदर्शन का एवं बो हेजलवुड	100
शुभमन गिल का पडिक्कल बो सूयश	32
जोस बटलर का हेजलवुड बो भुवनेश्वर	25
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	19
जेसन होल्डर नाबाद	23

अतिरिक्त : 06, **विकेट पतन** : 1-128, 2-160, 3-177, **गेंदबाजी** : भुवनेश्वर 4-0-31-1, हेजलवुड 4-0-40-1, रसिख सलाम 3-0-28-0, कृणाल पांड्या 4-0-50-0, शेफर्ड 1-0-17-0, सूयश शर्मा 4-0-36-1

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
206/5 (18.5 ओवर)

जैकब बेथेल का शाहरूख बो सिराज	14
विराट कोहली बो होल्डर	81
देवदत्त पडीक्कल का राशिद खान	55
रजत पाटीदार का सुंदर बो सुथार	08
जितेश शर्मा का सुथार बो राशिद खान	10
टिम डेविड नाबाद	10
कृणाल पांड्या नाबाद	23

अतिरिक्त : 05, **विकेट पतन** : 1-26, 2-141, 3-154, 4-171, 5-173

गेंदबाजी : सिराज 3-0-25-1, रबाडा 4-0-45-0, जेसन होल्डर 3 .5-0-35-1, प्रसिद्ध कृष्णा 2-0-31-0, राशिद खान 4-0-49-2, मानव सुथार 2-0-19-1

ऑरेंज कैप

- विराट कोहली बेंगलुरु -328 रन
- अभिषेक शर्मा हैदराबाद-323 रन
- हेनरिच क्लोसेन हैदाराबाद -320

पर्पल कैप

- अंशुल कंबोज चेन्नई - 14 विकेट
- प्रिंस यादव गुजरात - 13 विकेट
- इशान मलिंगा हैदाबाद- 12 विकेट

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	6	5	0	1	11	1.420
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	7	5	2	0	10	1.101
3.	राजस्थान रॉयल्स	7	5	2	0	10	0.790
4.	सनराइज़र्स हैदराबाद	7	4	3	0	8	0.820
5.	चेन्नई सुपर किंग्स	7	3	4	0	6	0.118
6.	दिल्ली कैपिटल्स	6	3	3	0	6	-0.130
7.	गुजरात टाइटंस	7	3	4	0	6	-0.790
8.	मुंबई इंडियंस	7	2	5	0	4	-0.736
9.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	7	2	5	0	4	-1.277
10.	कोलकाता नाइट राइडर्स	7	1	5	1	3	-0.879

संजू सैमसन की शतकीय पारी को कुंबले और हरभजन ने जमकर सराहा

मुंबई, एजेंसी। अनिल कुंबले और हरभजन सिंह जैसे पूर्व दिग्गज स्पिनरों ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ संजू सैमसन के शतक की जमकर सराहना की। उन्होंने इसे परिस्थिति के हिसाब से सबसे बेहतरीन पारियों में से एक करार दिया। सैमसन की 54 गेंदों पर नाबाद 101 रन की पारी से चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने छह विकेट पर 207 रन बनाने के बाद मुंबई इंडियंस को 104 रन पर आउट कर बड़ी जीत दर्ज की। मौजूदा सत्र में यह सैमसन का दूसरा शतक है। पूर्व स्पिनर कुंबले ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहासीएसके की सफलता अक्सर उनके सलामी बल्लेबाजों की मजबूत शुरुआत पर टिकी रही है लेकिन पिछले कुछ सत्र में टीम को इस मामले में निराशा मिली है। सैमसन ने इस जिम्मेदारी को उठाने की कोशिश की है। सिर्फ सात मैचों में दो नाबाद शतक, और उन्होंने टीम को संभालने में अहम

भूमिका निभाई है। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने इस शतक को सैमसन की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक करार दिया। उन्होंने कहा संजू सैमसन इसलिए अलग नजर आए क्योंकि उनकी खेल की समझ बहुत मजबूत थी। बहुत से खिलाड़ियों में प्रतिभा होती है, लेकिन बहुत कम खिलाड़ी यह समझ पाते हैं कि अलग-अलग परिस्थितियों में पारी को कैसे गति देनी है। उन्होंने यह समझा कि खासकर एक युवा टीम के साथ अंत तक टिके रहना कितना जरूरी है।

रॉयल्स की नजरें सनराइजर्स के खिलाफ घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने पर

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को जब सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैदान पर उतरेगी, तो उसकी कोशिश अपने घरेलू मैदान पर दबदबा कायम रखने के साथ-साथ दोनों टीमों के बीच हुए पिछले मुकाबले का हिसाब बराबर करने की भी होगी।

यह मुकाबला आईपीएल के इस चरण में बेहद अहम माना जा रहा है, जहां दोनों टीमें जरूरी अंक हासिल करने की कोशिश में होंगी। सनराइजर्स ने प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन की शानदार गेंदबाजी के बूते दोनों टीमों के बीच 13 अप्रैल को खेले गए पहले चरण के मुकाबले को 57 रन से जीता था। रॉयल्स ने हालांकि उस हार से उबरते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 40 रन की जीत से अच्छी वापसी की है। टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। सनराइजर्स हैदराबाद इस सत्र में उतार-चढ़ाव से गुजरते हुए चौथे स्थान पर है, लेकिन उनकी आक्रामक बल्लेबाजी किसी भी टीम के लिए खतरा बनी हुई है। रॉयल्स को दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले मुकाबले में हर विभाग (पावरप्ले, मध्य ओवर और आखिरी ओवर) में संघर्ष करना पड़ा था, और टीम इस बार माकूल जवाब देने के इरादे से उतरेगी। सनराइजर्स की बल्लेबाजी की ताकत उनके शीर्ष क्रम में है, जहां इशान किशन और हेनरिक क्लासेन पहले ही कई मौकों पर आक्रामक प्रदर्शन कर चुके हैं। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाने वाले अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड भी तेज शुरुआत देने की कोशिश करेंगे। हिंगे और साकिब दोनों ने रॉयल्स के खिलाफ अपने आईपीएल पदार्पण में चार-चार विकेट लिए, लेकिन सनराइजर्स की गेंदबाजी अपेक्षाकृत अनुभवहीन है। टीम कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में संघर्ष कर रही है, हालांकि हाल के मैचों में कुछ सुधार देखने को मिला है। रॉयल्स की टीम मध्यक्रम की बल्लेबाजी को छोड़कर लगभग हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। टीम के नाम सात मैचों में पांच जीत हैं। उनकी बल्लेबाजी की रीढ़ युवा खिलाड़ियों पर टिकी है।

टीम

सनराइजर्स हैदराबाद : ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी।

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिम्रोन हेटमायर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जयसवाल, रविंद्र जड़ेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नंद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई, संदीप शर्मा।

अभ्यास सत्र के दौरान सनराइजर्स के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा। एजेंसी

दिल्ली के सामने अपराजेय पंजाब की चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने के लिए शनिवार को यहां होने वाले मुकाबले में तालिका में शीर्ष पर चल रही पंजाब किंग्स के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से 47 रन से हार का सामना करने वाली दिल्ली के लिए वापसी की राह काफी चुनौतीपूर्ण होगी। इसके लिए उसके ज्यादातर खिलाड़ियों को एक साथ अच्छा प्रदर्शन करना होगा। छह मैचों में तीन जीत और तीन हार के साथ दिल्ली फिलहाल अंकतालिका के छठे स्थान पर है, जबकि पंजाब किंग्स छह मुकाबलों में 11 अंकों के साथ शीर्ष पर काबिज है। उनका एकमात्र अंक तब गया था जब कोलकाता में मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या उसकी बल्लेबाजी में अस्थिरता रही है। केएल राहुल, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी ने कुछ पारियों में योगदान दिया है, लेकिन पूरी टीम एक साथ प्रदर्शन करने में नाकाम रही है। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में असफल रहे हैं, जिससे मध्यक्रम पर दबाव बढ़ गया है। कप्तान अक्षर पटेल से भी उम्मीद की जा रही है कि वह बल्ले और रणनीति दोनों में अधिक जिम्मेदारी निभाएं।

दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज केएल राहुल और पथुम निसांका। एजेंसी

टीम

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब नबी डार, नीतीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगिसानी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, पायला अविनाश, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, कूपर कोनोली, मार्को यानसन, मुशीर खान, मिचेल ओवेन, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, प्रवीण दुबे, बेन ड्वारशुइस, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विशाल निशाद।

सचिन ने घर पर प्रशंसकों के साथ मनाया 53वां जन्मदिन

मुंबई। भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने शुक्रवार को अपना 53वां जन्मदिन अपने घर पर परिवार और विभिन्न आयु वर्ग के प्रशंसकों की मौजूदगी में मनाया। इस मौके पर उनकी पत्नी अंजलि भी उनके साथ मौजूद रहीं। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने अपने आवास पर पहुंचे प्रशंसकों की तालियों और उत्साह के बीच केक काटा। उन्होंने इस दौरान अपनी तस्वीर वाली टी-शर्ट पहनी एक छोटी बच्ची को देखकर उसे गोद में भी उठा लिया, जिससे माहौल और भावुक हो गया। तेंदुलकर ने इससे पहले दिन की शुरुआत में सोशल मीडिया पर अपनी मां, पत्नी अंजलि और अपने पालतू कुत्ते के साथ एक तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा मेरी सुबह की परफेक्ट शुरुआत आई (मां), अंजलि और इस शरारती के साथ हुई। इससे बेहतर क्या हो सकता है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने तेंदुलकर के जन्मदिन के मौके पर आयोजित लीजेंड्स क्लब कार्यक्रम के दौरान उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

पत्नी अंजलि तेंदुलकर और फैंस के साथ जन्मदिन मनाते सचिन तेंदुलकर। एजेंसी

दी सफाई

मुंबई इंडियंस की लगातार हार पर बोले मुख्य कोच महेला जयवर्धने, थकान की आशंकाओं को किया खारिज

मुंबई को आत्मविश्वास, एकाग्रता व अनुशासन की जरूरत

मुंबई, एजेंसी

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के टी20 विश्व कप में खेलने के कारण लेकर थकान की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि टीम लय और आत्मविश्वास हासिल करने पर ध्यान दे रही है।

मुंबई इंडियंस की टीम में सूर्यकुमार और हार्दिक के अलावा जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा पिछले महीने आईसीसी टी20 विश्व कप का खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा थे, जबकि मिचेल सैंटनर ने इस विश्व कप में न्यूजीलैंड की अगुवाई की थी और अनुभवी क्विंटन डिकॉक दक्षिण अफ्रीका टीम के अहम सदस्य थे। मुंबई इंडियंस को बृहस्पतिवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 103 रन की करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा, जो रनों के लिहाज से उसकी सबसे बड़ी हार है। यह टीम की सात मैचों में पांचवीं हार थी।

कप्तान हार्दिक पांड्या ने छह मैचों में केवल तीन विकेट लिए हैं और 97 रन बनाए हैं, जबकि सूर्यकुमार यादव सात मैचों में 156 रन ही बना सके हैं। वहीं, जसप्रीत बुमराह (2 विकेट) और तिलक वर्मा (181 रन) भी एक पारी को छोड़ दे तो खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।

जयवर्धने ने मैच के बाद कहा, “मौजूदा दौर में सभी खिलाड़ी पेशेवर हैं। विश्व कप खेलने वाले कई खिलाड़ी ब्रेक के बाद आईपीएल में लौटे हैं। मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ी खुद भी थकान को कारण मानेंगे। हमें लय और निरंतरता हासिल करनी है। यही हमारी सबसे बड़ी कमी रही है। गेंदबाजी में सुधार की जरूरत है, लेकिन बल्लेबाजी भी लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, “हमें वह संतुलन ढूंढना होगा जहां हम मुकाबला कर सकें। हम अगर अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलें तो हमारे पास अच्छा मौका है, लेकिन अगले सात मैचों के लिए आत्मविश्वास, एकाग्रता और अनुशासन जरूरी है।

इस बीच न्यूज़ीलैंड के टी20 कप्तान मिचेल सैंटनर को चोट के बाद स्कैन के लिए भेजा गया। उन्हें डाइव लगाकर कैच लेने के दौरान सिर, गर्दन और कंधे में चोट लगी थी। उनकी जगह कंकशन सब्स्टीट्यूट के रूप में शार्दुल ठाकुर को बल्लेबाजी के लिए उतारा गया। जयवर्धने ने कहा उसके सिर पर पहले चोट लगी, फिर गर्दन और कंधे पर। मैदान से वापस आने के बाद उसे चक्कर आने लगे, इसलिए उसने स्कैन करवाया। सैंटनर ने डगआउट में कंधे के लिए बर्फ रखी थी, लेकिन उसे लगा कि उसकी हालत स्थिर नहीं है, इसलिए हम उसे स्कैन के लिए ले गए।

चेहरे पर हाथ रखकर अनोखे जश्न के पीछे कोई खास वजह नहीं : अकील हुसैन

चेन्नई सुपरकिंग्स की जीत में 17 रन पर चार विकेट लेकर अहम योगदान देने वाले अकील हुसैन ने कहा कि चेहरे पर हाथ रखकर उनके अनोखे जश्न के पीछे कोई खास वजह नहीं है। हर खिलाड़ी का अपना एक तरीका होता है। नूर अहमद का एक तरीका है, कुछ फुटबॉल खिलाड़ियों के भी अपने तरीके होते हैं, तो मैंने बस यही चुन लिया। इसके पीछे ज्यादा कुछ नहीं है, यह सिर्फ छोटी-छोटी सफलताओं का जश्न मनाने का तरीका है। हुसैन ने आगे कहा उन्हें पता था कि मुंबई के पास केवल पांच गेंदबाज हैं। उन्हें आखिरी ओवरों में एक ऐसे गेंदबाज का इस्तेमाल करना पड़ा, जिसका शुरू में ज्यादा उपयोग नहीं हुआ था।